www.hindmatamirror.com ● वर्ष: 12 ● अंक: 271 ● ठाणे, सोमवार 6 जुलाई, 2026 ● पेज: 8 ● मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

दैनिक ठाणे हिंदमाता मिरर

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

पैनी नजर, पुख्ता खबर

'रामायण' में मंदोदरी बनेंगी काजल अग्रवाल

पेज 8

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की रेस में स्मृति मंधाना समेत चार खिलाड़ियों की लिस्ट जारी

8 पेज

सुप्रभात

जो सत्य के सर्वोत्तम प्रेमी हैं, जो अपने प्रति ईमानदार हैं और जिसका वे स्वप्न देखते हैं, वे उसे कर दिखाने का साहस करते हैं। गुण मनुष्य के वश में हैं, प्रतिभा के वश में मनुष्य स्वयं होता है। - लॉवेल

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (6 जुलाई) 7:21 बजे, सूर्योदय (7 जुलाई) 6:06 बजे, **तापमान: 27 डिग्री से. (भारी गरज के साथ बारिश।)**

शॉर्ट स्टोरी

सोमवार को बंद रहेंगे स्कूल और कॉलेज

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारी बारिश के ऑरेंज अलर्ट को ध्यान में रखते हुए बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने मुंबई में सोमवार को सभी सरकारी, निजी और नगर निकाय द्वारा संचालित स्कूलों और कॉलेजों को बंद रखने के आदेश जारी किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बीएमसी ने रविवार शाम जारी एक बयान में कहा कि यह निर्णय छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बयान में कहा गया है कि सरकारी और निजी दफ्तर सामान्य रूप से काम करेंगे। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे जरूरत पड़ने पर ही घर से निकलें। मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में पिछले कुछ दिनों से बहुत भारी बारिश हो रही है।

चढ़ावा चोरी: होसबाले से भागवत सहमत

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर अब मोहन भागवत की एंट्री हुई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े मामले में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने जो कहा है, वह उससे सहमत हैं। भागवत ने नागपुर में संवाददाताओं से कहा, होसबाले द्वारा जारी बयान देखिए, मेरी प्रतिक्रिया भी वही है। होसबाले ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा था कि अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की घटना ने राम भक्तों और पूरे समाज की आस्था को गहरी ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कहा था कि जांच में दोषी पाए जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

पद्म विभूषण तीजन बाई को दी गई अंतिम विदाई

हिंदमाता नेटवर्क @ रायपुर

छत्तीसगढ़ के लोककला जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। पंडवानी विधा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाली महान और विख्यात गायिका तीजन बाई का निधन हो गया है। उन्होंने 70 वर्ष की उम्र में रायपुर के एम्स में अपनी अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से पूरे प्रदेश और कला जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। भिलाई में राजकीय सम्मान के साथ प्रसिद्ध पंडवानी गायिका पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई को अंतिम विदाई दी गई। 24 अप्रैल 1956 को दुर्ग के गनियारी गांव में जन्मीं डॉ. तीजन बाई लंबे समय से गंभीर बीमारियों से जूझ रही थीं। उनके निधन पर पीएम मोदी ने भी दुख जताया है।

बाल संरक्षण: 15 तक जिलावार समीक्षा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने जिलों में बाल संरक्षण तंत्र की व्यापक समीक्षा कर 15 जुलाई तक रिपोर्ट सौंपें। आयोग के सदस्य संजय लखे पाटील ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि इस पहल का उद्देश्य बाल संरक्षण व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन, निगरानी और जवाबदेही को मजबूत करना तथा पूरे महाराष्ट्र में बच्चों के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे विभिन्न विभागों से प्राप्त आंकड़ों को केवल संकलित करने के बजाय स्वयं उनकी सत्यता की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

मानखुर्द में तीन मंजिला बिल्डिंग गिरी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मानखुर्द में एक तीन मंजिला बिल्डिंग रविवार को गिर गई। सूचना मिलते ही एनडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय नगरसेवक व बीजेपी प्रवक्ता नवनाथ बन भी पहुंचे। मिली जानकारी के अनुसार इमारत के मलबे में फंसे तीन लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। एक व्यक्ति के अंदर फंसे होने की आशंका है। मलबे से निकाले लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं लगातार बारिश के बीच ग्रेटर मुंबई इलाके में पेड़ या टहनियां गिरने की कुल 142 घटनाएं दर्ज की गई हैं।

मूसलाधार बारिश के बीच उद्धव ठाकरे ने शुरू किया राम रक्षा आंदोलन

हिंदुओं को लूटने वाले सत्ता में हैं

भाजपा सरकार पर जोरदार निशाना साधा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के खिलाफ रविवार को 'राम रक्षा' आंदोलन शुरू किया। इस मौके पर उन्होंने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा, हिंदुओं को लूटने वाले लोग सत्ता में हैं। उद्धव ठाकरे ने मध्य मुंबई के दादर स्थित हनुमान मंदिर में 'हनुमान स्तोत्र' और 'हनुमान चालीसा' का पाठ किया। मंदिर परिसर में शंखनाद और धार्मिक मंत्रों के उच्चारण के बीच इस आंदोलन की शुरूआत की गई। इस कार्यक्रम में शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय राऊत, अरविंद सावंत और अनिल देसाई के साथ-साथ कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद थे। उद्धव ठाकरे के मंदिर पहुंचने से पहले, पार्टी नेताओं और वहां आए साधु-संतों ने संयुक्त रूप से पूजा-अर्चना की। ठाकरे ने मंदिर के बाहर एक रैली को संबोधित करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। भगवा रंग का कुर्ता पहने उद्धव ने कहा कि अगर कोई हिंदुत्व का गलत इस्तेमाल करके मंदिर को लूटता है, तो हिंदू उसे नहीं बख्शेंगे। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदुओं को लूटने वाले लोग सत्ता में हैं। किसी लुटेरे से उसकी अपनी लूट की जांच करने के लिए नहीं कहा जा सकता। यह काम निष्पक्ष रूप से किया जाना चाहिए। ज्ञात हो कि राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी का मामला सात जून को सामने आया। मामले की पड़ताल के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर 25 जून को प्राथमिकी दर्ज की गई। इस मामले में मंदिर में चढ़ावे की सुरक्षा और गिनती की प्रक्रिया में शामिल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दल बदलने के लिए 20 करोड़ रुपए की पेशकश!

शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राऊत ने रविवार को दावा किया कि कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) धीरज लिंगाडे को दल बदलने के लिए 20 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी, हालांकि एमएलसी ने इस आरोप से इनकार किया है। राऊत ने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया, और न ही उन्होंने यह स्पष्ट किया कि लिंगाडे को धन की पेशकश किसने की थी और एमएलसी को किस पार्टी में शामिल होना था। राऊत ने दावा किया, आप पार्टी कार्यकर्ताओं, सांसदों और विधायकों को तोड़ रहे हैं। लिंगाडे को 20 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। यह मेरी जानकारी में है। जो लोग यह नहीं समझते कि कहां रुकना है, उनका अंत बहुत दुखद होता है। यह सभी नेताओं पर लागू होता है। हालांकि पत्रकारों से बातचीत में लिंगाडे ने ऐसी किसी भी पेशकश से इनकार करते हुए कहा कि वह राऊत द्वारा किए गए इस दावे से हैरान हैं। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के वरिष्ठ नेता और राज्य मंत्री गिरीश महाजन ने भी राऊत के दावे को खारिज कर दिया।

रोज रामरक्षा पढ़ें उद्धव : सीएम फडणवीस

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर राम नाम पर घमासान तेज हो गया है। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा अयोध्या राम मंदिर के चंदे में 'चोरी' का आरोप लगाकर 'राम रक्षा आंदोलन' शुरू करने की घोषणा के बाद, राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन पर तीखा पलटवार किया है। चंद्रपुर में मीडिया से बात करते हुए फडणवीस ने उद्धव ठाकरे को आध्यात्मिक और राजनीतिक नसीहत देते हुए कहा कि अब उन्हें रोजाना राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे के नए आंदोलन पर तंज कसते हुए कहा, मुझे खुशी है कि उद्धव ठाकरे को भगवान राम याद आए हैं। उद्धव ठाकरे राम को भूल गए थे, और यही कारण है कि आज उनकी यह स्थिति हुई है। यदि वे भगवान राम के मार्ग पर चलेंगे, तो यह उनके स्वयं के हित में होगा। फडणवीस ने विशेष रूप से जोर देकर कहा, अब उन्हें हर दिन राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

.. तब बालासाहेब ठाकरे लोगों के साथ खड़े थे

उद्धव ठाकरे ने कहा, जब इस देश में सत्ता संभाली जा रही थी, तब श्री राम के नारे लगाए गए थे। मुझे नहीं लगता कि किसी अन्य पार्टी ने राम मंदिर के लिए उतना काम किया है जितना शिव सैनिकों ने किया है। उन्होंने शिला पूजन और रथ यात्रा में भाग लिया और कार सेवा करने के लिए अयोध्या गए। कई कार सेवकों ने अपना खून बहाया, मुंबई शहर ने ऐसी चीजें झेलीं जिनका अनुभव शायद ही किसी अन्य शहर ने किया हो। उस समय, बालासाहेब ठाकरे लोगों के साथ खड़े थे। हिंदू डर और हमलों के साये में जी रहे थे और समर्थन की तलाश में थे। तभी शिवसेना का केसरिया झंडा उनके हाथों में सौंपा गया। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा, बारह साल बीत चुके हैं और जिस व्यक्ति के लिए हमने इतनी कड़ी मेहनत की, वह अब प्रधानमंत्री के पद पर हैं। फिर भी, बाद में उन्होंने अफजल खान की तरह शिवसेना को नष्ट करने की कसम खाई।

काशी-मथुरा को किस हद तक लूटेंगे?

बीजेपी के नारे 'अयोध्या तो झांकी है, काशी-मथुरा अभी बाकी हैं' का जिक्र करते हुए शिवसेना यूबीटी प्रमुख ने कहा, अगर अयोध्या सिर्फ एक झलक थी, तो वे काशी और मथुरा को किस हद तक लूटेंगे? हमें लगा था कि सत्ता में भगवा सरकार आई है। अटल-जी ने कहा था, अब हिंदुओं को चोट नहीं सहनी पड़ेगी, फिर भी आज ऐसी सरकार सत्ता में है जो हिंदुओं को ही लूट रही है। यह सचमुच दुर्भाग्यपूर्ण है। ये आरोप सिर्फ मैं नहीं लगा रहा हूं, कई और लोग भी ऐसा कर रहे हैं। शंकराचार्य ने कहा कि केदारनाथ का सोना लूटा गया। मध्य प्रदेश में मंत्रियों ने महाकाल मंदिर की जमीन हड़प ली। बद्रीनाथ से भी गबन की खबरें आ रही हैं।

गर्व से कहो हम हिंदू हैं

शिवसेना यूबीटी प्रमुख ने गरजकर कहा था, गर्व से कहो, हम हिंदू हैं। मैं उसी हिंदुत्व को फिर से जिंदा करना चाहता हूं। यह हिंदू पागल नहीं है, बारिश में भीगते हुए भी वह रामरक्षा का पाठ कर रहा है। यह बारिश के बीच जगी एक चिंगारी है। अगर सत्ता में बैठे लोग राम-भक्तों के स्वभाव को नहीं समझ पा रहे हैं, तो मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं, भगवान राम के साथ गई वानर-सेना ने रावण की सोने की लंका को राख में बदल दिया था। उन्होंने हमारी पार्टी चुरा ली और हमसे भगवान राम का धनुष-बाण वाला चुनाव चिह्न छीन लिया। लेकिन आज, हमारे हाथ में वही मशाल है जिसका इस्तेमाल हनुमान जी ने लंका को जलाने के लिए किया था। जब तक हम आपके अन्याय की लंका को राख नहीं कर देते, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे।

दुबई से 4 किलो सोना लेकर मुंबई पहुंची महिला

पैंट के अंदर छिपाए थे 6 करोड़ के गोल्ड बार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

दुबई से मुंबई पहुंची एक महिला को शायद लगा था कि उसकी चालाकी किसी की नजर में नहीं आएगी, लेकिन एयरपोर्ट पर पहले से अलर्ट बैठी डीआरआई (राजस्व खुफिया निदेशालय) की टीम ने उसका पूरा प्लान फेल कर दियौ तलाशी हुई तो महिला की पैंट के अंदर से एक-दो नहीं, बल्कि 4 किलो सोना बरामद हुआ। इसकी कीमत करीब 6 करोड़ रुपए बताई जा रही है। अब महिला गिरफ्तार है और जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि वह सिर्फ एक कैरियर थी या उसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है।

चार विदेशी मार्किंग वाले गोल्ड बार मिले

एजेंसी के मुताबिक, डीआरआई को इनपुट मिला था कि दुबई से आने वाली एक महिला यात्री सोने की तस्करी कर सकती है। इसी सूचना के आधार पर शुक्रवार को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर निगरानी बढ़ा दी गई। जैसे ही महिला दुबई से उतरी, डीआरआई अधिकारियों ने उसे रोक लिया। शुरुआती पूछताछ के बाद उसकी और उसके सामान की जांच की गई। तलाशी के दौरान महिला की पैंट के अंदर बड़ी सफाई से छिपाए गए चार विदेशी मार्किंग वाले गोल्ड बार मिले। इनका कुल वजन करीब 4 किलोग्राम था।

18 मामलों में 18 यात्रियों से लगभग 10.55 करोड़ रुपए मूल्य का सोना बरामद

मुंबई कस्टम्स जोन-तृतीय के एयरपोर्ट कमिश्नरेट के अधिकारियों ने 24 जून से 30 जून 2026 तक की ड्यूटी के दौरान, कई जब्ती कीं। इनमें 18 मामलों में 18 यात्रियों से लगभग 10.55 करोड़ रुपए मूल्य का सोना बरामद किया गया। 1 मामले में 1,25,000 यूएई दिरहम (लगभग 31.19 लाख रुपये मूल्य) की विदेशी मुद्रा जब्त की गई। 1 मामले में 7.60 लाख रुपए मूल्य के 'एसे लाइट' सिगरेट के 380 कार्टन बरामद किए गए। 7 मामलों में लगभग 1.17 करोड़ रुपए मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक्स, सिगरेट, कॉस्मेटिक्स और अन्य टैक्स-योग्य सामान जब्त किए गए। 7 मामलों में लगभग 25.06 करोड़ रुपए मूल्य के हाइड्रोपोनिक वीड/हशीश और कोकीन बरामद किए गए (जिनका कुल वजन इस प्रकार था: 68.302 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड, 535 ग्राम हशीश और 230 ग्राम कोकीन/मेथाक्वालोन)। कुल मिलाकर 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

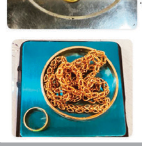

एयरपोर्ट पर लगातार तस्करी के मामले सामने आ रहे हैं

मुंबई में पेड़ गिरने से दो लोगों की मौत, कुर्ला में बुजुर्ग तो आरे कॉलोनी में बाइक सवार युवक की मौत; प्रदर्शन करेगी मनसे

न नाला सफाई, न पेड़ छंटाई... दिखी केवल हाथ की सफाई!

● बारिश लगातार... थमी शहर की रफ्तार, जगह-जगह जलजमाव, गिरते पेड़; उखड़ती सांसें, अगले 24 घंटे का अलर्ट

● मुंबई में मूसलाधार बारिश से जनजीवन बेहाल, एलटीटी स्टेशन परिसर जलमग्न, भ्रष्टाचार की परतें खुलीं

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश के बाद लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मुंबई में अंधेरी, विरार, माटुंगा और पवई समेत कई इलाकों में लोग मुश्किलों से जूझ रहे हैं। कहीं पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आई हैं, तो कहीं जलभराव ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। इससे एक बात तो साफ नजर आती है कि नगर निगम प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और ठेकेदारों ने गजब की लापरवाही बरती है। न तो नाला सफाई ठीक से हुई है, न तो वृक्षों की छंटाई ठीक से की गई है। ऐसे में लगातार वृक्ष उखड़ रहे हैं और जानलेवा साबित हो रहे हैं। सफाई और छंटाई छोड़कर केवल 'हाथ की सफाई' की गई है; यह लगातार हो रही बारिश ने सिद्ध कर दिया है। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़ और कोंकण क्षेत्र के लिए अगले 24 घंटे तक रुक-रुक कर तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, जलभराव वाले इलाकों में सावधानी बरतने और प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी का पालन करने की अपील की है। प्रशासन भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट मोड पर है और राहत एवं बचाव दलों को संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात किया गया है। पिछले 24 घंटे में मुंबई के कई इलाकों में 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई, जबकि कुछ स्थानों पर 300 मिलीमीटर से भी अधिक वर्षा हुई।

पेड़ गिरने से दो लोगों की मौत

मुंबई के हालात बारिश की वजह से बेहाल हो गए हैं। मुंबई में 12 घंटे के अंदर पेड़ गिरने की वजह से दो लोगों की मौत का मामला सामने आया है। एक तरफ मुंबई के कुर्ला इलाके में 63 वर्षीय बुजुर्ग युनुस कुंडवला की पेड़ गिरने से मौत हो गई, तो वहीं दूसरी तरफ आरे कॉलोनी में पेड़ गिरने की वजह से 18 साल के हसन रजा की मौत हो गई। इन दोनों घटनाओं के बाद से विपक्ष ने अब बीएमसी पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। मनसे के कार्यकर्ता थोड़ी देर में मौके पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। रविवार दोपहर करीब 10:30 बजे कुर्ला (पश्चिम) के नौपाड़ा स्थित हिंदी बीएमसी स्कूल के पास कमानी इलाके में अचानक एक बहुत बड़ा और पुराना पेड़ पास की एक दुकान पर भरभराकर गिर गया। इस हादसे के वक्त दुकान के पास मौजूद 63 वर्षीय यूनुस कुंडावाला पेड़ और मलबे की चपेट में आ गए, जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें पहले पास के सिटी अस्पताल ले जाया गया। वहां से उन्हें फौजिया अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस, बेस्ट और नगर निगम के वार्ड प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। टीमों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर पेड़ के मलबे को हटाने का काम किया।

गाड़ियां दबीं, चश्मदीद ने बयां किया मंजर

ये पेड़ एक परिसर के अंदर लगा हुआ था, जो तेज हवाओं के कारण उखड़कर बाहर आ गिरा। हादसे के वक्त वहां कई गाड़ियां भी पार्क थीं, जो इसकी चपेट में आ गईं। हादसे के चश्मदीद ने बताया कि यहां कुल चार कारें खड़ी थीं। एक कार समय रहते निकल गई, लेकिन बाकी कारें मलबे के नीचे फंस गईं। गनीमत रही कि हादसे के वक्त गाड़ियों के अंदर या उनके आसपास कोई इंसान मौजूद नहीं था।

पेड़ की टहनी गिरने से युवक की मौत

गोरेगांव की आरे कॉलोनी, यूनिट नंबर 13 में एक 18 साल का लड़का अपने दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल पर आया था। भारी बारिश के दौरान यूनिट नंबर 13 में सड़क से गुजरते समय, पेड़ की एक टहनी टूटकर उसके सिर पर गिर गई। उसे तुरंत मालाड पूर्व के बालाजी हॉस्पिटल ले जाया गया। बालाजी हॉस्पिटल की डॉ. कल्याणी से मिली जानकारी के मुताबिक, कुमार हसन रजा जहांगीर आलम सैयद (18 साल) को मृत घोषित कर दिया गया।

बारिश के चलते फ्लाइट्स डायवर्ट

मुंबई में भारी बारिश और तेज हवाओं की असर फ्लाइट्स पर भी पड़ा है. रविवार सुबह करीब 10:17 बजे रनवे पर परिचालन को एक घंटे के लिए रोकना पड़ा। इस दौरान 42 नॉट की रफ्तार से चली हवाओं और कम विजिबिलिटी के चलते इंडिगो की 4 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि 13 फ्लाइट्स को नजदीकी एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। हालांकि, ये विमान बाद में मुंबई लौट आए।

गेटवे ऑफ इंडिया पर उमड़े लोग

प्रशासन ने लोगों से बेवजह घरों से बाहर न निकलने की अपील की है, लेकिन इसके बावजूद रात करीब 9 बजे गेटवे ऑफ इंडिया पर बड़ी संख्या में लोग मानसून का आनंद लेने पहुंचे। इस दौरान समुद्र की ऊंची लहरें कई फीट तक उछलकर सड़क पर आ रही थीं, जबकि तेज बारिश के साथ तेज हवाएं भी चल रही थीं। प्रशासन ने लोगों से समुद्र तटों और संवेदनशील इलाकों से दूर रहने की अपील की है ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

अमित साटम की टिप्पणी अनुचित: शिरसाट

शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने मुंबई में बारिश से जुड़ी मौतों पर भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष अमित साटम की टिप्पणी को अनुचित बताया और कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसके लिए उन्हें फटकार लगाई होगी।

एक दिन में 100 से ज्यादा पेड़ गिरे

शनिवार और रविवार को पुणे में तेज हवाओं के साथ मानसून की बारिश हुई,जिसमें पुणे और पिंपरी चिंचवड में 100 से ज्यादा पेड़ गिरने की घटनाएं हुईं और एक व्यक्ति घायल हो गया। ट्रैफिक में रुकावट आई और पहाड़ी किलों और जंगलों वाली जगहों पर लोगों को जाने से रोक दिया गया।

घाटकोपर में आधी रात को गिरा पेड़

घाटकोपर स्थित विक्रांत सर्कल के पास आधी रात एक विशाल पेड़ गिर गया, जिससे कई चारपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने पेड़ हटाकर कुछ ही समय में यातायात को सामान्य कर दिया। इस घटना में भी किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

नाशिक में सड़क पर गिरा विशाल पेड़

लगातार बारिश के कारण नाशिक के जेहान सर्कल के पास सड़क किनारे खड़ा एक बड़ा पेड़ अचानक गिर गया। पेड़ गिरने से वहां खड़े कई वाहनों को नुकसान पहुंचा और घंटों तक यातायात प्रभावित रहा। महानगरपालिका और आपातकालीन विभाग की टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए पेड़ को हटाया और यातायात बहाल कराया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

बारिश से बढ़ा जलाशयों में पानी का स्तर

शनिवार, 4 जुलाई 2026 की सुबह से रविवार की सुबह के बीच हुई भारी बारिश के कारण मुंबई को पानी सप्लाई करने वाले सभी सात जलाशयों में पानी का स्तर काफी बढ़ गया है। नगर निगम के अनुसार, सातों जलाशयों में कुल पानी का स्टॉक अभी 13.19% तक पहुंच गया है, जिसमें पिछले 24 घंटों में ही 3.78% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

45 साल पुरानी इमारत गिरी

लगातार बरसात के कारण ठाणे के वागले एस्टेट स्थित किसन नगर-3 में देर रात बिल्डिंग का हिस्सा गिर जाने से दो लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि करीब 45 साल पुरानी तिवारी भवन इमारत की पहली मंजिल की गैलरी का एक हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में दो लोग घायल हो गए, जबकि गैलरी का बाकी हिस्सा अब भी बेहद खतरनाक स्थिति में है। इस हादसे में 65 वर्षीय नुरी इस्लाम शेख गैलरी का मलबा गिरने से घायल हो गए। उनके सिर, कंधे और पैर में चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत अष्टविनायक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं 36 वर्षीय सुरेश थापा के सिर में मामूली चोट आई हैं।

इमारत में फंसे पांच लोगों को बचाया

ठाणे शहर में आपातकालीन सेवाओं ने दो मंजिला इमारत में फंसे पांच लोगों को दोपहर में दीवा क्षेत्र से सुरक्षित बचाया, जब सीढ़ी का एक कंक्रीट स्लैब गिरने से मुख्य निकास मार्ग अवरुद्ध हो गया था। दमकलकर्मियों ने प्रदीप मलुसरे (50), प्राजक्ता मलुसरे (42), चेतन मलुसरे (21), गणेश राणे (48) और 14 वर्षीय आरोशी कुमदेकर को सुरक्षित बचाया। ठाणे पश्चिम के पाचपाखाड़ी स्थित यशोदा निवास सोसाइटी में एक बड़ा पेड़ दो मकानों पर गिर गया, जिससे उनकी छतें क्षतिग्रस्त हो गईं। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन कक्ष (आरडीएमसी) के प्रमुख यासीन तडवी ने कहा, पेड़ को हटाने का काम जारी है। घटनास्थल पर किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

पालघर में ढही दीवार

अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसी पालघर जिले में लगातार बारिश के कारण वसई में एक दीवार ढह गई। एक आवासीय परिसर की निर्माणाधीन चारदीवारी दोपहर में ढह गई, जिससे परिसर में खड़ी 15 मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गईं। वसई-विरार नगर निगम (वीवीएमसी) के दमकलकर्मी तुरंत मलबा हटाने के लिए मौके पर पहुंचे।

दीवार ढहने से 14 वाहन क्षतिग्रस्त

पुणे शहर में कात्रज के जंभुलवाडी मार्ग पर रविवार तड़के भारी बारिश के बाद एक आवासीय सोसायटी की बाहरी दीवार गिरने से कम से कम 14 वाहन (कई दोपहिया और चार पहिया वाहन) क्षतिग्रस्त हो गए। राहत कार्य पूरा हो गया है।

नशीले कफ सिरप जब्त

उल्टी दिशा से भागा बाइक सवार

हिंदमाता संवाददाता @ डोंबिवली

कल्याण-शिलफाटा मार्ग पर मानपाड़ा स्थित रुणवाल गार्डन के सामने यातायात व्यवस्था संभाल रहे ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नशीले कोडीनयुक्त कफ सिरप की 99 बोतलें बरामद की हैं। पुलिस को देखकर एक बाइक सवार अपनी मोटरसाइकिल और उस पर रखी बोरी सड़क पर छोड़कर मौके से फरार हो गया। जब्त सिरप की कीमत करीब 26 हजार रुपए बताई गई है। मामले में मानपाड़ा पुलिस थाने में संबंधित वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस को देखकर छोड़ दी बाइक

शिकायतकर्ता ट्रैफिक हवलदार मिनीनाथ बडे के अनुसार, बुधवार शाम करीब चार बजे वे ट्रैफिक स्वयंसेवकों अमोल उबाले और हितेश चव्हाण के साथ रुणवाल गार्डन के सामने यातायात नियंत्रित कर रहे थे। कल्याण की ओर भारी जाम लगने से कई वाहन चालक गलत दिशा से आ रहे थे। इसी दौरान एक बाइक सवार पीछे बोरी रखकर उल्टी दिशा से आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे वापस जाने का इशारा किया तो वह बाइक और बोरी वहीं छोड़कर वाहनों के बीच से भाग निकला।

जांच में मिला नशीला सिरप

पुलिस बाइक और बोरी को ट्रैफिक चौकी ले गई। वहां पुलिस अधिकारियों तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में बोरी खोली गई। जांच में उसमें कोडीनयुक्त नशा पैदा करने वाले 'वेलक्रिक्स कफ सिरप' की 99 बोतलें मिलीं। अधिकारियों ने सिरप के नमूने जांच के लिए सुरक्षित कर लिए।

एनडीपीएस व औषधि कानून के तहत केस

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बिना चिकित्सकीय अनुमति और आवश्यक लाइसेंस के इन दवाओं का परिवहन एवं बिक्री के उद्देश्य से भंडारण किया जा रहा था। इसके आधार पर फरार बाइक सवार के खिलाफ मानपाड़ा पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम तथा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

नवी मुंबई में तूफानी बारिश का कहर पांडवकड़ा झरने में बहे दो युवक

• ठाणे जिले के लिए अगले 2 दिन 'रेड अलर्ट'

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई

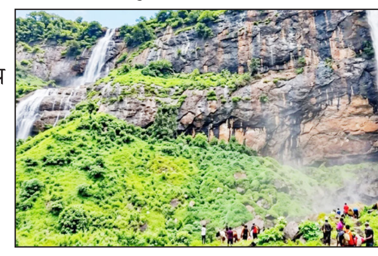

नवी मुंबई महानगरपालिका इलाके में 4 जुलाई, 2026 को सुबह 8.30 बजे से रात 7.30 बजे तक तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश होती रही। इस दौरान मनपा क्षेत्र में 142.97 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इस तूफानी बारिश के दौरान मनपा क्षेत्र में 11 स्थानों पर जलजमाव हुआ, वहीं 18 जगहों पर पेड़ गिरने की घटनाएं हुई। जिसमें किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई। इस भारी बारिश के दौरान मनपा प्रशासन राहत कार्य में जुटा रहा। जिन निचले इलाकों में पानी भरने की शिकायतें मिल रही थीं, वहां पहुंचकर पानी निकालने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे थे, जहां जरूरी था वहां पानी निकालने वाले पंपों की संख्या बढ़ाई गई। मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे सभी अधिकारियों के संपर्क में थे और हालात पर नजर रखे हुए थे। मेयर सुजाता पाटिल भी फील्ड में गई और मनपा प्रशासन को उन जगहों पर तुरंत एक्शन लेने का निर्देश दिया, जहां पानी जमा हुआ था। इंडियन मेटियोरोलॉजिकल डिपार्टमेंट ने अगले 2 दिनों के लिए ठाणे जिले के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है और भारी बारिश की संभावना जताई है। इसे देखते हुए नवी मुंबई महानगरपालिका ने डिजास्टर मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के जरिए सभी सिस्टम तैयार रखे हैं और लोगों से भी जरूरी सावधानी बरतने की अपील की जा रही है। किसी भी इमरजेंसी में लोगों को नवी मुंबई मनपा के डिजास्टर मैनेजमेंट कंट्रोल रूम के टेलीफोनः 022-27567060 / 61, टोल फ्री हेल्पलाइन नंबरः 1800222309 / 1800222310 पर संपर्क करने की अपील की है। उक्त भारी बारिश के दौरान मनपा के बेलापुर विभाग में 116 मिमी, नेरुल 96.60 मिमी, वाशी 116 मिमी, कोपरखैरने 157.80 मिमी, ऐरोली 193.80 मिमी और दिघा विभाग में 177.60 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इस भारी बारिश के दौरान वाशी स्थित एपीएमसी की मंडियों और सड़कों पर भी जलजमाव हुआ।

झरने के पानी में बह गए 2 युवक

प्रशासन की बार-बार दी गई चेतावनी और रोक के निशानों को पर्यटकों द्वारा नजरअंदाज करने की वजह से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जिसमें खारघर के मशहूर लेकिन खतरनाक पांडवकड़ा वॉटरफॉल इलाके में पानी के तेज बहाव में दो युवक बह गए। मिली जानकारी के मुताबिक एक युवक तलोजा फेज 2 का रहने वाला है, जिसका नाम मोहम्मद है। इस घटना को खारघर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। पुलिस और अग्निशमन दल की टीमें इस 25 साल के युवक के शव की तलाश कर रही हैं। दूसरी घटना में मुंबई के सांताक्रुज स्थित कालिना कोलीवाड़ी इलाका का रहने वाले 19 साल का शेण्णोन किनी नामक युवक झरने के तेज बहाव में बह गया। बता दें कि इस साल मानसून के दौरान खारघर इलाके में 4 दिनों के भीतर पानी में डूबने से होने वाली मौत की यह दूसरी घटना है। 1 जुलाई को मुंबई शहर के धारावी से कुछ लड़के घूमने के लिए खारघर आए थे, जो भारती विद्यापीठ के पीछे पहाड़ी के नीचे बनी झील में तैरने गए, लेकिन झील एक युवक की इस झील के पानी में डूबने से मौत हुई थी।

गर्भवती महिला की जान से खिलवाड़!

उल्हासनगर के सरकारी प्रसव अस्पताल की जांच रिपोर्ट ने खोली पोल

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर कैंप क्रमांक 4 स्थित सरकारी प्रसव अस्पताल में गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और सम्मानजनक प्रसव सेवाएं प्रदान करने का दावा करने वाली उक्त सरकारी अस्पताल की स्वास्थ्य प्रणाली की चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई है। एक गर्भवती महिला की शिकायत के बाद की गई आधिकारिक जांच में संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश महकमे के वरिष्ठों द्वारा की गई है, जिससे अस्पताल की कार्यप्रणाली की कार्यपद्धति उजागर हुई है।

हॉस्पिटल स्टाफ का मरिजों के साथ बर्ताव

- द्वारा बरती गई लापरवाही की शिकायत अभिलाष डावरे ने वरिष्ठों से लिखित रूप से की थी, उसके बाद जांच हुई, इसमें वरिष्ठों ने पाया कि 34 दिनों तक ऑपरेशन थिएटर बंद रखने, गंभीर हालत में गर्भवती महिला को समय पर आवश्यक उपचार न देने, निकटतम सरकारी अस्पताल उपलब्ध होने के बावजूद उचित रेफर प्रक्रिया का पालन न करने, महत्वपूर्ण उउळश फुटेज को सुरक्षित न रखने और घोर लापरवाही बरतने का आरोप है।
- दिलचस्प बात यह है कि शिकायतकर्ता पत्रकार अभिलाष डावरे ने आपत्ति जताई थी कि शुरू में नियुक्त की गई पहली जांच समिति ने अस्पताल प्रशासन की भूमिका का समर्थन किया था। उनके द्वारा आधिकारिक आपत्ति दर्ज कराने के बाद, वरिष्ठ स्तर पर एक दूसरी जांच समिति नियुक्त की गई। इस समिति की विस्तृत रिपोर्ट ने अस्पताल में कई गंभीर खामियों, प्रशासनिक लापरवाही और मरीजों के जीवन से संबंधित मामलों में घोर लापरवाही को उजागर किया है।

जांच रिपोर्ट में ये हुआ खुलासा

- शिकायत के अनुसार 12 फरवरी, 2026 को वृषाली अभिलाष डावरे को गर्भावस्था में उत्पन्न जटिलताओं के कारण उल्हासनगर-4 स्थित सरकारी प्रसव गृह अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान शिशु की हृदय गति काफी स्तर तक बढ़ गई, ऐसी गंभीर स्थिति में भी आवश्यक आपातकालीन उपचार उपलब्ध नहीं कराया गया।
- इसके विपरीत जांच में कहा गया है कि निकटतम सेंट्रल सरकारी अस्पताल उपलब्ध होने के बावजूद, मरीज को बिना किसी समन्वय के आधी रात को कहीं और रेफर किया गया। जांच रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला निष्कर्ष यह है कि प्रसव वार्ड के दोनों ऑपरेशन थिएटर एक ही समय पर बंद कर दिए गए थे।
- एक अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर 2024 से मार्च 2026 तक बंद रहा, जबकि दूसरा ऑपरेशन थिएटर मरम्मत के लिए बंद था। परिणामस्वरूप, 7 फरवरी से 12 मार्च 2026 तक 34 दिनों की अवधि के लिए अस्पताल में कोई भी ऑपरेशन थिएटर कार्यरत नहीं था।
- ऑपरेशन थिएटर की मरम्मत के संबंध में अपने वरिष्ठों से पूर्व अनुमति लिए बिना अपने पद का दुरुपयोग किया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आवश्यक सेवाओं में देरी हुई और मार्च के अंत तक वित्तीय लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से निर्णय को टाला गया।
- जांच रिपोर्ट में दर्ज किया गया है कि इस अवधि के दौरान 65 गर्भवती महिलाओं को अन्य अस्पतालों में भेजा गया। यह स्पष्ट है कि महिलाओं के लिए बने विशेष सरकारी अस्पताल में ऐसी स्थिति उत्पन्न होना स्वास्थ्य व्यवस्था की एक गंभीर विफलता है।

50 वर्षीय व्यक्ति का शव 24 घंटे बाद बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई के मांगुलीपाड़ा-भोईदापाड़ा नाले के तेज बहाव में बह गए 50 वर्षीय व्यक्ति का शव लगभग 24 घंटे तक चले कड़े सर्च ऑपरेशन के बाद बरामद कर लिया गया। लगातार बारिश के कारण नाले में पानी का बहाव अत्यधिक तेज था, जिससे व्यक्ति बह गया था। घटना के बाद अग्निशमन विभाग और बचाव दल ने तत्काल तलाश अभियान शुरू किया। लगातार कई घंटों तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद आखिरकार रविवार को शव बरामद कर लिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस ने आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि भारी बारिश के दौरान उफनते नालों, नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें तथा अनावश्यक जोखिम न उठाएं।

कचरा फेंकने गया 10 वर्षीय बालक नदी में डूबा

भिवंडी की म्हाडा कॉलोनी की घटना, शनिवार से लापता था मासूम

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी के म्हाडा कॉलोनी क्षेत्र में कचरा फेंकने गया 10 वर्षीय बालक नदी में डूब गया। शनिवार से लापता बालक का शव रविवार सुबह नदी किनारे मिलने से इलाके में शोक का माहौल है। मामले की सूचना पर निजामपुरा पुलिस ने पंचनामा कर जांच शुरू कर दी है।

तलाश के बाद मिला शव

पुलिस के अनुसार, म्हाडा कॉलोनी निवासी मोहम्मद आतिफ मोहम्मद इरफान शेख शनिवार को नदी नाका क्षेत्र में कचरा फेंकने गया था। उसी समय क्षेत्र में हो रही मूसलाधार बारिश के कारण नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया था। देर शाम तक उसके घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर निजामपुरा पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने नदी किनारे बालक को अचेत अवस्था में देखा और तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बारिश का कहर,17 घंटे बाद भी नहीं निकला पानी

वसई-विरार के कई इलाके जलमग्न

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई-विरार में एक बार फिर मानसून ने रौद्र रूप दिखाया है। लगातार हो रही बारिश से शहर के कई निचले इलाके पानी में डूब गए हैं। हालात ऐसे हैं कि 15 से 17 घंटे बीत जाने के बाद भी कई इलाकों से पानी नहीं निकला है। इससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

सड़को पर भरा घुटनों तक पानी

शहर की प्रमुख सड़कें, आवासीय सोसायटियां और बाजार क्षेत्रों में घुटनों तक पानी भर गया है। जलभराव के कारण लोगों को घरों से बाहर निकलने में परेशानी हो रही है, जबकि कई स्थानों पर रोजमर्रा के कामकाज भी प्रभावित हुए हैं। बारिश के चलते कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों की रफ्तार थम गई है। कुछ सड़कों पर यातायात प्रभावित होने से लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। बाजारों और व्यावसायिक गतिविधियों पर भी इसका असर देखने को मिल रहा है।

पंप की मदद से पानी निकालने का प्रयास

इधर, नगर निगम और प्रशासन की टीमें जलनिकासी में जुटी हुई हैं। पंपों की मदद से सड़कों और रिहायशी इलाकों से पानी निकालने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है।

मौसम विभाग की चेतावनी

मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में भी मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई है। इसे देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन दलों को तैनात किया गया है और सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। स्कूलों, कार्यालयों और दैनिक यात्रियों को मौसम की ताजा स्थिति देखकर ही यात्रा करने की सलाह दी गई है।

हर मॉनसून ने जलभराव की समस्या

वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि हर मानसून में जलभराव की यही समस्या सामने आती है। उनका आरोप है कि स्थायी समाधान नहीं होने के कारण हर साल लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। नागरिकों ने प्रशासन से जलनिकासी व्यवस्था में सुधार कर स्थायी समाधान निकालने की मांग की है।

ठाणे स्टेशन पर यात्री के पास मिला कोयता

संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर दर्ज किया मामला

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

पश्चिम रेलवे में हाल ही में यात्री मयंक लोहार की लोकल ट्रेन में हत्या की घटना के बाद रेलवे पुलिस सतर्क हो गई है। इसी कड़ी में शनिवार देर रात ठाणे रेलवे स्टेशन पर एक संदिग्ध यात्री के पास से कोयता (धारदार हथियार) बरामद किया गया। आरोपी के खिलाफ ठाणे रेलवे पुलिस थाने में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

तलाशी में मिला हथियार

रेलवे पुलिस के अनुसार, शनिवार मध्यरात्रि गश्त के दौरान प्लेटफॉर्म नंबर 5 और 6 के बीच स्थित एस्केलेटर के नीचे एक युवक संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया। तलाशी लेने पर उसकी कमर में छिपाकर रखा गया एक कोयता बरामद हुआ। पुलिस उसे पूछताछ के लिए रेलवे पुलिस चौकी ले गई।

हथियार लाने का कारण खंगाल रही पुलिस

पूछताछ में युवक की पहचान ठाणे के वर्तकनगर निवासी के रूप में हुई। उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम, 1959 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वह रेलवे स्टेशन पर धारदार हथियार किस उद्देश्य से लेकर आया था। हालिया रेल हत्या कांड के बाद रेलवे परिसरों में संदिग्ध व्यक्तियों की जांच और सुरक्षा व्यवस्था और अधिक कड़ी कर दी गई है।

पालघर में बाढ़ का हाहाकार 6 वर्षीय मासूम पानी में बहा

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

पालघर जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। शनिवार को जिले के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं सड़कें, पुल और रेलवे सेवाएं बारिश की चपेट में हैं, जबकि कई घरों में पानी घुसने से लोगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। विक्रमगढ़ तहसील के उटावली, सुखसाले और दादडे गांवों में कई घरों को नुकसान पहुंचा है। देहरजे नदी पर बना पुल पानी में डूब जाने से शील और देहरजे गांवों का संपर्क पूरी तरह कट गया है।

बेटेगांव में 6 वर्षीय मासूम पानी में बहा

वहीं मनोर-भोपोली पुल के ऊपर से भी पानी बह रहा है, जिससे प्रशासन ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। पालघर में भी कई प्रमुख सड़कें और पुल पानी में डूब गयी। मनोर के वाघोबा घाट में पेड़ गिरने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गयी। ढेकाले फन होटल और वेगास होटल के सामने भारी जलभराव के कारण लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। केळवा रोड, जलसार, गोवाडे, एडवण, कोळगाव और जव्हार फाटा सहित कई मार्गों को एहतियात के तौर पर बंद कर दिया गया है। बेटेगाव (कोनपाडा) में 6 वर्षीय अनिकेत दशरथ वाघेला के पानी में बह जाने की खबर है।

मीरा रोड में बारिश बनी विवाद की वजह

कोयता निकालने का वीडियो वायरल

समझौते के बाद नहीं दर्ज हुआ मामला

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा रोड

मीरा रोड के पेनकर पाड़ा इलाके में भारी बारिश के दौरान घर में पानी घुसने को लेकर शुरू हुआ पारिवारिक विवाद कोयता निकलने तक पहुंच गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया और संबंधित व्यक्ति पर कार्रवाई की मांग उठने लगी। हालांकि, पुलिस ने स्पष्ट किया कि मामला दो परिवारों के बीच का घरेलू विवाद है और किसी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

विवाद का वीडियो हुआ वायरल

लगातार हो रही बारिश से बचाव के लिए एक परिवार अपने घर की छत और दीवारों पर प्लास्टिक लगा रहा था। इसी दौरान प्लास्टिक से बहता बारिश का पानी पड़ोसी के घर की ओर जाने लगा, जिससे दोनों परिवारों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर एक व्यक्ति ने प्लास्टिक काटने के उद्देश्य से कोयता हाथ में उठा लिया। इस दौरान किसी ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद इसे हमला और हिंसा की घटना बताकर प्रसारित किया गया, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। हालांकि, पुलिस जांच में सामने आया कि मामला दो परिवारों के बीच का घरेलू विवाद था। पुलिस के अनुसार, कोयता प्लास्टिक काटने के लिए उठाया गया था और किसी पर हमला नहीं किया गया। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि अपुष्ट वीडियो और भ्रामक जानकारी साझा करने से बचें।

शिकायत नहीं, समझौते के बाद मामला हुआ शांत

पुलिस जांच में सामने आया कि विवाद करने वाले दोनों पक्ष एक ही परिवार के सदस्य हैं। घटना के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाकर पूछताछ की और आपसी बातचीत के माध्यम से विवाद सुलझा लिया। किसी भी पक्ष ने एक-दूसरे के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। शिकायत नहीं मिलने के कारण पुलिस ने इस मामले में कोई एफआईआर या अन्य कानूनी कार्रवाई दर्ज नहीं की। काशीमीरा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेंद्र कांबले ने बताया कि वायरल वीडियो को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी गई है और दोनों पक्षों को भविष्य में इस तरह का विवाद दोबारा न करने की कड़ी हिदायत देकर छोड़ दिया गया। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले वीडियो की सत्यता जाने बिना अफवाहें फैलाने से बचें।

निःशुल्क मेडिकल शिविर का आयोजन

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

आयुष मंत्रालय से प्रमाणित योगाचार्य सतीश शीतलाप्रसाद शर्मा के नेतृत्व में सप्तध्यान फाउंडेशन एवं क्रिति केयर अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में 15 जुलाई को निःशुल्क मेडिकल शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक फरवर लाइन, सेंट्रल रोड, उल्हासनगर-3 में आयोजित होगा। शिविर में आम नागरिकों के लिए विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच पूरी तरह निःशुल्क की जाएगी। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी उपलब्ध कराया जाएगा। आयोजक सतीश शर्मा ने समाजसेवियों, चिकित्सकों, शिक्षकों, उद्योगपतियों एवं जागरूक नागरिकों से अपील की कि वे इस सेवा अभियान में सहभागी बनें तथा स्वास्थ्य, शिक्षा और मानवता के कार्यों को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग दें। तथा अपने परिवार एवं परिचितों को भी इसकी जानकारी देने की अपील की है।

चाय पीने निकले, पैर फिसला और बह गए लोखंडे

सर्च ऑपरेशन जारी, वसई में दर्दनाक हादसा

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई पूर्व के मांगुलीपाड़ा (भोईदापाड़ा) इलाके में शनिवार को भारी बारिश के बीच एक दर्दनाक हादसा हो गया। उफनते खुले नाले में गिरने से 50 वर्षीय किशोर नामदेव लोखंडे तेज बहाव में बह गए। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंचीं और उनकी तलाश के लिए व्यापक सर्च अभियान शुरू किया।

चाय पीने निकले थे घर से

यह हादसा वालीव पुलिस थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, किशोर नामदेव लोखंडे घर से चाय पीने के लिए बाहर निकले थे। लगातार बारिश के कारण इलाके में घुटनों तक पानी भर गया था, जिससे सड़क और खुले नाले के बीच का अंतर दिखाई नहीं दे रहा था।

तेज बहाव में बह गए

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पानी में चलते समय किशोर का पैर फिसल गया और वह सीधे उफनते नाले में गिर पड़े। नाले का बहाव इतना तेज था कि देखते ही देखते वह पानी के साथ बह गए। आसपास मौजूद बच्चों और स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज धारा के कारण सफलता नहीं मिल सकी।

युद्ध स्तर पर तलाश अभियान

घटना की सूचना मिलते ही वालीव पुलिस, फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचाव दल नाले और आसपास के क्षेत्रों में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहा है। समाचार लिखे जाने तक किशोर नामदेव लोखंडे का कोई सुराग नहीं मिल सका था।

बारिश के दौरान सतर्क रहने की अपील

लगातार हो रही बारिश के कारण कई स्थानों पर खुले नाले और जलभराव लोगों के लिए खतरा बन गए हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि जलभराव वाले इलाकों और उफनते नालों के आसपास जाने से बचें तथा बारिश के दौरान विशेष सावधानी बरतें, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

हिंदमाता एंकरः भायंदर के विवादित बॉटल नेक ब्रिज पर पहला हादसा

चेतावनी सच साबित हुई? उठे गंभीर सवाल

हिंदमाता संवाददाता @ भायंदर

मुंबई मेट्रो परियोजना के तहत भायंदर पूर्व के गोल्ड नेस्ट सर्कल पर बने नवनिर्मित और बेहद विवादित 'बॉटल नेक ब्रिज' पर पहला सड़क हादसा सामने आया है। जिस ब्रिज के खतरनाक डिजाइन को लेकर लंबे समय से स्थानीय नागरिक, राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन चेतावनी दे रहे थे, आखिरकार वहां दुर्घटना हो ही गई। इस पहले एक्सीडेंट के बाद ब्रिज के सुरक्षा मानकों, इंजीनियरिंग और प्लानिंग पर एक बार फिर तीखी बहस छिड़ गई है और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया है। गोल्ड नेस्ट सर्कल पर मेट्रो प्रकल्प के साथ इंटीग्रेटेड इस ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू होने के दिन से ही विवादों के घेरे में रहा है। ब्रिज के निर्माण के दौरान ही कई राजनीतिक पार्टियों और सामाजिक संगठनों ने इसके दोषपूर्ण डिजाइन का कड़ा विरोध किया था और कई बड़े आंदोलन भी किए थे। प्रदर्शनकारियों का साफ कहना था कि यह ब्रिज आगे चलकर 'एक्सीडेंट जोन' साबित होगा।

उद्घाटन से बनाई दूरी

यह विवाद इस कदर बढ़ गया था कि जब ब्रिज बनकर तैयार हुआ, तो इसके आधिकारिक उद्घाटन समारोह से खुद राज्य के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने भी दूरी बना ली थी। भारी जनविरोध को देखते हुए सरकार का कोई बड़ा चेहरा इसके लोकार्पण में शामिल नहीं हुआ था।

क्यों कहा जा रहा है इसे 'बॉटल नेक'?

स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों ने इस ब्रिज की सबसे बड़ी तकनीकी खामी को उजागर किया है, जो इस हादसे की मुख्य वजह बनी। भायंदर पूर्व से आने वाला चार लेन का चौड़ा रास्ता जैसे ही इस ब्रिज पर चढ़ता है, वह अचानक सिमटकर महज दो लेन का रह जाता है।

चालकों को नहीं मिलता मौका

तेज रफ्तार में आ रहे वाहनों को अचानक आगे रास्ता संकरा (बोतल के गले जैसा यानी बॉटल नेक) होने का अंदाजा नहीं मिल पाता। रात के समय या भारी ट्रैफिक के दौरान वाहन चालकों को मुड़ने या ब्रेक लगाने का बिल्कुल मौका नहीं मिलता, जिससे गाड़ियों के आपस में टकराने की आशंका हर समय बनी रहती है।

आजाद मैदान में श्रमिकों का प्रदर्शन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

केंद्र और महाराष्ट्र सरकार द्वारा लागू किए जा रहे नए लेबर कोड के विरोध में शुक्रवार को विभिन्न श्रमिक संगठनों ने मुंबई के आजाद मैदान में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में इंटक, एचएमएस, एचआईटीईसी, सीटू, भारतीय कामगार सेना सहित बैंक कर्मी, बेस्ट कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर, घरेलू कामगार, शिक्षक और सफाई कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि 29 पुराने श्रम कानूनों को मिलाकर बनाए गए चार नए लेबर कोड श्रमिकों के सामाजिक, आर्थिक और रोजगार संबंधी अधिकारों को कमजोर करेंगे। महाराष्ट्र इंटक के महासचिव गोविंदराव मोहिते ने कहा कि सरकार श्रमिकों के वर्षों के संघर्ष से मिले अधिकारों को समाप्त करने का प्रयास कर रही है। वहीं अन्य श्रमिक नेताओं ने नए प्रावधानों को नियोक्ता-पक्षीय बताते हुए इन्हें संविधान और अंतरराष्ट्रीय श्रम मानकों की भावना के विपरीत बताया। प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार से विधानसभा सत्र में इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार कर प्रस्तावित चारों लेबर कोड वापस लेने तथा पुराने श्रम कानूनों को यथावत लागू रखने की मांग की।

दुबई भेजे जा रहे थे मुंबई के बैंक खाते और सिम कार्ड

क्राइम ब्रांच ने किया बड़े गिरोह का पर्दाफाश

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

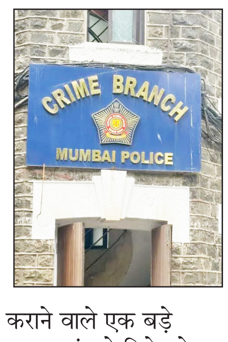

पुलिस के अनुसार, मस्जिद बंदर पश्चिम के ऑफिस में मुंबई के अलग-अलग बैंकों में खोले गए नए चालू खातों के दस्तावेज और सिम कार्ड इकट्ठा किए जाते थे। यहां से इन सभी सिम कार्ड और बैंक खातों को एक्टिवेट करने के बाद दुबई भेजा जाता था, ताकि वहां बैठे ठग गेमिंग और साइबर फ्रॉड को अंजाम दे सकें। मुंबई क्राइम ब्रांच ने ऑनलाइन गेमिंग और साइबर धोखाधड़ी के लिए बैंक खाते और सिम कार्ड उपलब्ध कराने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने गिरोह के मुख्य सरगना सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह मुंबई के अलग-अलग बैंकों में फर्जी कंपनियों के नाम पर करंट अकाउंट खोलता था और फिर उन्हें एक्टिवेट करके सिम कार्ड के साथ दुबई भेज देता था, जहां इनका इस्तेमाल ठगी के लिए किया जाता था।

जानकारी के बाद छापा

डीसीपी राज तिलक रौशन ने शनिवार को बताया कि मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट 2 को अपने खुफिया सूत्रों से पक्की जानकारी मिली थी कि मुंबई के मस्जिद बंदर पश्चिम इलाके के ईसाजी स्ट्रीट पर स्थित पार्श्व चैंबर्स की तीसरी मंजिल पर 'जी. डी. ओवरसीज' नाम से एक फर्जी कंपनी का ऑफिस चलाया जा रहा है। इस ऑफिस में मुंबई के अलग-अलग बैंकों में खोले गए नए चालू खातों के दस्तावेज और सिम कार्ड इकट्ठा किए जाते थे। यहां से इन सभी सिम कार्ड और बैंक खातों को एक्टिवेट करने के बाद दुबई भेजा जाता था, ताकि वहां बैठे ठग गेमिंग और साइबर फ्रॉड को अंजाम दे सकें।

66 एटीएम कार्ड, 122 चेकबुक, 12 मोबाइल कंपनियों के सिम बरामद

जानकारी मिलते ही क्राइम ब्रांच के अधिकारियों और कर्मचारियों की एक टीम ने बताए गए ठिकाने पर अचानक छापा मारा। पुलिस ने मौके से गिरोह के सरगना और उसके पांच साथियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के पास से अलग-अलग बैंकों के 66 एटीएम कार्ड, 122 चेकबुक, 15 पासबुक, 12 मोबाइल कंपनियों के सिम कार्ड, दो कंप्यूटर, एक कलर प्रिंटर, दो पेनड्राइव और विभिन्न फर्जी कंपनियों की 68 रबर की स्टैम्प बरामद की हैं। इसके अलावा अलग-अलग बैंकों के खाता खोलने वाले फॉर्म, बिजली के बिल और कई कंपनियों के फर्जी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट भी जब्त किए गए हैं।

आरोपियों के खिलाफ पुलिस स्टेशन में केस दर्ज

इस मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ मुंबई के पायधुनी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर लिया है और क्राइम ब्रांच की यूनिट 2 को मामले की जांच सौंप दी गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को जब मुंबई की एक कोर्ट में पेश किया गया, तो कोर्ट ने उन्हें 8 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर भेजने का आदेश दिया।

पुणे के मशहूर रेस्टोरेंट पर एफडीए की कार्रवाई

सात रेस्टोरेंट के लाइसेंस निलंबित

• मथुरा प्योर वेज को अस्थायी रूप से बंद करने का आदेश

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर सख्त रुख अपनाते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने पुणे के जंगली महाराज रोड स्थित प्रसिद्ध मथुरा प्योर वेज रेस्टोरेंट को उसके खाद्य नमूनों की प्रयोगशाला रिपोर्ट आने तक बंद रखने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई राज्यव्यापी 'सेफ फूड, सेफ महाराष्ट्र' अभियान के तहत की गई, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुरक्षित और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराना है।

निरीक्षण में मिलीं गंभीर खामियां

एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंधे के निर्देशन में किए गए औचक निरीक्षण के दौरान पुणे के सात प्रतिष्ठित रेस्टोरेंटों के लाइसेंस भी कथित गंभीर उल्लंघनों के चलते निलंबित कर दिए गए। विभाग के अनुसार, इन प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा था।

70 होटलों की जांच

एफडीए ने 1 से 3 जुलाई के बीच पूरे महाराष्ट्र में करीब 70 होटल और रेस्टोरेंटों का निरीक्षण किया। पुणे में जांच के दौरान कई स्थानों पर रसोईघर की खराब स्वच्छता, निम्न गुणवत्ता का भोजन, एक्सपायरी खाद्य सामग्री का भंडारण, खाद्य पदार्थों को गलत तरीके से रखने और निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी जैसी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

सख्ती जारी रहेगी

अधिकारियों ने बताया कि कई प्रतिष्ठान बुनियादी साफ-सफाई के मानकों का भी पालन नहीं कर रहे थे। एफडीए ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नकली दूध रैकेट का भंडाफोड़, 2.5 करोड़ का माल जब्त,13 गिरफ्तार

शैम्पू, मिल्क पाउडर और रसायनों से तैयार किया जा रहा था दूध

महाराष्ट्र में दूध में मिलावट कर लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले एक बड़े गिरोह का पुणे ग्रामीण पुलिस की लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) और खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के संयुक्त अभियान में पदार्फाश हुआ है। कार्रवाई के दौरान करीब 2.5 करोड़ रुपये का माल जब्त किया गया, जबकि 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने पुणे, सोलापुर, अहिल्यानगर, संभाजीनगर, सांगली और भिवंडी सहित छह जिलों में एक साथ छापेमारी की।

जांच से खुला राज

पुलिस के अनुसार, मंचर से दो आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह अवैध कारोबार पिछले करीब दो वर्षों से संचालित किया जा रहा था। गिरोह बड़े पैमाने पर दूध में मिलावट कर उसे बाजार में खपा रहा था।

खतरनाक मिलावट का तरीका

जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपियों द्वारा बिना गंध वाला शैम्पू, मिल्क पाउडर और विभिन्न रसायनों को पानी में मिलाकर नकली दूध तैयार किया जाता था। बताया गया कि 500 लीटर शुद्ध दूध में लगभग 300 लीटर तथा 1,000 लीटर दूध में करीब 500 लीटर रसायनयुक्त पानी मिलाया जाता था। इसके बाद इस मिलावटी दूध को विभिन्न डेयरी कंपनियों तक पहुंचाया जाता था, जहां उससे दूध और अन्य डेयरी उत्पाद तैयार किए जाते थे।

जांच जारी

इस संयुक्त कार्रवाई में पुणे ग्रामीण पुलिस के 25 तथा एफडीए के 20 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। पुलिस का मानना है कि इस रैकेट में कुछ और बड़े लोगों की संलिप्तता हो सकती है। मामले की जांच जारी है और पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि जांच के आधार पर आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

अनावश्यक बाहर न निकलें, मुंबई मेयर की अपील

रितू तावड़े ने साझा किया इंमरजेंसी नंबर

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मायानगरी मुंबई में मानसून ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। शहर के कई हिस्सों में हो रही मूसलाधार बारिश और भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी रेड अलर्ट के बीच मुंबई की मेयर रितू तावड़े ने नागरिकों के नाम एक बेहद महत्वपूर्ण संदेश जारी किया है। उन्होंने मुंबईकरों की सुरक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए लोगों से सतर्क रहने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

अनावश्यक यात्रा से बचें

मेयर रितू तावड़े ने अपने वीडियो और सोशल मीडिया संदेश के माध्यम से जनता से विनम्र आह्वान किया है कि वे अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मुंबई में भारी बारिश हो रही है और तेज हवाएं चल रही हैं। ऐसी स्थिति में आप और आपके परिवार की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। मेयर रितु तावड़े ने विशेष रूप से सलाह दी है कि जब तक कोई बहुत जरूरी या इमर्जेंसी काम न हो, तब तक घरों के भीतर रहना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है।

अफवाहों पर न दें ध्यान

संकट की इस घड़ी में अक्सर सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें फैलने लगती हैं, जिससे आम जनता में डर का माहौल पैदा हो जाता है। मेयर रितू तावड़े ने इस पर सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें। नागरिक केवल आधिकारिक सरकारी स्रोतों और प्रशासन द्वारा दी गई सूचनाओं का ही पालन करें। उन्होंने यातायात और जलभराव की स्थिति को देखते हुए भी लोगों को सतर्क रहने को कहा है, क्योंकि भारी बारिश के कारण पानी निकासी में समय लग सकता है जिससे सड़क पर जाम की स्थिति पैदा हो सकती है।

पेड़ों और पुरानी दीवारों से रहें दूर

बारिश के साथ चल रही तेज हवाओं के कारण शहर के विभिन्न हिस्सों में पेड़ गिरने और डालियां टूटने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसे देखते हुए मेयर ने चेतावनी दी है कि लोग पेड़ों के नीचे खड़े न हों, क्योंकि तेज हवाओं के कारण भारी टहनियां गिरने का खतरा बना रहता है। इसके अलावा, उन्होंने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे अपनी गाड़ियां बड़े पेड़ों, पुरानी दीवारों या बिजली के खंभों के पास पार्क न करें। वाहनों को सुरक्षित और खुली जगह पर पार्क करना ही श्रेयस्कर होगा।

आपात स्थिति के लिए डायल करें 1916

किसी भी आपातकालीन स्थिति या तत्काल मदद के लिए मेयर ने बीएमसी के आपदा नियंत्रण कक्ष का हेल्पलाइन नंबर साझा किया है। उन्होंने बताया कि किसी भी संकट के समय नागरिक तुरंत 1916 पर कॉल कर सकते हैं। मेयर ने अपने संदेश का समापन जय हिंद, जय महाराष्ट्र के साथ करते हुए सभी मुंबईकरों से अपील की कि वे प्रशासन द्वारा समय-समय पर दिए जा रहे निर्देशों का पूरी तरह पालन करें ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

बीएमसी को 3 हिस्सों में बांटें कांग्रेस नेता हुसैन दलवाई की बड़ी मांग

यूसीसी पर भी दिया बड़ा बयान

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

कांग्रेस ने बृहन्मुंबई नगर निगम को तीन हिस्सों में बांटने की मांग उठाई है। पार्टी नेता हुसैन दलवाई ने कहा कि इसे तीन अलग-अलग नगर निगमों में बांट दिया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता हुसैन दलवाई ने मीडिया से बात करते हुए कहा, बीएमसी का दायरा इतना बड़ा हो गया है कि मेरे हिसाब से इसे तीन अलग-अलग नगर निगमों में बांट देना चाहिए। एक ही कमिश्नर के लिए हर जगह जाकर हालात की निगरानी करना संभव नहीं है। अतिरिक्त आयुक्त भी हर स्थान पर नहीं पहुंच सकते। यह उनकी व्यक्तिगत गलती नहीं, बल्कि व्यवस्था की समस्या है।

कॉन्ट्रैक्ट में भ्रष्टाचार के आरोप

उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट में भ्रष्टाचार के भी आरोप लगाए। दलवाई ने कहा, निचले स्तर पर स्थिति यह है कि कॉन्ट्रैक्ट मिलने पर पैसे मांगे जाते हैं और इसके बाद कॉन्ट्रैक्टर खराब तरीके से काम करता है। बाद में जिम्मेदार व्यक्ति कॉन्ट्रैक्टर को नहीं पकड़ते हैं। खराब काम करने वाले कॉन्ट्रैक्टरों को ब्लैक लिस्टेड कर देना चाहिए। इसी बीच, कांग्रेस नेता हुसैन दलवाई ने बयान दिया है कि वे यूसीसी के खिलाफ नहीं है। उन्होंने मांग की कि यूसीसी का ड्राफ्ट लोगों तक पहुंचना चाहिए, ताकि हम लोग भी सुझाव दे

महिलाओं के साथ होने वाले अन्याय खत्म करें

कांग्रेस नेता हुसैन दलवाई ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यूसीसी पर कांग्रेस की क्या भूमिका होगी, यह पार्टी का हाईकमान तय करेगा। मेरा कहना है कि आप यूसीसी में क्या लाने वाले हैं? उसका ड्राफ्ट लोगों तक पहुंचने दें, हमें उसे पढ़ने दें। मुस्लिमों में भी कई ऐसी बातें हैं, जो महिलाओं की सुरक्षा करती हैं। महिलाओं के साथ होने वाले अन्याय को खत्म करें। एक से अधिक शादियां करना गलत है, इस्लाम इसे जरूरी नहीं मानता। शिक्षा बढ़ने के साथ बहुविवाह में कमी आई है। मुस्लिमों में बच्चों की संख्या भी कम हो रही है। झुग्गी-बस्तियों में देखें, वहां दो से अधिक बच्चे नहीं होते।

जैन और हिंदुओं में भी एक से अधिक पत्नियां

हुसैन दलवाई ने कहा कि अभी मुस्लिमों में एक से अधिक पत्नियां नहीं हैं, लेकिन एक से अधिक पत्नियां जैन और हिंदुओं में भी हैं। उन्होंने कहा, मैं बिल्कुल भी यूसीसी के खिलाफ नहीं हूं। मैं इसका स्वागत करूंगा, लेकिन यूसीसी ड्राफ्ट लोगों तक आना चाहिए। पढ़ने के बाद हम लोग भी अपने सुझाव रख सकते हैं। इसमें जल्दबाजी करने की जरूरत क्यों है? 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलने वाले संसद के मॉनसून सत्र पर हुसैन दलवाई ने कहा, विपक्ष के सदस्यों को बोलने नहीं दिया जाता है। बोलते समय वे हंगामा करते हैं। वे सही सवाल उठाने के लिए तैयार नहीं होते हैं।

मुंबई मेट्रो 2ए में तकनीकी खराबी

90 मिनट प्रभावित रहा परिचालन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई में शनिवार को हुई मूसलाधार बारिश के बीच मेट्रो लाइन 2ए पर आई तकनीकी खराबी के कारण यात्रियों को करीब 90 मिनट तक परेशानी का सामना करना पड़ा। भीड़भाड़ वाले समय में आई इस बाधा से कई ट्रेनें निर्धारित समय से देरी से चलीं। बारिश और शहर के कई हिस्सों में जलभराव के कारण पहले से ही मुश्किलों का सामना कर रहे यात्रियों की दिक्कतें इससे और बढ़ गईं। हालांकि, इस दौरान यात्रियों की असुविधा कम करने के लिए दूसरे ट्रैक से सेवाएं जारी रखी गईं। महा मुंबई मेट्रो की तकनीकी टीम ने युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य करते हुए खराबी को दूर किया। महामुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अनुसार दहिसर पूर्व और कांदरपाड़ा स्टेशनों के बीच तकनीकी खराबी आने से लाइन 2ए का परिचालन प्रभावित हुआ। यह मेट्रो लाइन दहिसर पूर्व से अंधेरी पश्चिम तक संचालित होती है और मानसून के दौरान सड़क मार्ग पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से बचने के लिए बड़ी संख्या में यात्री इसका उपयोग करते हैं। तकनीकी खराबी की जानकारी मिलते ही मेट्रो की तकनीकी टीम तुरंत मौके पर पहुंची और युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य शुरू किया। भारी बारिश के बावजूद सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक कदम उठाए गए। यात्रियों की असुविधा कम से कम हो, इसके लिए प्रभावित ट्रैक पर मरम्मत कार्य जारी रहने के दौरान दूसरे ट्रैक से मेट्रो सेवाओं का संचालन लगातार जारी रखा गया।

सामान्य हुआ परिचालन

करीब 90 मिनट के भीतर तकनीकी खराबी को पूरी तरह दूर कर लिया गया। इसके बाद दोनों ट्रैक पर मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से बहाल कर दी गई। एमएमएमओसीएल ने कहा कि अब मेट्रो लाइन 20 पर सभी मुंबई ट्रेनें नियमित रूप से संचालित हो रही हैं और पूरे कॉरिडोर में परिचालन पूरी तरह सामान्य है।

जोगेश्वरी कोचिंग टर्मिनल का 55% काम पूरा

जनवरी 2027 से दौड़ेंगी ट्रेनें, मेल-एक्सप्रेस का सफर होगा आसान

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई की रेल व्यवस्था को नई गति देने की दिशा में पश्चिम रेलवे का जोगेश्वरी कोचिंग टर्मिनल परियोजना तेजी से आकार ले रही है। करीब 76 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इस आधुनिक टर्मिनल का 55 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। साथ ही यहां से जनवरी 2027 में पहली ट्रेन दौड़ने का लक्ष्य रखा गया है। फिलहाल स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज सहित अन्य बुनियादी ढांचे का काम प्रगति पर है। परियोजना पूरी होने के बाद प्लेटफॉर्म पर लौटने वाली मेल एवं एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन में उल्लेखनीय सुधार होगा और परिचालन क्षमता बढ़ेगी। पश्चिम रेलवे मुंबई उपनगरीय रेल नेटवर्क की परिचालन क्षमता बढ़ाने और प्लेटफॉर्म पर लौटने वाली मेल व एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन को अधिक व्यवस्थित बनाने के लिए जोगेश्वरी में नया कोचिंग टर्मिनल विकसित कर रहा है। वर्ष 2022-23 में मंजूर इस परियोजना के तहत बन रहे दो मंजिला संबद्ध भवन का 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। भवन का संरचनात्मक निर्माण पूरा कर लिया गया है और फिनिशिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। वहीं तीन मंजिला स्टेशन भवन का लगभग 40 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इसकी छत का निर्माण हो चुका है, जबकि शेष संरचनात्मक और वास्तु संबंधी कार्य जारी हैं। प्लेटफॉर्म संख्या 1, 2 और 3 की दीवारों का लगभग 70 प्रतिशत निर्माण पूरा हो चुका है। शेष कार्य प्रगति पर है।

भूमिगत जल टैंक का 80% कार्य पूरा

कवर ओवर प्लेटफॉर्म का भी 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और इसके अधिकांश कॉलम स्थापित किए जा चुके हैं। ट्रैक व लेआउट के तहत 3 .5 ट्रैक किलोमीटर में से लगभग 10 प्रतिशत ट्रैक बिछाने का कार्य पूरा हुआ है। इसके लिए आवश्यक निर्माण सामग्री की खरीद की प्रक्रिया भी जारी है। परियोजना में शामिल भूमिगत जल टैंक का 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इसमें राफ्ट, दीवार, वॉटरप्रूफिंग और स्लैब रीइन्फोर्समेंट का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इनकी मिल चुकी है मंजूरी

वहीं, ड्रेनेज और आरसीसी बॉक्स ड्रेन का 30 प्रतिशत निर्माण पूरा हो चुका है। अब तक 738 मीटर लंबाई में कार्य पूरा किया जा चुका है। यात्रियों की आवाजाही को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए 6 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज के विस्तार की भी योजना बनाई गई है। इसके लिए जनरल अरेंजमेंट ड्रॉइंग को मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। परियोजना से संबंधित अधिकांश महत्वपूर्ण ड्रॉइंग, जिनमें ईएसपी, सीओपी, संबद्ध भवन, स्टेशन भवन, भूमिगत जल टैंक और नाला संबंधी ड्रॉइंग शामिल हैं, मंजूर हो चुकी हैं। सकुर्लेटिंग एरिया की ड्रॉइंग फिलहाल अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया में है।

दो पुलिसकर्मियों पर वसूली का केस दर्ज

युवकों को केस में फंसाने की धमकी देकर दो हजार लेने का आरोप

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

बुधवार पेठ क्षेत्र में घूमने आए तीन युवकों को झूठे मामले में फंसाकर अदालत भेजने की धमकी देकर उनसे दो हजार रुपये वसूलने के आरोप में फरासखाना पुलिस थाने के दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ खंडणी (जबरन वसूली) का मामला दर्ज किया गया है। इस घटना ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

15 हजार की मांग, दो हजार ऑनलाइन लिए

हडपसर के तुपे वस्ती निवासी 24 वर्षीय युवक की शिकायत के अनुसार वह 29 जून को अपने दो दोस्तों के साथ शनिवारवाड़ा और लक्ष्मी रोड घूमने आया था। रात करीब साढ़े 11 बजे बुधवार पेठ में नाकाबंदी के दौरान पुलिसकर्मी विवेक पाटील और राहुल दाभाडे ने उन्हें रोककर पहचान पत्र मांगा। मोबाइल में पहचान पत्र दिखाने के बावजूद उन्हें मामला दर्ज कर अदालत भेजने की धमकी दी गई। कार्रवाई से बचाने के नाम पर 15 हजार रुपये मांगे गए। पैसे नहीं होने पर शिकायतकर्ता से उसके होटल मालिक के माध्यम से एक महिला के बैंक खाते में दो हजार रुपये ऑनलाइन जमा कराए गए।

वीडियो वायरल होने पर कार्रवाई

पीड़ित युवकों ने घर लौटते समय एक कैब चालक को पूरी घटना बताई। कैब चालक ने उनका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों की जांच में आरोप सही पाए गए और दोनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

बच्चे क्यों कर रहे आत्महत्या, ये मन ऐसा कैसे हो गया?

अचानक दार्शनिक हुए आरएसएस प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत... करने लगे 'मन की बात'

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

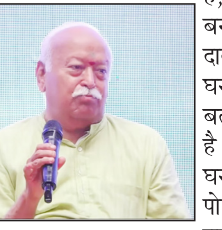

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में बच्चों द्वारा उठाए जा रहे आत्महत्या के कदम पर बात की। उन्होंने कहा कि ग्रंथ पढ़ने से ताकत मिलती थी, आज स्थिति क्या है, 12वीं फेल हो गए तो आत्महत्या करते हैं, घर में डांट पड़ी तो घर से भाग जाते हैं, आत्महत्या करते हैं, यह मन ऐसे कैसे हो गया। मोहन भागवत ने कहा कि कथाएं अभी भी हैं, उस पर फिल्में भी बनती हैं, देखते भी हैं। दादी पोता-पोती को घर में बिठाकर कहानी बताती थी, आज दादी है नहीं घर में, दूसरे घर में रहती हैं, पोते-पोती को कहानी कौन बताए। माता-पिता को मालूम नहीं है कहानी, वो टीवी पर छोड़ देते हैं, वो दिखाएंगे, वह गूगल बाबा पर दे देती हैं, हमारे पोता-पोती को संभालो, बच्चा रो रहा है तो दे दिया मोबाइल बचपन से।

स्वास्थ्य के लिए जरूरी है मन का स्वस्थ होना : मोहन भागवत

मोहन भागवत ने कहा कि स्वास्थ्य के लिए मन का स्वस्थ होना जरूरी है। शरीर बिगड़ा है तो शरीर को तो कमजोर करता ही है लेकिन मन को भी कमजोर करता है। जो व्यक्ति अस्वस्थ होता है, वह जल्दी गुस्सा करता है। मोहन भागवत ने कहा कि मन ही मनुष्य के मोक्ष का कारण है, मनुष्य या कोई भी जीव पैदा होता है तो उसका पहले मन पैदा होता है। मन अनुभव से बनता है, अच्छे अनुभव आते रहें तो अच्छा मन बनता है। सकारात्मक विचार किया तो सुरक्षित मन बनता है। नकारात्मक विचार किया तो विध्वंशक मन बनता है, यह मन वहां से शुरू होता है, इसीलिए मनुष्य के विकास के लिए पहले से अंत तक मन रहता है, मन बनता है- मन बिगड़ता है।

साइकोलॉजी का विचार पश्चिम से आया : मोहन भागवत

अपने पास जो साइकोलॉजी का विचार है, वह पश्चिम से आया है। पश्चिम से आया है ये बात मैं खराब अर्थ में नहीं कह रहा। मॉडर्न साइकोलॉजी के आधार पर हम पढ़ते हैं और उसके प्रयोग करते हैं, ये अच्छी बात है। लेकिन साइकोलॉजी में अभी भी पूर्ण और समग्र विचार कहां हुआ है, ऐसा पूछेंगे तो, मन की सारी चिकित्सा, हमारे देश में, परंपरा से है।" भागवत ने कहा, "किसी भी शास्त्र का विकास होता है तो उसमें पूर्णता आती है। मानव का कल्याण होता है। ज्ञान में पूर्णता आ गई तो मनुष्य का कल्याण है। आज सारी बातें घर की हम, संस्था को सौंप रहे हैं, अस्पताल को सौंप रहे हैं, सरकार को सौंप रहे हैं, घर का हाथ का खाना, स्वस्थ खाना खाकर जो समाधान मिलता है, वो बाहर के खाने से नहीं मिलता।

हिंदमाता एंकर: शाइना एनसी बोलीं- चुनौतियां बहुत हैं, लेकिन सरकार मुस्तैद

मुंबई में बारिश मूसलाधार, बढ़ने लगा सियासी बुखार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

शिवसेना नेता शाइना एनसी ने मुंबई में भारी बारिश और रेड अलर्ट को लेकर विपक्ष के आरोपों, राम मंदिर चढ़ावा विवाद मामले में प्रतिक्रिया दी है। मीडिया से बात करते हुए शाइना एनसी ने कहा कि मुंबई को बारिश की आवश्यकता है, लेकिन बारिश के साथ चुनौतियां भी हैं। हमारी मांग है कि जिस तरह से बिल्डिंग के स्ट्रक्चरल ऑडिट किए जाते हैं, वैसे ही तकनीक का इस्तेमाल करके एक-एक पेड़ का ऑडिट किया जाना चाहिए। एक-एक वार्ड में ऐसा करना संभव है, क्योंकि एआई और तकनीक का इस्तेमाल करने से पेड़ के ऑडिट हो सकते हैं। विहान के साथ जो हुआ वो काफी दुखी करने वाला है।

उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला

राम मंदिर चढ़ावा विवाद मामले पर उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में उद्धव ठाकरे कांग्रेस के साथ चले गए थे। तब उनको राम मंदिर याद नहीं आया। जब प्राण प्रतिष्ठा के लिए आमंत्रण दिया गया, तब वहां नहीं पहुंचे। आस्था राम मंदिर के प्रति है, चोरों के खिलाफ कार्रवाई की आवश्यकता है।

राज ठाकरे को नसीहत

राज ठाकरे की ओर से मुख्यमंत्री पर निशाना साधने को लेकर शाइना एनसी ने कहा कि सरकार की पूरी जिम्मेदारी है। राज ठाकरे को समाधान के बारे में बात करनी चाहिए, समस्या पर फोकस करना है तो बहुत सारे सुझाव हमारी ओर से भी दिए जा सकते हैं। मुंबई जैसी आबादी वाले शहर में चुनौतियां बहुत हैं। शिवसेना की सकारात्मक मांग है। केतन अग्रवाल हत्याकांड पर शाइना एनसी ने कहा कि जिस तरह से यह मामला सामने आ रहा है, उससे बहुत अफसोस हो रहा है। सबसे पहले, मैं केतन अग्रवाल को श्रद्धांजलि देती हूं। इस मामले में फॉस्ट ट्रैक कोर्ट में केस चलाकर सच्चाई सबके सामने लाई जाएगी।

एसआईटी जांच और कार्रवाई

राम मंदिर चढ़ावा विवाद मामले में शाइना एनसी ने कहा कि इस मामले में एसआईटी की ओर से जांच की ओर से जांच की जा रही है। जिन लोगों की ओर से गलत काम किया गया है, उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया है। नए भारत में आस्था की जगह पर लूट नहीं करने दी जाएगी। नए भारत में हर एक अपराधी को सजा दिलाई जाएगी।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का ऐतिहासिक चरण

विक्रोली से 21 किमी लंबी अंडरग्राउंड सुरंग की खुदाई शुरू!

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

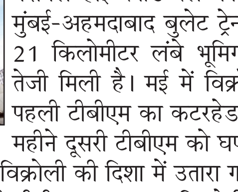

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में भूमिगत निर्माण कार्य अब निर्णायक चरण में पहुंच गया है। 5 जुलाई से विक्रोली में अत्याधुनिक टनल बोरिंग मशीन के जरिए 21 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई शुरू होगी। इसी के साथ ही इस सुरंग के निर्माण से परियोजना को नई गति मिलेगी। टीबीएम घनी शहरी आबादी, मीठी नदी और ठाणे खाड़ी के नीचे से सुरक्षित सुरंग का निर्माण करेगी। इसके साथ ही देश की पहली हाई स्पीड रेल परियोजना के सबसे चुनौतीपूर्ण इंजीनियरिंग कार्यों में से एक को तेजी मिलने जा रही है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और जून के अंत तक परियोजना के कई महत्वपूर्ण चरण पूरे कर लिए गए हैं। 508 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में अब तक 356 किलोमीटर वायाडक्ट और 452 किलोमीटर पिलर का निर्माण पूरा हो चुका है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत 21 किलोमीटर लंबे भूमिगत सुरंग निर्माण को तेजी मिली है। मई में विक्रोली स्थित शाफ्ट में पहली टीबीएम का कटरहेड उतारा गया था। इसी महीने दूसरी टीबीएम को घणसोली स्थित सावली शाफ्ट से विक्रोली की दिशा में उतारा गया। विक्रोली से शुरू होने वाली टीबीएम लगभग 6 किलोमीटर की खुदाई करते हुए घनी शहरी आबादी और मीठी नदी के नीचे से गुजरकर बीकेसी में निमार्णाधीन मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन तक पहुंचेगी। दूसरी टीबीएम का कटरहेड भी घणसोली के सावली शाफ्ट में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है। 3,000 टन से अधिक दोनों टीबीएम मशीनों की असेंबली पूरी हो चुकी है। 13.6 मीटर व्यास और लगभग 350 टन वजन वाला कटरहेड टीबीएम की मुख्य शील्ड असेंबली का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

विचार प्रवाह

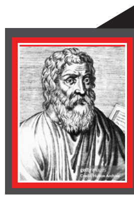

ये जानना कहीं ज्यादा जरूरी है कि किस तरह के व्यक्ति को बीमारी है बजाये इसके कि व्यक्ति को किस तरह की बीमारी है।

– हिप्पोक्रेटीस

संपादकीय

एआई के अध्ययन ने खोली नई शोध की संभावना

आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अब केवल सवालों के जवाब देने तक सीमित नहीं रही, बल्कि शोध और विश्लेषण का भी प्रभावी माध्यम बनती जा रही है। हाल ही में 'चैट-जीपीटी' और 'क्लाउडे' जैसे दो एआई प्लेटफॉर्म की सहायता से किए गए एक अध्ययन में यह जानने का प्रयास किया गया कि भारतीय पंचांग के अधिक मास और मौसम विज्ञान की प्रसिद्ध घटना एल-नीनो का मानसून पर कोई संयुक्त प्रभाव पड़ता है या नहीं। अध्ययन के दौरान यह भी महसूस हुआ कि विश्लेषणात्मक दृष्टि से क्लाउडे अपेक्षाकृत अधिक गहराई से निष्कर्ष प्रस्तुत करता है। सबसे पहले इन दोनों अवधारणाओं को समझना आवश्यक है। अधिक मास भारतीय चंद्र-सौर पंचांग की व्यवस्था का हिस्सा है। सौर वर्ष 365 दिनों का होता है, जबकि चंद्र वर्ष लगभग 354 दिनों का। हर वर्ष लगभग 11 दिनों का अंतर जमा होकर लगभग तीन वर्ष में एक अतिरिक्त महीने का रूप ले लेता है, जिसे अधिक मास कहा जाता है। इसी प्रकार अंग्रेजी कैलेंडर में प्रत्येक चौथे वर्ष आने वाले लीप ईयर में फरवरी 29 दिनों की होती है। दूसरी ओर, एल-नीनो प्रशांत महासागर के सतही जल के तापमान में असामान्य वृद्धि से उत्पन्न होने वाली जलवायु स्थिति है। यह सामान्यतः दो से सात वर्ष के अंतराल पर देखने को मिलती है और भारत के मानसून को कमजोर करने वाले प्रमुख कारणों में मानी जाती है। अध्ययन के लिए वर्ष 1951 से 2026 तक का 76 वर्षों का कालखंड चुना गया। इस अवधि में 28 वर्ष अधिक मास वाले रहे, जबकि 22 वर्षों में एल-नीनो प्रभाव सक्रिय था। इनमें 12 वर्ष ऐसे मिले, जब अधिक मास और एल-नीनो दोनों एक साथ उपस्थित थे। विशेष रूप से यह जानने का प्रयास किया गया कि यदि अधिक मास ज्येष्ठ महीने में पड़े तो क्या उसका मानसून पर अधिक प्रभाव पड़ता है। एआई के विश्लेषण के अनुसार, अधिक ज्येष्ठ का अर्थ है कि मानसून पूर्व का गर्म और शुष्क मौसम कुछ और दिनों तक बना रहता है। ज्येष्ठ के दौरान सूर्य कर्क रेखा की ओर बढ़ता है और तापमान अपने चरम पर होता है। यदि यही अवधि लंबी हो जाए तो भूमि का सूखापन बढ़ सकता है, जिससे मानसून की शुरूआत प्रभावित होने की संभावना रहती है। इतिहास के कुछ उदाहरण भी इस निष्कर्ष को बल देते दिखाई देते हैं। वर्ष 2015 में अधिक आषाढ़ और तीव्र एल-नीनो साथ आए, जिसके परिणामस्वरूप सूखे जैसी स्थिति बनी। वर्ष 2018 में अधिक ज्येष्ठ और हल्के एल-नीनो के दौरान सामान्य से कम वर्षा हुई। वहीं वर्ष 2026 में अधिक ज्येष्ठ और संभावित सुपर एल-नीनो के कारण कम वर्षा अथवा सूखे की आशंका व्यक्त की गई है। अध्ययन में पाया गया कि जिन 12 वर्षों में अधिक मास और एल-नीनो साथ आए, उनमें सात वर्षों में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई। यह निष्कर्ष पारंपरिक लोक-अनुभव से भी मेल खाता है। लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि अधिक ज्येष्ठ होने पर मानसून देर से आता है। 75 वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण भी इस धारणा को काफी हद तक समर्थन देता है। इससे संकेत मिलता है कि हमारे पूर्वजों ने खगोलीय घटनाओं और मौसम के बीच संबंधों को अपने अनुभवों के आधार पर समझा था। वर्तमान वर्ष में अधिक ज्येष्ठ 17 मई से 15 जून तक रहा। एआई के विश्लेषण के आधार पर अनुमान है कि कोंकण क्षेत्र में सामान्य से अच्छा वर्षा प्रदर्शन हो सकता है, जबकि मध्य महाराष्ट्र और पुणे में जुलाई के बाद स्थिति सुधरने की संभावना है। मराठवाड़ा में कम वर्षा तथा विदर्भ में देर से और अपेक्षाकृत कमजोर मानसून का अनुमान व्यक्त किया गया है। हालांकि यह केवल एक अध्ययन और विश्लेषण है, इसे अंतिम वैज्ञानिक भविष्यवाणी नहीं माना जा सकता। स्पष्ट है कि पारंपरिक ज्ञान, खगोलीय कालगणना और आधुनिक मौसम विज्ञान के बीच संबंधों पर गंभीर शोध की पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं। यदि मौसम वैज्ञानिक, खगोलविद और पारंपरिक ज्ञान के विशेषज्ञ मिलकर इस दिशा में विस्तृत अध्ययन करें, तो भविष्य में मानसून के पूवार्नुमान को और अधिक सटीक बनाने में नई संभावनाएं खुल सकती हैं।

आज का इतिहास

- 1885- लुई पाश्चर ने रेबीज के टीके का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।
- 1944- महात्मा गांधी को पहली बार नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्रपिता कहा।
- 2002 - अफगानिस्तान के उपराष्ट्रपति अब्दुल कादिर की हत्या।
- 2005 - मैक्सिको में मानव का चालीस हजार वर्ष पुराना पदचिह्न मिला।
- 2006 - विश्व कप फुटबाल में फ्रांस ने पुर्तगाल को हराया।
- 2008 - दक्षिणी मिस्त्र में 5000 साल पुराने शाही कब्रिस्तान की खोज की गई।
- 2012- संयुक्त राष्ट्र के व्यापार और विकास सम्मेलन (अंकटाड) की जारी विश्व निवेश रिपोर्ट-2012 के अनुसार बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए 2012 से 2014 की अवधि में चीन सबसे आकर्षक निवेश स्थल रहा। उसके बाद अमेरिका, भारत का स्थान रहा।
- 1963 - सुखबीर सिंह संधू - भारत के नवनियुक्त चुनाव आयुक्त हैं।
- 1958 - रामचंद्र प्रसाद सिंह - यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी जो मोदी मंत्रिमंडल में 'इस्पात मंत्री' हैं।
- 1958 - मलाथी कृष्णामूर्ति हॉला - भारत की पैरा एथलीट हैं।
- 1947 - अनवर जलालपुरी - 'यश भारती' से सम्मानित उर्दू के मशहूर शायर थे।
- 1935 - दलाई लामा - बौद्ध धर्म के धर्मगुरु।
- 1915 - देवेगोड़ा जवरेगोड़ा - कन्नड़ लेखक, लोक गीतकार, शोधकर्ता और विद्वान थे।
- 1906 - दौलत सिंह कोठारी - भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे।
- 1905 - लक्ष्मीबाई केलकर - भारत की प्रख्यात समाज सुधारक थीं।
- 1901- श्यामाप्रसाद मुखर्जी, भारतीय राजनीतिज्ञ
- 1837 - रामकृष्ण गोपाल भंडारकर, समाजसुधारक
- 1940 - नूर्सुल्तान नाजर्बायव - कजाखस्तान के राष्ट्रपति थे।
- 1956 - अनिल माधब दवे - भारत सरकार में पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री थे।
- 2018 - अमृतलाल बेगड़ - प्रसिद्ध साहित्यकार, चित्रकार और नर्मदा प्रेमी थे।
- 2002 - ठाकुर राम लाल - हिमाचल प्रदेश में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनेताओं में से एक थे।
- 1894 - प्रताप नारायण मिश्र - हिन्दी खड़ी बोली और 'भारतेन्दु युग' के उन्नायक।
- 1986 - जगजीवन राम - आधुनिक भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष, जिन्हें आदर से 'बाबूजी' कहा जाता था।

बारिश का कहर या व्यवस्था की विफलता?

● मूसलाधार बारिश ने कमजोर होती शहरी व्यवस्थाओं की परतें उधेड़ दी हैं

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में सक्रिय मानसून ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि प्राकृतिक आपदाएं केवल मौसम का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि वे हमारी प्रशासनिक तैयारियों और शहरी नियोजन की वास्तविक तस्वीर भी सामने ले आती हैं। मुंबई और पुणे में बीते दिनों जो घटनाएं हुईं, वे केवल बारिश से जुड़े हादसे नहीं हैं, बल्कि विकास कार्यों की गुणवत्ता, रखरखाव की कमी और प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर संकेत भी हैं। सवाल यह नहीं कि बारिश कितनी हुई, बल्कि यह है कि हर वर्ष आने वाली बारिश के सामने हमारी व्यवस्थाएं इतनी असहाय क्यों नजर आती हैं।

मुंबई में धंसती जमीन, बढ़ती चिंता

भारी बारिश के बीच मुंबई के भांडुप इलाके में सड़क के नीचे की जमीन धंस गई और वहां खड़े कंटेनर तथा टेंपो नीचे जा गिरे। सौभाग्य से इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन यह घटना शहर के कमजोर बुनियादी ढांचे की ओर स्पष्ट संकेत करती है। भूमिगत निर्माण, जल निकासी और सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। ऐसे हादसे बताते हैं कि केवल नई परियोजनाएं शुरू करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता और नियमित निगरानी भी उतनी ही आवश्यक है।

पुणे में लापरवाही का फव्वारा

पुणे जिले के तलेगांव में जलापूर्ति योजना की टेस्टिंग के दौरान सड़क के बीचों-बीच पानी का तेज फव्वारा फूट पड़ना चौंकाने वाली घटना है। जांच में सामने आया कि पाइपलाइन जोड़ते समय तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया गया था और दो पाइपों को ठीक से नहीं जोड़ा गया। परिणामस्वरूप, पानी का दबाव बढ़ते ही पूरी पाइपलाइन खुल गई। यह घटना केवल एक तकनीकी भूल नहीं, बल्कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। यदि परीक्षण के दौरान ही ऐसी स्थिति बन सकती है, तो आम लोगों की सुरक्षा कितनी सुनिश्चित है?

पेड़ों की अनदेखी बनी जानलेवा

लगातार बारिश और तेज हवाओं के बीच मुंबई में पेड़ गिरने की घटनाओं ने चिंता और बढ़ा दी है। कुर्ला में एक पुराने पेड़ के गिरने से 63 वर्षीय यूनुस कुंडावाला की जान चली गई, जबकि गोरेगांव के आरे कॉलोनी क्षेत्र में पेड़ की टहनी गिरने से 18 वर्षीय युवक की मृत्यु हो गई। इससे पहले भी स्कूल बस पर पेड़ गिरने से एक छात्र की मौत हो चुकी थी। ये घटनाएं बताती हैं कि शहर में पुराने और कमजोर पेड़ों का समय पर सर्वेक्षण तथा वैज्ञानिक छंटाई नहीं हो रही है। प्राकृतिक आपदा को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, लेकिन जोखिम को अवश्य कम किया जा सकता है।

राहत तंत्र सक्रिय, पर रोकथाम कमजोर

हर हादसे के बाद फायर ब्रिगेड, पुलिस, नगर निगम और अन्य एजेंसियां राहत एवं बचाव कार्य में सक्रिय दिखाई देती हैं। यह स्वागतयोग्य है कि आपातकालीन प्रतिक्रिया तेज होती जा रही है, लेकिन वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी जब ऐसे हादसे होने ही न दिए जाएं। यदि हर मानसून में वही सड़कें धंसें, वही पेड़ गिरें और वही जलभराव हो, तो यह स्पष्ट संकेत है कि हमारी प्राथमिकता आपदा प्रबंधन से अधिक आपदा के बाद की कार्रवाई तक सीमित रह गई है।

जलभराव बना महानगर की पहचान

मुंबई में लगातार हो रही बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव, सड़कों पर लंबा ट्रैफिक जाम और रेल सेवाओं पर असर जैसी समस्याएं लगभग हर वर्ष दोहराई जाती हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा रेड अलर्ट जारी करने के बाद भी अनेक स्थानों पर जल निकासी की व्यवस्था अपर्याप्त साबित हुई। विडंबना यह है कि देश की आर्थिक राजधानी हर मानसून में कुछ घंटों की तेज बारिश के बाद ही ठहर जाती है। करोड़ों रुपये की परियोजनाओं के बावजूद यदि नागरिकों को हर वर्ष वही कठिनाइयों का सामना करना पड़े, तो योजनाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

सिर्फ बारिश नहीं, योजना की परीक्षा

बारिश किसी भी शहर की आधारभूत संरचना की सबसे बड़ी परीक्षा होती है। मजबूत सड़कें, सुरक्षित पाइपलाइन, सक्षम जल निकासी व्यवस्था, पुराने पेड़ों का वैज्ञानिक प्रबंधन और समय पर रखरखाव-यही किसी आधुनिक शहर की पहचान हैं। दुर्भाग्य से हमारे अधिकांश शहरों में विकास का जोर नई परियोजनाओं पर अधिक रहता है, जबकि रखरखाव और गुणवत्ता नियंत्रण को अपेक्षित महत्व नहीं मिलता। परिणामस्वरूप हर मानसून नई समस्याएं सामने आती हैं और पुरानी गलतियां दोहराई जाती हैं।

जवाबदेही तय करने का समय

महाराष्ट्र की हालिया घटनाएं केवल प्रशासनिक रिपोर्टों में दर्ज होने वाली खबरें नहीं हैं। ये उस व्यवस्था का आईना हैं, जिसमें विकास की गति तो दिखाई देती है, लेकिन गुणवत्ता और जवाबदेही अक्सर पीछे छूट जाती है। यदि हर वर्ष बारिश के साथ सड़कें धंसें, पेड़ गिरें, पाइपलाइन फटें और नागरिकों की जान जोखिम में पड़े, तो इसे केवल प्राकृतिक आपदा कहकर नहीं टाला जा सकता। अब समय आ गया है कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, ठेकेदारों की जवाबदेही और नगर निकायों की कार्यप्रणाली का कठोर मूल्यांकन किया जाए। एक विकसित और सुरक्षित शहर की पहचान केवल ऊंची इमारतों से नहीं, बल्कि ऐसी मजबूत व्यवस्थाओं से होती है जो विपरीत परिस्थितियों में भी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

आंखनदेखी

एक ओर मुंबई में लगातार बारिश से लोगों की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं, वहीं मरीन ड्राइव पर कई लोग मौसम का आनंद लेते भी नजर आए हैं।

आतंक पर निर्णायक प्रहार का संदेश

आतंकियों पर कानूनी शिकंजा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में सक्रिय 23 आतंकियों को प्रतिबंधित आतंकियों की सूची में शामिल कर एक महत्वपूर्ण और समयोचित कदम उठाया है। यह निर्णय केवल कुछ व्यक्तियों को कानूनी रूप से आतंकवादी घोषित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की सेना, उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवाद के पूरे नेटवर्क को स्पष्ट संदेश देता है कि भारत अब आतंकवाद के प्रति किसी भी प्रकार की नरमी बरतने वाला नहीं है। यह फैसला बताता है कि भारत केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि आतंकवाद की जड़ों और उसके संरक्षकों पर भी लगातार नजर बनाए हुए है।

सिर्फ नाम नहीं, अपराधों का इतिहास

सूचीबद्ध किए गए इन 23 आतंकियों पर भारत में आतंकी हमलों की साजिश रचने, सीमा पार से घुसपैठ कराने, हथियार और विस्फोटक पहुंचाने तथा आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने जैसे गंभीर आरोप हैं। इनमें कई ऐसे चेहरे हैं, जिनका संबंध भारत में हुए बड़े आतंकी हमलों से रहा है। ये आतंकवादी जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, द रेजिस्टेंस फ्रंट और जमात-उद-दावा जैसे प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि इनमें कुछ आतंकी जम्मू-कश्मीर मूल के हैं, जिन्हें पाकिस्तान ने अपने आतंकवादी एजेंडे का हिस्सा बनाया।

कानूनी कार्रवाई से बढ़ा दबाव

इस नई कार्रवाई के साथ यूएपीए के तहत प्रतिबंधित आतंकियों की कुल संख्या 80 हो गई है। सरकार ने केवल उनके नाम ही सार्वजनिक नहीं किए, बल्कि उनके ठिकानों और गतिविधियों का भी उल्लेख किया है। इससे पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। भले ही पाकिस्तान हमेशा की तरह अपनी धरती पर आतंकियों की मौजूदगी से इनकार करे, लेकिन उसके दावों की विश्वसनीयता लगातार कमजोर होती जा रही है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के स्थानीय लोग स्वयं यह स्वीकार कर रहे हैं कि वहां युवाओं को हथियार थमाकर आतंकवाद की राह पर धकेला गया। ऐसे बयान पाकिस्तान के आधिकारिक दावों की वास्तविकता उजागर करते हैं।

सही समय पर रणनीतिक फैसला

यह निर्णय ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान सिंधु जल संधि के स्थगन को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास कर रहा है। वह मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय समझौतों की दुहाई देकर स्वयं को पीड़ित साबित करना चाहता है। ऐसे समय में भारत का यह कदम स्पष्ट करता है कि आतंकवाद और द्विपक्षीय संबंधों को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। यदि पाकिस्तान आतंकवाद को संरक्षण देता रहेगा, तो केवल संवाद और समझौतों की बात करना वास्तविकता से आंखें मूंदने जैसा होगा।

'खून और पानी' का स्पष्ट संदेश

भारत लंबे समय से यह स्पष्ट करता आया है कि आतंकवाद और सामान्य संबंध साथ-साथ नहीं चल सकते। यदि पाकिस्तान वास्तव में सिंधु जल संधि जैसे समझौतों का लाभ चाहता है, तो उसे अपनी धरती पर पल रहे आतंकवादी ढांचे को समाप्त करना होगा। केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति की बातें करने से विश्वास नहीं बनता। विश्वास तब बनता है, जब आतंकवादी संगठनों की आर्थिक, वैचारिक और सैन्य सहायता पूरी तरह समाप्त की जाए। "खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते"-यह केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का मूल सिद्धांत बन चुका है।

शांति की पहल यथार्थवादी हो

हाल के दिनों में कुछ सामाजिक और राजनीतिक वर्गों ने भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध सामान्य करने की वकालत की थी। संवाद और शांति का समर्थन किसी भी लोकतांत्रिक समाज में स्वागत योग्य विचार है, लेकिन शांति केवल एक पक्ष की इच्छा से स्थापित नहीं होती। दुर्भाग्य यह है कि संबंध सुधारने की अपील करने वाले अनेक लोगों ने शायद ही कभी पाकिस्तान से यह मांग की कि वह आतंकवाद के अपने ढांचे को ध्वस्त करे। जब तक आतंकवाद को राज्य संरक्षण मिलता रहेगा, तब तक केवल बातचीत की अपील वास्तविक समाधान नहीं बन सकती।

वैश्विक मंच पर भी बढ़ानी होगी पहल

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। अनेक देशों ने सीमा पार आतंकवाद पर भारत की चिंताओं को स्वीकार भी किया है। फिर भी यह पर्याप्त नहीं है। भारत को संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी नेटवर्क, उसकी वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण शिविरों के ठोस प्रमाण लगातार प्रस्तुत करने होंगे। आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक जनमत जितना मजबूत होगा, पाकिस्तान के लिए अपने दोहरे रवैये को छिपाना उतना ही कठिन होता

दृढ़ता ही सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी

आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष केवल सैन्य कार्रवाई या कानूनी प्रतिबंधों से नहीं जीता जाता, बल्कि निरंतर राजनीतिक इच्छाशक्ति, कूटनीतिक सक्रियता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से भी आगे बढ़ता है। 23 आतंकियों को प्रतिबंधित करने का निर्णय इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। भारत को अब इस दिशा में और अधिक आक्रामक कूटनीतिक पहल करनी चाहिए, ताकि आतंकवाद को संरक्षण देने वाले तंत्र पर लगातार दबाव बना रहे। राष्ट्रीय सुरक्षा किसी भी राष्ट्र की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और इस मामले में किसी प्रकार की ढिलाई की कोई गुंजाइश नहीं है। आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति जितनी स्पष्ट, सुसंगत और दृढ़ होगी, उतना ही सुरक्षित उसका भविष्य और उतनी ही मजबूत उसकी वैश्विक विश्वसनीयता होगी।

प्रेरक प्रसंग

पहचान

शहर की प्रतिष्ठित कला दीर्घा में प्रसिद्ध चित्रकार की चित्र प्रदर्शनी लगी थी। दीवारों पर प्रकृति, इतिहास, संस्कृति और आधुनिक जीवन से जुड़े अनेक आकर्षक चित्र सजे थे। दर्शक हर चित्र को ध्यान से देख रहे थे, लेकिन एक चित्र ऐसा था जिसके सामने सबसे अधिक भीड़ उमड़ी हुई थी। उस चित्र पर कोई शीर्षक नहीं लिखा था, फिर भी वह हर किसी के मन में अनेक प्रश्न पैदा कर रहा था। चित्र में सोने का विशाल दरवाजा दिखाई दे रहा था, जिस पर हीरे और बहुमूल्य रत्न जड़े थे। भीतर एक भव्य सिंहासन रखा था, जिस पर मखमल की गद्दी बिछी थी। उस सिंहासन पर एक अत्यंत सुंदर महिला राजसी वस्त्रों और कीमती आभूषणों से सुसज्जित होकर बैठी थी। दो दासियां उसे पंखा झल रही थीं और पीछे खड़े अनेक लोग हाथ उठाकर मानो उसका समर्थन कर रहे थे। पूरा दृश्य वैभव, शक्ति और सम्मान का प्रतीक लग रहा था। लेकिन उसी सिंहासन के नीचे एक और सुंदर महिला बैठी थी। उसके हाथ-पैर बेड़ियों से जकड़े हुए थे। उसके वस्त्र मैले-कुचैले थे, चेहरा उदास था और सिर झुका हुआ था। उसके पीछे केवल चार व्यक्ति हाथ जोड़कर खड़े थे, जबकि कुछ अन्य लोग आश्चर्य से उसकी ओर इशारा करते हुए मानो पूछ रहे थे-"यह कौन है?" यह रहस्यमय चित्र हर दर्शक को सोचने पर मजबूर कर रहा था। आखिरकार एक युवक स्वयं को रोक नहीं पाया। वह चित्रकार के पास पहुंचा और विनम्रता से बोला, "महाशय, इस चित्र का अर्थ क्या है? ये दोनों महिलाएं कौन हैं?"

- चित्रकार कुछ क्षण तक चित्र को निहारता रहा। उसकी आंखों में हल्की-सी पीड़ा झलक रही थी। फिर उसने धीरे से सिंहासन के नीचे बैठी उस बेबस महिला की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह... हमारी मातृभाषा है, जो धीरे-धीरे अपनी पहचान खो रही है।
- उसने आगे कुछ कहने के लिए होंठ खोले, लेकिन शब्द गले में ही अटक गए। उसे मालूम था कि यदि वह सिंहासन पर विराजमान महिला की पहचान भी बता देगा, तो शायद बहुत-से लोग असहज हो जाएंगे और प्रदर्शनी कक्ष धीरे-धीरे खाली होने लगेगा।
- चित्र वहीं टंगा रहा, लेकिन अब वह केवल एक चित्र नहीं था। वह समाज के सामने खड़ा एक मौन प्रश्न था—क्या आधुनिकता की दौड़ में हम अपनी मातृभाषा की पहचान खोते जा रहे हैं? और यदि ऐसा है, तो उसे सम्मान दिलाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?

राशिफल

मेष– आज कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। रुके धन की प्राप्ति में अड़चनें आएंगी।

वृषभ–घर में आज मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने काम से काम रखें। दूसरों के विश्वास में न आएं। परिवार में तनावपूर्ण माहौल रह सकता है।

मिथुन– आज धन के लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। कार्य के विस्तार की योजना बनेगी। संत-समागम होगा।

कर्क– चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। व्यापार अच्छा रहेगा।

सिंह– शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

कन्या– दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। स्थायी संपत्ति के मामले उलझेंगे। कार्य में मित्रों की मदद मिलेगी। आर्थिक मनोबल बढ़ेगा।

तुला–कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। परिवार एवं समाज में आपके कामों को महत्व एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा। वाणी पर संयम आवश्यक है। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक– चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख, संतोष बढ़ेगा। उपहार मिलने के योग हैं। अधिक व्यय न करें। खर्चों में कमी करें।

धनु– पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। कार्य में भागीदार सहयोग करेंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी। दांपत्य जीवन में गलतफहमी आ सकती है।

मकर– घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे। विपरीत परिस्थितियों का सफलता से सामना कर सकेंगे। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं।

कुंभ–शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं। विद्वानों के साथ रहने का अवसर मिलेगा। व्यापार में भागीदार सहयोग करेंगे।

मीन–अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी। प्रसिद्धि एवं सम्मान में इजाफा होगा। नौकरी में उन्नति के योग हैं। घर-परिवार की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम न लें। शारीरिक कष्ट संभव है।

राम मंदिर ही नहीं, बद्रीनाथ धाम के चढ़ावे पर भी बवाल!

दान में गड़बड़ी के आरोपों की जांच शुरू, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर उठे विवाद के बीच अब उत्तराखंड के विश्वप्रसिद्ध श्री बद्रीनाथ धाम में भी दान और चढ़ावे की गणना में कथित अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। सोशल मीडिया पर मामला चर्चा में आने और औपचारिक शिकायत मिलने के बाद श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (BKTC) ने पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। समिति ने स्पष्ट किया है कि जांच निष्पक्ष होगी और यदि कोई कर्मचारी दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

शिकायत के बाद जांच के आदेश

मामले की शुरुआत उस शिकायत से हुई, जो भैरव सेना के संस्थापक अध्यक्ष संदीप खत्री ने 3 जुलाई को BKTC के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) सोहन सिंह रांगड़ को भेजी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि बद्रीनाथ धाम में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की गणना के दौरान कथित रूप से सेंधमारी की गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि मंदिर समिति से जुड़े एक कर्मचारी ने चढ़ावे में हेराफेरी की और पूरे मामले में एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

राम मंदिर मामले में 'बड़े चोरों' को बचाने की कोशिश में भाजपा और आरएसएस : कांग्रेस

कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा और कहा कि देश की जांच एजेंसियां भी इस मामले में खामोश हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी की परतें लगातार खुल रही हैं, लेकिन भाजपा और आरएसएस से जुड़े 'बड़े चोरों' को बचाने का काम पुरजोर तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि श्रीराम मंदिर से करोड़ों रुपए का चढ़ावा चोरी हुआ है, लेकिन देश की जांच एजेंसियां इस मामले में खामोश हैं।

■ कांग्रेस नेता ने इस मामले की निष्पक्ष और व्यापक जांच की मांग करते हुए कहा कि पूरे प्रकरण में जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि जिन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है, उन्हें मंदिर ट्रस्ट की ओर से उपलब्ध कराई गई सूची के आधार पर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एक एजेंसी के माध्यम से काम पर लगाया गया था। मिश्रा ने दावा किया कि इन कर्मचारियों की न तो समुचित जांच की गई और न ही उनकी पृष्ठभूमि का सत्यापन किया गया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मामले में केवल छोटे कर्मचारियों की जांच की जा रही है, जबकि 'ऊपर बैठे बड़े लोगों' को बचाया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि इस मामले में कुछ ट्रस्ट पदाधिकारियों के खिलाफ अब तक प्राथमिकी क्यों दर्ज नहीं की गई है। मिश्रा ने कहा कि भाजपा और आरएसएस इस मामले से खुद को अलग नहीं कर सकते और इस प्रकरण से देश के रामभक्त आहत हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'चुप्पी' पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले की निष्पक्ष और व्यापक जांच होनी चाहिए तथा पूरे प्रकरण में जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

BKTC अध्यक्ष ने दिए सख्त कार्रवाई के संकेत

BKTC के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि सोशल Media पर लगाए जा रहे आरोपों को समिति ने गंभीरता से लिया है। मामले की जांच के लिए एक जांच समिति गठित कर दी गई है और संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

CCTV फुटेज और बयानों के आधार पर होगी जांच

BKTC के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन सिंह रांगड़ ने बताया कि जांच समिति मंदिर परिसर के CCTV फुटेज, उपलब्ध दस्तावेजों और संबंधित कर्मचारियों व अन्य पक्षों के बयानों के आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी। यदि जांच में किसी भी प्रकार की अनियमितता या चोरी सामने आती है तो श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति अधिनियम, 1939 और कर्मचारी आचरण नियमावली के तहत दोषियों पर विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

'निजी सचिव' वाले दावे पर दी सफाई

सोशल मीडिया पर यह दावा भी किया गया कि आरोपों में घिरा व्यक्ति BKTC अध्यक्ष का निजी सचिव है। इस पर हेमंत द्विवेदी ने सफाई देते हुए कहा कि संबंधित व्यक्ति उनका निजी सचिव नहीं, बल्कि मंदिर समिति का नियमित कर्मचारी है। उन्होंने कहा कि तथ्यों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही की जाएगी।

ओडिशा में मतदाता सूची से हटाए गए 20 लाख से अधिक नाम

हिंदमाता नेटवर्क @ ओडिशा

ओडिशा में विशेष गहन पुनरीक्षण के गणना चरण के बाद 20 लाख से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। निर्वाचन आयोग द्वारा रविवार को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची में यह जानकारी सामने आई है। ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आर. एस. गोपालन ने बताया कि 20 मई को मतदाता सूची को अंतिम रूप देने के समय राज्य में 3.33 करोड़ मतदाता थे। उन्होंने कहा कि 30 मई से 28 जून के बीच मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत कराई गई गणना प्रक्रिया के बाद अब मतदाता सूची में 3.13 करोड़ मतदाता शामिल हैं। इनमें 1.60 करोड़ पुरुष, 1.53 करोड़ महिला और 2,775 तृतीय लिंग (थर्ड जेंडर) के मतदाता हैं।

6 सितंबर को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची

गोपालन ने कहा कि मतदाता सूची से हटाए गये 20 लाख मतदाताओं में से 8 .32 लाख की मौत हो चुकी है, 10 .07 लाख अन्य स्थानों पर चले गए या पुनरीक्षण अभियान के दौरान अनुपस्थित रहे, जबकि 1.58 लाख लोगों के नाम एक से अधिक स्थानों की मतदाता सूचियों में दर्ज पाये गए। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, गणना चरण के दौरान लगभग 14,000 मतदाताओं ने बूथस्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को अपने गणना-प्रपत्र वापस नहीं सौंपे। गोपालन ने संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा कि जिन मतदाताओं के नाम मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं, वे अपना दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि दावों और आपत्तियों पर चार अगस्त तक सुनवाई की जाएगी तथा अंतिम मतदाता सूची छह सितंबर को प्रकाशित की जायेगी।

5 जुलाई से शुरू हुई दावों और आपत्तियों की प्रक्रिया

सीईओ ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति का नाम मसौदा मतदाता सूची में नहीं है, तो उसे एक प्रपत्र भरकर घोषणा-पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्वाचन अधिकारियों के पास जमा करना होगा। उन्होंने कहा कि दावे और आपत्तियां पांच जुलाई से चार अगस्त तक स्वीकार किए जाएंगे। गोपालन ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर दावों और आपत्तियों का निपटारा करने के लिए समय-समय पर अतिरिक्त अधिकारियों की भी तैनाती की जायेगी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले पीएम मोदी को जान से मारने की धमकी

खुफिया एजेंसियों में हड़कंप, मेलबर्न में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले उन्हें कथित तौर पर सोशल मीडिया के जरिए धमकी दी गई है। यह धमकी 9 जुलाई को मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में आयोजित होने वाले सामुदायिक कार्यक्रम से जुड़ी बताई जा रही है। मामले की जानकारी मिलने के बाद ऑस्ट्रेलियाई फेडरल पुलिस (AFP) ने जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह कथित धमकी 'मेलबर्न मीट्स मोदी' कार्यक्रम के प्रचार से जुड़ी एक फेसबुक पोस्ट पर टिप्पणी के रूप में लिखी गई थी। टिप्पणी में कार्यक्रम के दौरान हिंसा की धमकी देने जैसी भाषा का इस्तेमाल किया गया था। इसकी सत्यता और उद्देश्य की जांच की जा रही है।

■ रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने कथित पोस्ट से जुड़े आईपी एड्रेस की पहचान कर ली है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह संदेश किसने और किस उद्देश्य से पोस्ट किया। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक किसी व्यक्ति की पहचान, गिरफ्तारी या आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। ऑस्ट्रेलियाई फेडरल पुलिस ने मामले पर सार्वजनिक रूप से विस्तृत टिप्पणी नहीं की है। फिलहाल एजेंसियां यह जांच कर रही हैं कि यह किसी व्यक्ति की हरकत थी या इसके पीछे कोई संगठित समूह है। जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। ऑस्ट्रेलिया में विदेशी राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों को मिलने वाली किसी भी धमकी को बेहद गंभीरता से लिया जाता है। ऐसे दौरों के दौरान ऑस्ट्रेलियाई फेडरल पुलिस, राज्य पुलिस और विशेष सुरक्षा एजेंसियां मिलकर सुरक्षा व्यवस्था संभालती हैं।

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 जुलाई से अपने तीन देशों के दौरे पर रवाना हो रहे हैं। पहले चरण में वह इंडोनेशिया जाएंगे। इसके बाद 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा करेंगे, जहां उनकी ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ द्विपक्षीय वार्ता और ऑस्ट्रेलिया-भारत वार्षिक नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने का कार्यक्रम है। इसके बाद वह 11 जुलाई को न्यूजीलैंड जाएंगे। फिलहाल ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि कथित धमकी विश्वसनीय थी या नहीं। मामले की जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियां आवश्यक एहतियाती कदम उठा रही हैं।

असम में 1 करोड़ फल पौधों के वितरण लक्ष्य के साथ बीज व रोपण सामग्री वितरण अभियान की शुरुआत

मंत्री पीयूष हजारिका के उपस्थिति में हुई शुरुआत

पंकज नाथ @ असम

असम के कामरूप ज़िले के काहिकुची स्थित उन्नत उद्यान फसल उत्पादन केंद्र प्रांगण में रविवार को असम कृषि विश्वविद्यालय की पहल पर आयोजित 'बीज और रोपण सामग्री के औपचारिक वितरण' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि, जल संसाधन और संसदीय कार्य विभाग के मंत्री पीयूष हाजरीका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंत्री हाजरीका ने असम कृषि विश्वविद्यालय को इस सराहनीय पहल के लिए धन्यवाद देते हुए घोषणा की कि कृषि विभाग ने पूरे राज्य में 1 करोड़ उच्च उत्पादक क्षमता वाले उद्यान फसल पौधों के वितरण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। फल और नगदी फसलों के उत्पादन पर विशेष जोर देकर किसानों की आय में बड़ी वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि एक ही खेत में योजनाबद्ध ढंग से नारियल, मिर्च, अनानास और ड्रैगन फ्रूट जैसी लाभकारी फसलों की मिश्रित खेती (मल्टी-क्रॉपिंग) अपनाई जाए, तो किसान परिवारों का आर्थिक लाभ कई गुना बढ़ सकता है। हजारीका ने राज्य के युवाओं से अपील की कि वे कम वेतन वाली साधारण नौकरियों के लिए अन्य राज्यों की ओर पलायन करने के बजाय वाणिज्यिक कृषि को अपनाकर आत्मनिर्भरता की राह चुनें। मंत्री ने कम उत्पादन के लिए कीट संक्रमण या मोबाइल टावर के विकिरण जैसी अप्रमाणित वजहों को बढ़ावा देने के बजाय कठोर परिश्रम और हर समस्या के व्यावहारिक समाधान खोजने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने दोहराया कि किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक दाम पर उर्वरक बेचने वाले विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हजारीका ने कहा कि इस वर्ष

समय पर धान के बीज वितरण से स्थानीय किसानों को बड़ी राहत और लाभ मिला है। पीएम-किसान और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी केंद्र की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए विभागीय स्तर पर किसान पंजीकरण प्रक्रिया को तेज और विस्तारित किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से कृषि अवसंरचना कोष (Agri Inrastructure Fund) का लाभ उठाने की भी अपील की।देश के व्यापार घाटे का उल्लेख करते हुए मंत्री ने स्थानीय किसानों से तेलहन और दलहन फसलों के उत्पादन पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया, ताकि आयात व्यय में कमी लाई जा सके। पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण को लेकर कुछ स्वार्थी तत्वों द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी अफवाहें केवल किसानों के आर्थिक हितों को नुकसान पहुंचाती हैं। इस कार्यक्रम में मंत्री पीयूष हजारीका ने लगभग 100 किसानों के बीच फल पौध, मिट्टी मटर और मूंग की किस्मों के बीज तथा स्प्रेइंग मशीनें औपचारिक रूप से वितरित कीं। असम कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति दीपज्योति राजखोवा, उद्यान कृषि विभाग के संचालक नृपेन चंद्र दास सहित कई अन्य विशिष्ट व्यक्तित्व उपस्थित रहे।

बंगाल में 12 साल की लड़की का रेप, हत्या करके शव तालाब में फेंका; इलाके में भारी तनाव

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के बरुईपुर थाना क्षेत्र में नाबालिग से रेप के बाद हत्या का मामला सामने आया है। 12 वर्षीय किशोरी शनिवार शाम घर से खाने का सामान खरीदने निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिवार के सदस्यों का आरोप है कि चार लोग उसे जबरन अपने साथ ले लिया। रविवार सुबह घर के पास एक तालाब से उसका शव बरामद किया गया। परिजनों ने दावा किया कि किशोरी के साथ दुष्कर्म किया गया और फिर हत्या कर शव तालाब में फेंक दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने किशोरी को संदिग्धों के साथ देखा था, जिससे गुस्सा और बढ़ गया। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया और सूर्यपुर स्टेशन पर रेलवे ट्रैक को भी रोक दिया। इससे सियालदह-नामखाना रेल मार्ग पर करीब एक घंटे तक रेल सेवा बाधित रही, जबकि सड़क अवरोध लगभग पांच घंटे तक जारी रहा।

प्रदर्शनकारियों ने किया पथराव

प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने एक युवक की पिटाई भी कर दी। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। बड़े पैमाने पर पुलिस बल तैनात किया गया। इस मामले में अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक संदिग्ध को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पीड़िता के पिता से फोन पर बात की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने पीड़ित परिवार को मंगलवार को भवानी भवन बुलाया है। आईजी कंकर प्रसाद बारुई ने कहा कि मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम जल्द कराया जाएगा और जरूरत पड़ने पर इसकी वीडियोग्राफी भी होगी। पुलिस का प्रयास है कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। राज्य में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल में स्कूल शिक्षक और अपराध-विरोधी सामाजिक कार्यकर्ता बरुण बिस्वास के परिजनों ने शनिवार को राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से संपर्क किया। उन्होंने कोलकाता हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज की देखरेख में रक्षक की ओर से हत्याकांड की नए सिरे से जांच कराए जाने की मांग की। यह मांग बरुण की 14वीं पुण्यतिथि से ठीक एक दिन पहले आई। उत्तर 24 परगना जिले के गोबरडांगा रेलवे स्टेशन के पास 5 जुलाई, 2012 को हमलावरों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 'मेड-इन-इंडिया' रक्षा उपकरणों पर दुनिया का भरोसा बढ़ाः राजनाथ सिंह

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर'' के बाद 'मेड-इन-इंडिया' रक्षा उपकरणों पर भरोसा बढ़ा है। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि आज हमारा रक्षा उत्पादन 1.78 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है, जबकि लगभग 8-9 साल पहले यह करीब 46,000 करोड़ रुपए था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद मेड-इन-इंडिया रक्षा उपकरणों पर भरोसा बढ़ा है।

ऑपरेशन सिंदूर में निर्णायक सैन्य कार्रवाई

ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में मई 2025 में भारत द्वारा की गई एक निर्णायक सैन्य कार्रवाई थी। भारत में बनी कई रक्षा प्रणालियों ने इसमें अहम भूमिका निभाई थी। सिंह ने कहा कि रक्षा निर्यात भी रिकॉर्ड 38,000 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। यह 2013-14 में सिर्फ 686 करोड़ रुपए था और आज यह 57 गुना बढ़ गया है। मैंने पूरी रिपोर्ट तो नहीं मांगी है, लेकिन मेरा अंदाजा है कि अभी यह आंकड़ा 40,000 करोड़ रुपए के आसपास होगा।

12 वर्षों में भारत की यात्रा अभावों से आत्मनिर्भरता की ओर

उन्होंने अपने संबोधन में पिछले 12 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में भारत की यात्रा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की प्रगति और एआई के दौर में मानवीय संवेदनशीलता के महत्व (जिसमें पत्रकारिता का क्षेत्र भी शामिल है) पर भी बात की। सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत की यात्रा अभावों से आत्मनिर्भरता की ओर, आत्मनिर्भरता से आत्मविश्वास की ओर और आत्मविश्वास से विकसित भारत के निर्माण की ओर रही है।

मानवीय संवेदनशीलता की भूमिका अहम

उन्होंने कहा कि भारत तकनीकी विकास और अपनी परंपराओं को मनाने, दोनों पर जोर देता है और 'परंपरा एवं तकनीक' का यह संगम '21वीं सदी में देश की सबसे बड़ी ताकत' है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के आज मानव जीवन के लगभग हर पहलू को प्रभावित करने का उल्लेख करते हुए उन्होंने आगाह किया कि एआई आंकड़ों को पढ़ और उनका विश्लेषण तो कर सकती है, लेकिन वह लोगों की नब्ज नहीं पहचान सकती। उन्होंने कहा कि यहीं पर मानवीय संवेदनशीलता और मानवीय समझ की अहम भूमिका सामने आती है। सिंह ने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी तकनीकी प्रगति से 'पत्रकारिता' भी प्रभावित हुई है लेकिन ये मानवीय रचनात्मकता और बुद्धि को पीछे नहीं छोड़ पाएंगी। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की भावी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह एआई की क्षमताओं और मानवीय सहानुभूति के बीच कितना अच्छा संतुलन और तालमेल स्थापित कर पाती है। जहां एआई पत्रकारिता को तेज और अधिक सटीक बनाएगा, वहीं भावनात्मक बुद्धिमत्ता यह सुनिश्चित करेगी कि यह मानवीय और विश्वसनीय बनी रहे।

हिंदमाता एंकरः पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़ने में पूरी तरह सक्षम है, लेकिन यूपी की इस सियासी जंग में एनडीए के सभी साथी एकजुट होकर मैदान में उतरेंगेः नितिन नबीन

2027 में यूपी जीतने का बीजेपी का 'सिंपल फॉर्मूला एनडीए के नेताओं संग तैयार हुई रणनीति

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश की सियासी बिसात पर साल 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए शह-मात का खेल अभी से शुरू हो गया है। बीजेपी ने सूबे की सत्ता पर दोबारा काबिज होने के लिए अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को राजधानी लखनऊ में NDA के सहयोगी दलों के साथ एक हाईप्रोफाइल बैठक हुई, जिसमें चुनावी दांव-पेंच और सीट शेयरिंग को लेकर लंबी चर्चा चली। बैठक के बाद बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने साफ कर दिया कि पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़ने में पूरी तरह सक्षम है, लेकिन यूपी की इस सियासी जंग में NDA के सभी साथी एकजुट होकर मैदान में उतरेंगे। सहयोगी दलों के नेताओं के साथ मैराथन बैठक के बाद पत्रकारों से मुखातिब नितिन नबीन के तेवर काफी आश्वस्त नजर आए। उन्होंने गठबंधन में बेहतर तालमेल और समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने बूते चुनाव लड़ने का माद्दा रखती है। लेकिन हम यह सुनिश्चित करेंगे कि एनडीए के सभी घटक दल मिलकर काम करें और उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाएं। नबीन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काम को ढाल बनाते हुए कहा कि 'सेवा भाव' के दम पर एनडीए 2027 में प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा सरकार बनाने जा रही है।

2017 दोहराने का टारगेट

बीजेपी हाईकमान का पूरा जोर इस वक्त सरकार और संगठन के बीच की खाई को पाटने पर है। बैठक में शामिल हुए सूबे के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार और संगठन मिलकर काम करेंगे ताकि 2017 की ऐतिहासिक जीत को 2027 में फिर से दोहराया जा सके। मौर्य ने अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि यूपी की जनता को गुंडा राज, माफिया राज, परिवारवाद और दंगे नहीं चाहिए। उन्हें विकास और सुरक्षा चाहिए। अगर सपा वापस आई, तो राज्य में फिर से जमीन कब्जाने का दौर शुरू हो जाएगा। दरअसल, बीजेपी के लिए '2017 का फॉर्मूला' एक ऐसा बेंचमार्क है, जिसे वह हर हाल में पाना चाहती है। 2017 के चुनाव में बीजेपी गठबंधन ने 403 में से रिकॉर्ड 325 सीटें जीती थीं, जिसमें अकेले बीजेपी के खाते में 312 सीटें आई थीं। हालांकि, 2022 में एंटी-इंकंबेंसी के चलते यह आंकड़ा सिमटकर 273 रह गया था, जबकि सपा गठबंधन ने अपनी स्थिति मजबूत करते हुए 125 सीटें झटक ली थीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में लगे झटके के बाद अब बीजेपी फूंक-फूंककर कदम रख रही है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने इस पर कहा कि लोकसभा के बाद हुए उपचुनावों में बीजेपी ने सभी सीटें जीती हैं, जिससे साफ है कि विपक्ष का नकारात्मक एजेंडा ज्यादा दिन नहीं चलने वाला। इस बार एनडीए के सहयोगियों की रणनीति भी बिल्कुल साफ है। राष्ट्रीय लोक दल (के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने सीधे शब्दों में कहा कि जीत का फॉर्मूला बिल्कुल सिंपल है- जो भी उम्मीदवार सीट जीतने का सबसे ज्यादा दम रखता होगा, चाहे वह किसी भी दल का हो, उसे ही मैदान में उतारा जाएगा।

उत्तर प्रदेश के बहराइच में भीषण सड़क हादसा!

ट्रक और बस में टक्कर के बाद मची चीख-पुकार, 1 की मौत, 11 लोग घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ बहराइच

उत्तर प्रदेश के बहराइच में रविवार को सुबह गोंडा-बहराइच मार्ग पर चिलवरिया के पास सड़क हादसा हो गया। वाराणसी कैंट डिपो की रोडवेज बस आगे चल रही सीमेंट लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई थी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। इस हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई, जबकि बस में सवार 11 अन्य यात्री घायल हो गए। इनमें से एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली की आपस में हुई टक्कर

आपको बता दें, कि इस हादसे की सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे, वहां पर उन्होंने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया और उनके उचित इलाज के निर्देश दिए। फिलहाल अभी दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। बता दें, कि सभी घायलों का इलाज बहराइच मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

ट्रैक्टर चालक की हुई मौके पर मौत

पुलिस ने बताया कि ट्रैक्टर चालक को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक ट्रैक्टर चालक की पहचान बहराइच के थाना रामगांव क्षेत्र के गढ़वा नौतला निवासी हरिओम सिंह के रूप में हुई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। दुर्घटना के कारणों पर जांच की जा रही है।

दुर्घटना के कारणों की जांच जारी

पुलिस ने बताया कि ट्रैक्टर चालक को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक ट्रैक्टर चालक की पहचान बहराइच के थाना रामगांव क्षेत्र के गढ़वा नौतला निवासी हरिओम सिंह के रूप में हुई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

छह लोगों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी

जानकारी के अनुसार, मिजार्पुर जिले के अदलहाट थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव के रहने वाले प्रतीक गिरि अपनी पत्नी काजल गिरि, दो महीने की बेटी शेजल, एक वर्षीय बेटी श्रेया तथा भाभी रितु देवी के साथ आजमगढ़ से अपने घर लौट रहे थे।परिवार बाइक से सैदपुर के शरीफपुर स्थित हाईवे अंडरपास के नीचे पहुंचा ही था, कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार यात्री बस ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। इनमें से छह लोगों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि पांच घायलों का इलाज जारी है।

जीएसटी कलेक्शन में योगी सरकार ने लगाई 19% की छलांग

पंजाब-केरल सब पीछे छूटे, उड़ाए बड़े-बड़े राज्यों के होश

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ी कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। यूपी सरकार चालू वित्तीय वर्ष में 1.49 लाख करोड़ रुपए के खुद के जीएसटी कलेक्शन के अपने टारगेट से आगे चल रही है। उत्तर प्रदेश ने जीएसटी कलेक्शन में देश के बड़े राज्यों पंजाब, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल को पीछे छोड़ दिया है। उत्तर प्रदेश जीएसटी कलेक्शन में दो अंकों की बढ़त हासिल की है। योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जीएसटी कलेक्शन का 149956 करोड़ तो मूल्य संवर्धित कर (वैट) के लिए 48115 करोड़ रुपए का टारगेट रखा है। सरकार ने कुल 198071 करोड़ रुपए रेवेन्यू कलेक्शन का टारगेट रखा था।

आर्थिक मोर्चे पर कीर्तिमान स्थापित कर रहा यूपी

प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि उत्तर प्रदेश लगातार आर्थिक मोर्चे पर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। जीएसटी रेवेन्यू कलेक्शन में प्रदेश ने जून 2026 में 19 प्रतिशत की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्ज करते हुए 9165 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कलेक्ट किया है। वित्त मंत्री के मुताबिक इस शानदार प्रदर्शन के साथ यूपी ने पंजाब, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, पंजाब में 14 फीसदी वृद्धि, केरल में 11 फीसदी और कर्नाटक में 10 फीसदी बढ़ोतरी हुई। वहीं तमिलनाडु में 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इन सभी राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश ने 19 फीसदी की सबसे बड़ी वृद्धि दर्ज कर अपनी मजबूत आर्थिक स्थिति का परिचय दिया है।

मई में 8728 करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन

इससे पहले चालू वित्तीय वर्ष के मई महीने में भी उत्तर प्रदेश ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए 8728 करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन किया था, जो मई 2025 के 7732 करोड़ रुपये की तुलना में 13 फीसदी अधिक रहा। खन्ना ने कहा कि लगातार दो महीनों तक दोहरे अंकों में वृद्धि ने यह संकेत दिया है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था निरंतर गति पकड़ रही है। इससे पहले मई 2025 में 7732 करोड़ रुपए, जून 2025 में 7675 करोड़ रुपये का जीएसटी राजस्व प्राप्त हुआ था, जबकि जून 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 9165 करोड़ रुपये पहुंच गया। राज्य कर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सितंबर 2025 से लागू किए गए जीएसटी सुधारों ने नए करदाताओं को औपचारिक कर व्यवस्था के दायरे में लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अप्रैल 2026 से 5 करोड़ रुपए या उससे अधिक के सालाना कारोबार करने वाले व्यवसायियों के लिए ई-इनवाइसिंग अनिवार्य करने से कर चोरी रुकी है और नए लोगों ने पंजीकरण भी कराया है।

उन्नाव में बीजेपी नेता की हत्या बेटे ने कुल्हाड़ी से काट डाला, क्या थी वजह?

हिंदमाता नेटवर्क @ उन्नाव

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। औरास थाना क्षेत्र के चमारन खेड़ा गांव में एक बेटे ने कथित तौर पर अपने पिता की मंदिर में दीपक जलाते समय कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 58 वर्षीय प्रमोद के रूप में हुई है, जो भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के औरास मंडल अध्यक्ष बताए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, प्रमोद अपने परिवार के साथ चमारन खेड़ा के डकैली मजरे में रहते थे। उनके चार बेटे हैं, जिनमें बड़ा बेटा सोनेलाल करीब दस दिन पहले चंडीगढ़ से घर लौटा था। बताया जा रहा है कि सोनेलाल की शादी कृष्णावती से हुई थी और उनके दो बच्चे भी हैं। हालांकि करीब आठ वर्ष पहले पारिवारिक विवाद के बाद उसकी पत्नी बच्चों को ससुराल में छोड़कर मायके चली गई थी। बाद में उसने दूसरी शादी कर ली थी।

सोनेलाल ने क्यों की पिता की हत्या?

परिजनों के मुताबिक, पत्नी के चले जाने के बाद से सोनेलाल मानसिक तनाव में रहता था और इसके लिए वह अपने माता-पिता को जिम्मेदार मानता था। घर लौटने के बाद वह ज्यादातर समय पिता द्वारा बनवाए गए मंदिर में ही रहता था। प्रमोद रोज की तरह शनिवार शाम मंदिर में दीपक जलाने पहुंचे थे। इसी दौरान पीछे से आए सोनेलाल ने कथित तौर पर कुल्हाड़ी से उन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से प्रमोद की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन वह नहीं रुका। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी बेटे सोनेलाल को गिरफ्तार कर लिया है। औरास थाना प्रभारी संजीव कुशवाहा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आरोपी के मानसिक तनाव में होने की बात सामने आई है। पूछताछ के दौरान उसने पत्नी के वर्षों पहले छोड़कर चले जाने और पारिवारिक विवाद का जिक्र किया है। हालांकि हत्या के पीछे की वास्तविक वजह की जांच अभी जारी है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

पहले ब्लूटूथ से बंद करते हैं ई-रिक्शा, फिर चालू करने के नाम पर वसूली

हिंदमाता नेटवर्क @ मुरादाबाद

यूपी के मुरादाबाद जिले में ई-रिक्शा चालकों के लिए एक मोबाइल ऐप नई मुसीबत बनकर सामने आया है। आरोप है कि कुछ शरारती तत्व ब्लूटूथ आधारित मोबाइल ऐप के जरिए चलते हुए ई-रिक्शा को बीच सड़क पर ही बंद कर रहे हैं। इससे न केवल चालकों को आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। सरकार ने पहले ऐसे एक ऐप पर प्रतिबंध लगाया था, लेकिन अब उसके नए वर्जन और अन्य समान ऐप्स के जरिए यह खेल फिर शुरू हो गया है। ई-रिक्शा चालकों को दिनभर में कई बार इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। चलते-चलते रिक्शा अचानक बंद हो जाता है, जिससे सवारियां बीच रास्ते में उतरकर चली जाती हैं। इससे चालकों की रोज की कमाई प्रभावित हो रही है और किराए पर रिक्शा चलाने वालों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

नोएडा के सेक्टर- 18 की पार्किंग में मिली लाश

जांच में जुटी पुलिस

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

दिल्ली-एनसीआर के सबसे प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों में से एक, नोएडा सेक्टर- 18 की मल्टीलेवल पार्किंग में रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ। सुबह के वक्त पार्किंग में शव देखे जाने की सूचना तुरंत स्थानीय लोगों और सुरक्षाकर्मियों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना सेक्टर 20 की पुलिस टीम फौरन दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान न हो पाने के कारण यह पूरा मामला बेहद रहस्यमयी बन गया है। पुलिस के मुताबिक, शुरूआती जांच और मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ के बाद भी मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी है। महिला के पास से ऐसा कोई दस्तावेज या सामान नहीं मिला है, जिससे उसकी पहचान तुरंत की जा सके। मृतका की शिनाख्त को पुलिस इस केस की सबसे पहली और अहम कड़ी मान रही है। इसके लिए नोएडा और ग्रेटर नोएडा के साथ-साथ दिल्ली-एनसीआर के सभी थानों से संपर्क साधा गया है।

गुमशुदगी रिपोर्ट का मिलान

हाल के दिनों में आसपास के इलाकों में दर्ज हुई महिलाओं की गुमशुदगी के रिकॉर्ड और तस्वीरों का मिलान मृतका के शव से किया जा रहा है, ताकि जल्द से जल्द यह पता चल सके कि महिला कहां की रहने वाली थी। सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस मल्टीलेवल पार्किंग जैसी सुरक्षित और व्यस्त जगह पर शव का मिलना कई तरह के गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। मामले की तह तक जाने के लिए पुलिस तकनीकी साक्ष्यों का सहारा ले रही है। पुलिस पार्किंग के अंदर, एंट्री-एग्जिट गेट और सेक्टर- 18 मार्केट के आसपास लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को बारीकी से खंगाल रही है। पुलिस यह कड़ियां जोड़ने का प्रयास कर रही है कि महिला पार्किंग के भीतर कब, किसके साथ और किस रास्ते से दाखिल हुई थी।

हत्या या आत्महत्या? दोनों एंगल पर जांच

पुलिस इस मामले को केवल एक हादसे के रूप में नहीं देख रही है। महिला की मौत पार्किंग की ऊपरी मंजिल से गिरने के कारण हुई, किसी ने उसे वहां लाकर फेंका या फिर यह आत्महत्या का मामला है इन सभी संवेदनशील पहलुओं पर पुलिस बेहद गंभीरता से जांच कर रही है।

हनीमून वाली रील हुई वायरल.. दुल्हन को हरिद्वार से पकड़ ले गई पुलिस

हिंदमाता नेटवर्क @ मेरठ

फिल्मों में अक्सर अपराधी पुलिस को खुली चुनौती देते नजर आते हैं। लेकिन मेरठ की एक महिला ने यही स्टाइल असल जिंदगी में दिखाने की कोशिश की। इंस्टाग्राम पर रील बनाई, डायलॉग मारा- 'शाका मारा जा सकता है, लेकिन पकड़ा नहीं जा सकता।' उसे लगा कि पुलिस नहीं पकड़ पाएगी। जिस इंस्टाग्राम पर वह फरारी में मजे ले रही थी, वहीं से पुलिस ने उसकी लोकेशन पकड़ ली। पुलिस का कहना है कि लूट के मामले में फरार चल रही ज्योति चौधरी शादी के बाद पति के साथ हनीमून पर हरिद्वार गई थी। वहां से वह लगातार इंस्टाग्राम पर रील और पोस्ट शेयर कर रही थी। पुलिस ने सोशल मीडिया पर नजर रखी, तकनीकी सर्विलांस की मदद ली और शनिवार को हरिद्वार से उसे गिरफ्तार कर लिया। सरधना पुलिस का कहना है कि ज्योति चौधरी पेटीएम कंपनी के टीम लीडर से हुई लूट के मामले में वांछित थी। वारदात के बाद वह पुलिस की पकड़ से बाहर थी। इसी दौरान उसने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह कहती नजर आई कि शाका मारा जा सकता है, लेकिन पकड़ा नहीं जा सकता। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस ने इसे सुराग की तरह लिया। इसके बाद उसकी सोशल मीडिया गतिविधियों पर नजर रखी जाने लगी। पुलिस की जांच में सामने आया कि किठौर थाना क्षेत्र के छुछाई गांव की रहने वाली ज्योति चौधरी की 23 जून को मोहित नाम के युवक से शादी हुई थी। शादी के कुछ ही दिन बाद दोनों हरिद्वार घूमने निकल गए। फरारी के दौरान भी ज्योति सोशल मीडिया से दूर नहीं रही। वह लगातार फोटो, वीडियो और रील अपलोड करती रही। पुलिस ने इन्हीं गतिविधियों और तकनीकी सर्विलांस के जरिए उसकी लोकेशन ट्रेस की और हरिद्वार में दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया।

पहले डांसर थी.. अब लूट के आरोप

पुलिस के मुताबिक, ज्योति की पहले सुनील से शादी हो चुकी थी। वह पहले रागनी कार्यक्रमों में डांसर के रूप में काम करती थी। पुलिस का दावा है कि महंगे शौक और ऐशो-आराम की जिंदगी के लिए वह अपने वर्तमान पति के साथ लूट और चोरी जैसी वारदातों में शामिल हो गई। दरअसल, 12 जून की रात मुजफ्फरनगर के रतनपुरी थाना क्षेत्र के रहने वाले आकाश शर्मा बाइक से घर लौट रहे थे। आकाश पेटीएम कंपनी में टीम लीडर के पद पर हैं। आरोप है कि सरधना-पाली कांवड़ पटरी मार्ग पर दो बाइकों पर आए चार लोगों ने उन्हें रोक लिया। आकाश के साथ मारपीट की गई और बाइक व मोबाइल फोन लूट लिया गया। पीड़ित ने पुलिस को बताया था कि वारदात में एक महिला भी शामिल थी। इसी सुराग पर जांच आगे बढ़ी और पुलिस ज्योति तक पहुंची। इस मामले में पुलिस पहले ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी थी। उनके पास से लूटी गई बाइक, मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक भी बरामद की जा चुकी है। केवल ज्योति पुलिस की पकड़ से बाहर थी। अब उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस पूरे गिरोह की भूमिका, लूट की अन्य वारदातों और नेटवर्क की भी जांच कर रही है। जिस इंस्टाग्राम पर ज्योति कथित तौर पर पुलिस को चुनौती दे रही थी, उसी इंस्टाग्राम ने पुलिस को उसके दरवाजे तक पहुंचा दिया। रील बनाकर 'पकड़ा नहीं जा सकता' कहने वाली महिला आखिरकार पुलिस की गिरफ्त में पहुंच गई। पुलिस का कहना है कि उसकी गिरफ्तारी के बाद अब पूरे गिरोह की गतिविधियों और अन्य संभावित वारदातों के बारे में भी पूछताछ की जाएगी।

1.46 मिनट में किया ऐसा काम, गिनीज बुक में दर्ज हुआ अव्युक्त का नाम

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

कहते हैं कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती और इस बात को नोएडा के सेक्टर 17 में रहने वाले महज 5 साल 6 महीने के अव्युक्त सिंह ने सच साबित कर दिखाया है। अपनी असाधारण याददाश्त और विलक्षण ज्ञान के दम पर अव्युक्त ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता से न सिर्फ नोएडा, बल्कि पूरे देश का नाम वैश्विक पटल पर रोशन हुआ है। अव्युक्त सिंह ने यह नया विश्व रिकॉर्ड अपनी अद्भुत मेमोरी और तीव्र बुद्धि के बल पर बनाया है। 8 फरवरी 2026 को आयोजित आधिकारिक प्रयास के दौरान अव्युक्त ने महज 1 मिनट और 46 सेकेंड के भीतर स्क्रीन पर आने वाले अलग-अलग डायनासोरों की न केवल सटीक पहचान की, बल्कि उनके कठिन वैज्ञानिक नाम भी बिना रुके बोल दिए। अव्युक्त ने अपनी इस तेज रफ्तार प्रस्तुति के साथ पहले से दर्ज 41 डायनासोरों की पहचान करने के विश्व रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया और एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। 23 जून 2026 को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम ने आधिकारिक रूप से इस ऐतिहासिक उपलब्धि की पुष्टि करते हुए अव्युक्त के नाम का प्रमाण पत्र जारी किया।

मासूम की उम्र 5 साल, लेकिन नाम दर्ज हैं 6 विश्व रिकॉर्ड

हैरानी की बात यह है कि अव्युक्त सिंह के लिए गिनीज बुक में नाम दर्ज कराना कोई पहला अनुभव नहीं है।इस नन्हे से उस्ताद के नाम इतनी कम उम्र में यह छठा विश्व रिकॉर्ड है।इससे पहले भी वह अपनी याददाश्त के दम पर कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। अव्युक्त की माता निधि शर्मा बताती हैं कि उसमें बचपन से ही नई चीजों को सीखने, समझने और उन्हें लंबे समय तक याद रखने की गजब की क्षमता रही है।स्कूल के दिनों से ही वह अपनी अनोखी प्रतिभा के कारण शिक्षकों का चहेता रहा है।

हिंदमाता एंकरः पहले खीर में 15-16 नींद की गोलियां मिलाकर सुरेंद्र शर्मा को खिलाई, इसके बाद उनकी हत्या कर दी

'मैंने कहा- लेबर लगा लो.. उसने कहा- मैं कर लूंगी', फर्श बनाने वाले मिस्त्री ने बताई डरावने कांड की कहानी

हिंदमाता संवाददाता @ आगरा

उत्तर प्रदेश के आगरा में हत्या की जो कहानी सामने आई, उसमें चौंकाने वाली बातें सामने आ रही हैं। 45 दिनों तक जिस घर में एक व्यक्ति के लापता होने की कहानी सुनाई जाती रही, उसी घर के बाथरूम के फर्श के नीचे उसका शव दफन मिला। अब इस सनसनीखेज हत्याकांड में उस राजमिस्त्री का बयान सामने आया है, जिसने हत्या के बाद बाथरूम का फर्श बनाया था। मिस्त्री का दावा है कि जब वह काम करने पहुंचा तो आरोपी पत्नी रूबी खुद बाथरूम में मलबा डाल रही थी। उसने लेबर लगाने की सलाह भी दी, लेकिन रूबी ने साफ कह दिया- मैं कर लूंगी। मामला आगरा के सिकंदरा थाना क्षेत्र की रेणुका धाम कॉलोनी का है। यहां रहने वाले 44 साल के सुरेंद्र कुमार शर्मा 18 मई से लापता बताए जा रहे थे। परिवार, रिश्तेदार और पुलिस उन्हें तलाशते रहे। 26 मई को गुमशुदगी भी दर्ज करा दी गई। इस दौरान उनकी पत्नी रूबी लगातार यही कहती रही कि सुरेंद्र घर छोड़कर चले गए हैं और जल्द वापस लौट आएंगे। लेकिन करीब डेढ़ महीने बाद कहानी पूरी तरह बदल गई। पुलिस ने जब घर के बाथरूम का फर्श तुड़वाया तो उसके नीचे सुरेंद्र शर्मा का शव बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने रूबी को हिरासत में लिया। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में उसने हत्या कर शव को बाथरूम में दफनाने की बात स्वीकार की है। इस केस में अब एक नया किरदार सामने आया है- वह राजमिस्त्री, जिसने आगरा के उस घर में बाथरूम का फर्श तैयार किया था। राजमिस्त्री रवि कुमार का कहना है कि उसका रूबी से पहले से कोई परिचय नहीं था। वह पास के ही एक मकान का निर्माण कार्य कर चुका था। इसी वजह से रूबी ने उससे संपर्क किया। रवि के मुताबिक, दोपहर करीब डेढ़ बजे उसके पास फोन आया। रूबी ने बाथरूम का काम कराने के लिए बुलाया। उस समय रवि ने कहा कि वह उसी दिन नहीं आ पाएगा और अगले दिन काम करेगा। रवि कुमार के मुताबिक, अगले दिन जब वह घर पहुंचा तो वहां देखा कि वो लेडीज खुद मलबा बाथरूम में डाल रही थी। यह देखकर उसने कहा कि तुम क्यों डाल रही हो, किसी लेबर को लगा लो, उसका भी भला हो जाएगा। इस पर उसने कहा कि नहीं, मैं खुद कर लूंगी। रवि का कहना है कि इसके बाद रूबी ने उसे 500 रुपये दिए और निर्माण सामग्री मंगवाई।

चार बाई छह का बाथरूम और नया फर्श

राजमिस्त्री रवि का कहना है कि बाथरूम का आकार करीब चार बाई छह फीट था। वहां पहले से टॉयलेट सीट करीब डेढ़ फीट ऊंची थी। नई फर्श बनाई तो उसी को बराबर कर दिया। रवि ने बताया कि उसके साथ एक मजदूर भी था, जिसने सीमेंट और मसाला तैयार किया। इसके बाद उसने पूरे बाथरूम में नया फर्श बना दिया। रवि का कहना है कि उस समय उसे यह बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि जिस जगह वह फर्श बना रहा है, उसके नीचे किसी का शव दफन हो सकता है।

रूबी ने खीर में मिलाकर पति को दी थीं नींद की गोलियां

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में रूबी ने बताया कि उसने कथित तौर पर पहले खीर में 15-16 नींद की गोलियां मिलाकर सुरेंद्र शर्मा को खिलाई। इसके बाद उनकी हत्या कर दी। अगले दिन उसने अपनी दोनों बेटियों और सास को अपने जेठ के घर भेज दिया। इसके बाद शव को घसीटकर बाथरूम तक ले गई, गड्ढे में दफनाया और ऊपर मिट्टी डालकर उसे समतल कर दिया। बाद में राजमिस्त्री बुलाकर पूरे बाथरूम में सीमेंट का नया फर्श बनवा दिया। इस मामले में काफी दिन बीतने के बाद जब सुरेंद्र का कोई सुराग नहीं लगा तो मृतक के बड़े भाई अनिल शर्मा को रूबी की बातों पर शक होने लगा। परिवार के मुताबिक, सुरेंद्र के लापता होने के बाद रूबी हर बार अलग-अलग कहानी सुनाती थी। अनिल शर्मा ने खुद जानकारी जुटानी शुरू की। उन्होंने बैंक से जुड़े दस्तावेज और अन्य जानकारियां भी खंगालीं।

शॉर्ट स्टोरी

सीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट में हादसा, गंगा महासेतु का स्लैब टूटा, 5 घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ समस्तीपुर

बिहार के समस्तीपुर जिले में निमार्णाधीन बख्तियारपुर-ताजपुर गंगा महासेतु पर शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। निर्माण कार्य के दौरान पुल के स्लैब का एक हिस्सा अचानक टूटकर नीचे गिर गया। हादसे के समय वहां काम कर रहे पांच मजदूर इसकी चपेट में आ गए। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें तीन मजदूरों की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। दरअसल, यह परियोजना बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट मानी जाती है। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। राहत और बचाव कार्य में जुटे अन्य मजदूरों और कर्मचारियों ने घायलों को मलबे से निकालकर इलाज के लिए भेजा। घटना की सूचना मिलते ही पुल निर्माण निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी। हालांकि, निर्माण कंपनी के अधिकारियों ने फिलहाल इस मामले पर खुलकर कुछ भी कहने से इनकार किया है। जानकारी के मुताबिक, बख्तियारपुर-ताजपुर फोर लेन परियोजना के तहत गंगा नदी पर पुल का निर्माण कार्य चल रहा था। गंगा नदी में बने 38वें पिलर पर पांच मजदूर स्लैब निर्माण का काम कर रहे थे। इसी दौरान निर्माण में इस्तेमाल हो रही सीएफटी मशीन में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद स्लैब का एक हिस्सा भरभराकर नीचे गिर गया। स्लैब गिरने के साथ ही वहां काम कर रहे मजदूर भी नीचे जा गिरे। हादसे में तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए, जबकि दो मजदूरों को मामूली चोटें आई हैं। पहले सभी घायलों को पटोरी अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से तीन मजदूरों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया।

आमरण अनशन करेंगी भरत तिवारी की मां

हिंदमाता नेटवर्क @ भोजपुर

बिहार में भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी कथित एनकाउंटर मामले में अब परिवार ने न्याय की लड़ाई को और तेज करने का ऐलान किया है। भरत तिवारी की मां आशा देवी ने साफ कहा है कि यदि 9 जुलाई तक मामले में नामजद पुलिस अधिकारियों की गिरफ्तारी नहीं की गई, तो वह उसी दिन से आमरण अनशन शुरू करेंगी। उनका कहना है कि परिवार को अब तक न्याय नहीं मिला है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई में लगातार देरी की जा रही है। मृतक भरत तिवारी की बहन रूबी देवी ने भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि घटना के बाद से उनका पूरा परिवार भय के साये में जी रहा है। उन्होंने दावा किया कि हर रात करीब 11 बजे के बाद बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ियां उनके घर के आसपास चक्कर लगाती हैं। इससे परिवार के सदस्य खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने और इस मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। परिवार का कहना है कि कथित मुठभेड़ में शामिल पुलिस अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। उनका आरोप है कि अब तक जिम्मेदार अधिकारियों की गिरफ्तारी नहीं होने से निष्पक्ष जांच पर सवाल खड़े हो रहे हैं। परिवार ने सरकार से मांग की है कि मामले की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषी पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया जाए और जांच की प्रत्येक महत्वपूर्ण जानकारी परिवार के साथ साझा की जाए। इसके अलावा परिवार ने ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने की भी मांग की है। उनका कहना है कि इस मामले में कई निर्दोष लोगों को भी परेशान किया जा रहा है। परिवार का कहना है कि न्याय मिलने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा और यदि 9 जुलाई तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आशा देवी आमरण अनशन पर बैठेंगी। परिवार ने सरकार और प्रशासन से जल्द न्याय दिलाने व सुरक्षा उपलब्ध कराने की अपील की है।

पूंजी से अब वोटर नहीं, नेता खरीदे जा रहे-लालू यादव

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) आज (रविवार, 5 जुलाई) अपना 30वां स्थापना दिवस मना रहा है। 1997 को बनी इस पार्टी ने तीन दशक पूरे कर लिए हैं। आज पार्टी के संस्थापक लालू यादव के लिए बेहद खास दिन है। पार्टी के 30वें स्थापना दिवस के मौके पर उन्होंने बिहार की जनता और पार्टी कार्यकताओं के नाम संदेश जारी किया। इस दौरान उन्होंने आरजेडी की राजनीतिक यात्रा को याद किया इसके साथ ही एक आगे की रणनीति का भी संकेत दिया। लालू यादव ने तीन दशक के संगठनात्मक सफर को संघर्ष, त्याग और सामाजिक न्याय की राजनीति का प्रतीक बताया। इसके साथ ही उन्होंने स्थापना दिवस पर पार्टी के सभी नेताओं, कार्यकर्ताओ और समर्थकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर उन्होंने एक लंबा पोस्ट शेयर किया है। आरजेडी प्रमुख ने अपने संदेश में कहा कि बिहार के करोड़ों लोगों के लिए 5 जुलाई का दिन खास महत्व रखता है क्योंकि 1997 को आज ही के दिन अनेक वरिष्ठ साथियों के साथ मिलकर हमने गरीबों, शोषितों, दबे कुचले वर्गों एवं अकलियतों के हकों और अधिकारों की प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय जनता दल की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि यह कोई साधारण दिन नहीं है। इस दिन बिहार और देश की राजनीति की दशा एवं दिशा का कायापलट हुआ था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल द्वारा गरीबों,शोषितों एवं आम जनमानस की भलाई के लिए किए गए संघर्ष, त्याग एवं बलिदानों के बारे में बताने के लिए शब्द भी कम पड़ जाएंगे। उन्होंने कहा बिहार में व्याप्त सामाजिक एवं आर्थिक असमानता और फिरकापरस्ती को नेस्तनाबूद करने के साथ-साथ एक विकसित,मजबूत, समृद्ध, खुशहाल और समतामूलक बिहार के निर्माण के लिए आरजेडी के असंख्यक निस्वार्थ कार्यकर्ताओ एवं वोटरों ने सेवा, त्याग, बलिदान और परिश्रम की देश भर में एक अनूठी मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकताओं के खून-पसीने से ही पार्टी का विस्तार संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि यह हमारे कार्यकर्ताओ की ऊर्जा, दृढ़ संकल्प और समर्पण का ही परिणाम है कि प्रतिदिन आरजेडी और मजबूती से आगे बढ़ रही है।

खामेनेई के जनाजे में 3,000 मौतों की आशंका

ईरान ने क्यों की इतनी बड़ी तैयारी?

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की अंतिम यात्रा को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। जर्मनी के अखबार डाई वेल्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी अधिकारियों ने आशंका जताई है कि अंतिम विदाई के दौरान भारी भीड़, गर्मी और भगदड़ जैसी घटनाओं के कारण 1,500 से 3,000 लोगों की मौत हो सकती है। इसी संभावना को देखते हुए सरकार ने पहले से ही आपातकालीन इंतजाम शुरू कर दिए हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान के रेड क्रिसेंट और नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट ऑर्गनाईजेशन ने एक गोपनीय पत्र में उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ को संभावित खतरे की जानकारी दी है। ईरानी सरकार का दावा है कि सिर्फ तेहरान में ही अंतिम यात्रा में करीब 2 करोड़ लोग शामिल हो सकते हैं। इसे देखते हुए तेहरान प्रशासन ने मृतकों और लापता लोगों के लिए अलग विशेष यूनिट बनाई है। राजधानी के बेहेश्त-ए-जहरा कब्रिस्तान में हजारों नई कब्रें भी पहले से तैयार कर दी गई हैं।

9 जुलाई को मशहद में सुपुर्द ए खाक किए जाएंगे

अली खामेनेई की 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के हवाई हमले में मौत हुई थी। उन्हें 9 जुलाई को मशहद में सुपुर्द ए खाक किया जाएगा। इससे पहले एक हफ्ते तक उनका पार्थिव शरीर तेहरान, कोम और इराक के नजफ और करबला जैसे शिया धर्म के प्रमुख धार्मिक स्थलों से होकर ले जाया जाएगा। 6 जुलाई तक उनका पार्थिव शरीर तेहरान के ग्रैंड प्रेयर हॉल में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए तेहरान में 24 घंटे मुफ्त मेट्रो और बस सर्विस चलाई जाएगी। हजारों बसें तैनात की गई हैं। स्कूलों और मस्जिदों को बाहर से आने वाले लोगों के ठहरने की व्यवस्था के लिए तैयार किया गया है। शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और कुछ इलाकों में आवाजाही तथा हवाई सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है। बताया गया है कि केवल तेहरान में तीन दिन के कार्यक्रम पर लगभग 1.7 करोड़ डॉलर खर्च होने का अनुमान है।

पहले भी जनाजे के दौरान हादसे हो चुके

ईरान इस बार अतिरिक्त सतर्क इसलिए भी है क्योंकि पहले भी बड़े जनाजों में हादसे हो चुके हैं। 2020 में आईआरजीसी कमांडर कासिम सुलेमानी के जनाजे में भगदड़ से 56 लोगों की मौत और 200 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। वहीं 1989 में इस्लामिक गणराज्य के संस्थापक आयतुल्ला रुहोल्लाह खोमैनी के जनाजे में कम से कम 8 लोगों की मौत और 11 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सरकार को सिर्फ भीड़ से नहीं, बल्कि आंतरिक राजनीतिक तनाव से भी चिंता है। कुछ कट्टरपंथी गुट अमेरिका के साथ हुए हालिया शांति समझौते का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में अंतिम विदाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सरकार कोई जोखिम नहीं लेना चाहती।

अफ्रीका में गहराया स्वास्थ्य संकट

डीआरसी में इबोला का तांडव: 1500 से अधिक संक्रमित, सैकड़ों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) इस समय अपनी सदी के सबसे भीषण स्वास्थ्य संकटों में से एक का सामना कर रहा है। देश में इबोला वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है, जिसने अब तक सैकड़ों परिवारों को तबाह कर दिया है। आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, देश में इबोला के 1,528 पुष्ट मामले सामने आए हैं, जिनमें से 492 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा न केवल डराने वाला है, बल्कि यह दर्शाता है कि संक्रमण को रोकने के प्रयास जमीन पर बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

तेजी से बढ़ता कम्युनिटी ट्रांसमिशन

पब्लिक हेल्थ अधिकारियों द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में 628 पुष्ट मरीज आइसोलेशन या अस्पतालों में भर्ती हैं, जबकि 239 मरीज इस बीमारी से ठीक होकर घर लौट चुके हैं। हालांकि, स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय कम्युनिटी ट्रांसमिशन है। रिपोर्टों से पता चलता है कि महामारी के 25वें और 26वें सप्ताह में सबसे अधिक उछाल देखा गया, जहां हर हफ्ते 300 से अधिक नए मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा, करीब 185 संदिग्ध मामलों की पहचान की गई है, जिनकी जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

सीमा पार भी फैला संक्रमण

इबोला का खतरा अब केवल कांगो तक सीमित नहीं रहा है। पड़ोसी देश युगांडा में भी अब तक 20 पुष्ट मामले सामने आए हैं। राहत की बात यह है कि युगांडा में स्थानीय स्तर पर संक्रमण फैलने का कोई मामला अभी तक नहीं दिखा है बल्कि वहां अधिकांश मामले बाहर से आए लोगों में हैं जिन्हें क्वारंटाइन के दौरान चिह्नित किया गया है। इस खतरे से निपटने के लिए डीआरसी और युगांडा ने एक संयुक्त प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित किया है। दोनों देशों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसके तहत वे निगरानी संबंधी जानकारी साझा करेंगे और सीमावर्ती क्षेत्रों में स्क्रीनिंग एवं उपचार क्षमता को मजबूत करेंगे।

पाकिस्तान से गुस्साए नेताओं ने भारत से मांगा समर्थन, पीओके प्रोटेस्ट में उमड़ी भारी भीड़

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में बुनियादी अधिकारों को लेकर हो रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर सेना बहुत ही क्रूर दमन कर रही है। इसके खिलाफ वहां के संगठन जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के नेता सरदार अमन खान ने एक बड़ा वीडियो संदेश जारी किया है। उन्होंने इस दमनकारी नीति के खिलाफ 5 जुलाई को होने वाले बड़े विरोध प्रदर्शन में ज्यादा से ज्यादा लोगों से शामिल होने की अपील की है। साथ ही भारत के नागरिकों खासकर श्रीनगर के लोगों से भी इस आंदोलन का समर्थन करने के लिए कहा है। सरदार अमन खान ने बताया कि कश्मीर को इस भारी दबाव और भयंकर दमन का सामना करते हुए लगभग एक पूरा महीना हो चुका है। अपने बुनियादी अधिकारों की मांग करने पर यहां के आम लोगों के साथ सेना का जुल्म और सैन्य आक्रामकता अपनी चरम सीमा पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि इस बेहद मुश्किल दौर में लोगों के खाने-पीने की चीजों की सप्लाई और जरूरी दवाइयों के सभी रास्ते पूरी तरह से बंद कर दिए गए हैं। यहां के शासक और सुरक्षा बल लोगों के सांस लेने तक पर अपनी गहरी नाराजगी जता रहे हैं जिससे लोग बहुत ही ज्यादा परेशान हैं।

यूएन ऑफिस के बाहर बड़ा प्रदर्शन

पीओके में लगातार बढ़ते इस मानवीय संकट और मानवाधिकारों के हनन के खिलाफ 2 जुलाई को एक बहुत ही बड़ा और उग्र प्रदर्शन हुआ था। नेशनल एंटी-टेररिज्म फ्रंट इंडिया ने संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय के बाहर यह कड़ा प्रदर्शन किया और वैश्विक हस्तक्षेप की मांग की। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी आगामी क्षेत्रीय चुनावों से पहले पाकिस्तान की ऐसी दमनकारी रणनीतियों और हथियारों के इस्तेमाल की निंदा की है।

विपक्ष के नेताओं की एंट्री बैन

इससे पहले 30 जून को भी जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी ने पाकिस्तानी अधिकारियों की दमनकारी कार्रवाई की कड़ी निंदा की थी। अधिकारियों ने विपक्षी नेताओं के एक राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल को जबरन पीओके में प्रवेश करने से पूरी तरह से रोक दिया था। कमेटी ने इस कदम को वहां के लोकतांत्रिक अधिकारों और राजनीतिक असहमति को बुरी तरह कुचलने का एक और बड़ा सबूत बताया था। प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में खाद्य सामग्री की आपूर्ति को पूरी तरह से बाधित कर आम जनता तक उसकी पहुंच को सीमित कर दिया है।

600 से ज्यादा लोग गिरफ्तार

पीओके के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने भी क्षेत्र में लगातार बढ़ते भारी तनाव पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर की गिरफ्तारी के बाद से वहां के हालात हर घंटे बहुत ही बदतर होते जा रहे हैं। अब तक वहां 600 से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ताओं और समिति के कर्मचारियों को पकड़कर सीधे जेल में डाला जा चुका है।

खामेनेई के जनाजे में दूसरे दिन भी जनसैलाब

तेहरान में गूंजा 'डेथ टू अमेरिका' का नारा

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे के दूसरे दिन भी तेहरान की सड़कों पर लोगों का सैलाब उमड़ा रहा। राजधानी तेहरान में लाखों लोग काले कपड़े पहनकर अपने नेता को अंतिम विदाई देने पहुंचे। शहर की सड़कों से लेकर इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसल्ला तक हर जगह भारी भीड़ दिखाई दी। लोगों की आंखों में आंसू थे, लेकिन अमेरिका और इजरायल के खिलाफ गुस्सा भी साफ नजर आ रहा था। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, अब तक करीब 80 लाख लोग जनाजे में शामिल हो चुके हैं। ईरान के अलग-अलग शहरों के अलावा विदेशों में रहने वाले ईरानी भी तेहरान पहुंचे हैं। हर कोई अपने नेता को आखिरी सलाम करना चाहता है और देश के प्रति एकजुटता दिखा रहा है। जनाजे के दौरान लगातार 'डेथ टू अमेरिका' और 'डेथ टू इजरायल' के नारे गूंजते रहे। लोगों का कहना है कि वे खामेनेई को सिर्फ एक धार्मिक नेता नहीं, बल्कि देश की संप्रभुता और प्रतिरोध की पहचान मानते हैं।

जनाजे में शामिल हुए अली खामेनेई के तीन बेटे

खामेनेई के तीन बेटे मसूद, मेयसम और मुस्तफा रविवार को जनाजे में शामिल हुए। उनके साथ इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के वरिष्ठ कमांडर अहमद वाहिदी भी मौजूद रहे। हालांकि नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई सुरक्षा कारणों से सार्वजनिक रूप से इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। जनाजे के लिए सिर्फ ईरान ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन समेत कई देशों से लोग तेहरान पहुंचे हैं। ब्रिटेन से आई एक महिला ने कहा कि खामेनेई उनके लिए सिर्फ ईरान के नेता नहीं थे, बल्कि पूरी मुस्लिम दुनिया की आवाज थे। उन्होंने कहा कि वह उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए खास तौर पर तेहरान आई हैं। उधर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान पर तीखे बयान दे रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कहा था कि अमेरिका ने ईरान को एक हफ्ते की छुट्टी दी, क्योंकि वह बहुत अच्छे हैं।

यमन के पास लाल सागर में कार्गो शिप पर हमला

ब्रिटिश आर्मी ने जारी किया अलर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ लंदन

यमन के पास लाल सागर में एक बार फिर समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ब्रिटेन की सेना ने बताया कि रविवार को एक कार्गो जहाज पर अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने हमला कर दिया। घटना यमन के पश्चिमी तट पर स्थित होदेदा शहर से करीब 30 समुद्री मील (करीब 55 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में हुई। ब्रिटेन की यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने बताया कि जहाज से सूचना मिली कि उस पर हथियारबंद लोगों ने हमला किया है। एजेंसी के मुताबिक, मामले की जांच की जा रही है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। फिलहाल जहाज को हुए नुकसान या चालक दल की स्थिति के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। अब तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, संदेह की नजर ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों पर भी है, क्योंकि उन्होंने पहले लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाने की धमकी दी थी। हालांकि, हाल के महीनों में हूतियों ने ऐसे हमले नहीं किए थे।

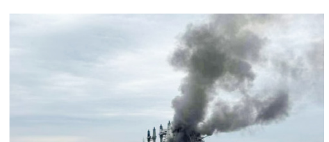

गाजा युद्ध शुरू होने के बाद हूती विद्रोहियों ने लाल सागर और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट से गुजरने वाले कई जहाजों पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए थे। इन हमलों के कारण दुनिया की कई बड़ी शिपिंग कंपनियों ने अपने जहाजों का रास्ता बदल दिया था और स्वेज नहर की बजाय अफ्रीका के दक्षिणी छोर से लंबा समुद्री मार्ग अपनाना शुरू कर दिया था। इधर, अदन की खाड़ी में सोमाली समुद्री डाकू भी फिर सक्रिय हो गए हैं। 1 जुलाई को भी यमन के दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह बलहाफ से करीब 76 समुद्री मील दूर एक जहाज पर संदिग्ध समुद्री डाकुओं ने हमला किया था। उस घटना में छोटे हथियारों से लैस चार लोगों ने जहाज के ब्रिज को मामूली नुकसान पहुंचाया था।

'एक ही वार में सबको मार सकते थे..'

खामेनेई के जनाजे पर जुटे ईरानी नेताओं को लेकर ट्रंप का बड़ा दावा

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

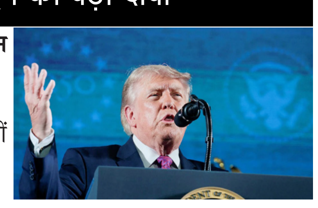

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर बड़ा दावा किया है। ट्रंप का कहना है कि 'अमेरिका चाहता तो एक ही वार में ईरान के सभी बड़े नेताओं को हमेशा के लिए खत्म कर सकता था, जो अली खामेनेई के जनाजे में शामिल होने पहुंचे थे'। हालांकि, उन्होंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि वो ईरान के साथ परमाणु बातचीत को आगे बढ़ाना चाहते हैं। यह हैरान करने वाली बात ट्रंप ने अपने एक इंटरव्यू कही। दरअसल, ट्रंप ने शनिवार को एक्सिओस के साथ एक संक्षिप्त फोन इंटरव्यू में यह बयान दिया। इस दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा, 'एक ही वार में हम सबको खत्म कर सकते थे, लेकिन हम ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि फिर हमारे पास बातचीत करने के लिए कोई नहीं बचेगा'। उन्होंने आगे दावा किया कि ईरान इस समय समझौता करने के लिए पूरी तरह तैयार है और किसी भी तरह बातचीत शुरू करना चाहता है।

हिंदमाता एंकर एक खुलासे में यह बात सामने आई है कि पाकिस्तानी सेना अब अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए आतंकियों का सहारा ले रही है

आतंकवाद में भी परिवारवाद! बदल गया लश्कर-ए-तैयबा का पूरा चेहरा, हाफिज सईद ने बेटे को सौंपी कमान

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ी एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जिस वंशवाद की चर्चा अक्सर राजनीतिक गलियारों में होती है, अब वह आतंकवाद की दुनिया में भी पैर पसार चुका है। खुफिया सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, लश्कर-ए-तैयबा ने अपने नेतृत्व में बड़ा बदलाव करते हुए संगठन के संस्थापक हाफिज सईद के बेटे, तल्हा सईद को नया ऑपरेशनल कमांडर नियुक्त किया है।

बेटा संभालेगा कमान

पिछले साल भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लश्कर के नेटवर्क को भारी नुकसान पहुंचा था। इस झटके से उबरने और संगठन को फिर से खड़ा करने के लिए हफ्तों तक आंतरिक विचार-विमर्श चला। रिपोर्टों के अनुसार, पुराने धड़े के दबाव के कारण हाफिज सईद को पूरी तरह हटाया नहीं गया है; वह अब संगठन के मार्गदर्शक और वैचारिक प्रमुख के रूप में काम करेगा, जबकि जमीनी अभियानों की पूरी जिम्मेदारी अब तल्हा सईद के कंधों पर होगी।

आइएसआई की देखरेख में लश्कर का नया ढांचा

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआई की सीधी निगरानी में लश्कर ने अपनी रणनीति में अमूलचूल परिवर्तन किया है। अब यह आतंकी संगठन पाकिस्तान के भीतर तीन अलग-अलग क्षेत्रीय कमांड के माध्यम से काम करेगा बलूचिस्तान विंग, खैबर पख्तूनख्वा विंग और पाक अधिकृत कश्मीर विंग। इस क्षेत्रीय विभाजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय आतंकियों की भर्ती करना और वहां के भूगोल का लाभ उठाना है।

घरेलू विद्रोहियों के खिलाफ ढाल बनेगा लश्कर

एक बेहद चौंकाने वाले खुलासे में यह बात सामने आई है कि पाकिस्तानी सेना अब अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए आतंकियों का सहारा ले रही है। सुरक्षा विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तानी सुरक्षा बल इस समय बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के हमलों से त्रस्त हैं। ऐसे में पाकिस्तानी तंत्र ने लश्कर के आतंकियों को अपनी सेना के साथ मिलकर इन विद्रोही समूहों के खिलाफ जंग में झोंक दिया है। इसके लिए लश्कर इन प्रतिबंधित समूहों के भीतर अपने स्लीपर सेल भी घुसपैठ करा रहा है।

भारत के खिलाफ खतरनाक साजिश

लश्कर का सबसे खतरनाक एजेंडा पाक अधिकृत कश्मीर के लिए तैयार किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, हाल के दिनों में पीओके में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ उठती विरोध की आवाजों को दबाने के लिए लश्कर वहां फिदायीन हमले और विस्फोट करने की योजना बना रहा है, ताकि जनता में खौफ पैदा किया जा सके। साजिश का एक और पहलू यह है कि इन हमलों का दोष भारत पर मढ़कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई दिल्ली की छवि खराब की जा सके।

बिजनेस वर्ल्ड

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की बिक्री में बंपर उछाल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने जून 2026 के महीने और वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही, दोनों में ही बिक्री में असाधारण बढ़ोतरी दर्ज की है। जून 2026 में, कंपनी की कुल पैसेंजर व्हीकल बिक्री (इलेक्ट्रिक वाहनों सहित) सालाना आधार पर 69% की भारी बढ़त के साथ 63,083 यूनिट्स पर पहुंच गई, जो जून 2025 में 37,237 यूनिट्स थी। मासिक स्तर पर इस शानदार प्रदर्शन का मुख्य कारण घरेलू बाजार में मिली 67% की ग्रोथ रही, जहाँ कुल 62,076 गाड़ियां बिकीं। इसके साथ ही कंपनी के इंटरनेशनल बिजनेस ने 554% की रिकॉर्ड छलांग लगाते हुए 1,007 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में भी जून 2026 के दौरान गजब का उत्साह देखा गया, जहाँ सालाना आधार पर 183% का भारी उछाल आया और कुल 14,800 ईवी की बिक्री हुई। अगर पहली तिमाही के कुल प्रदर्शन की बात करें, तो टाटा मोटर्स ने कुल 1,82,574 पैसेंजर वाहनों की बिक्री दर्ज की है, जो वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 1,24,809 यूनिट्स के मुकाबले 46% की मजबूत सालाना वृद्धि को दर्शाती है। इस तिमाही की कुल बिक्री में घरेलू बाजार की 1,80,166 यूनिट्स (45% वृद्धि) और अंतरराष्ट्रीय बाजारों की 2,408 यूनिट्स (148% वृद्धि) शामिल हैं। विशेष रूप से, कंपनी ने इस तिमाही के दौरान इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में अपनी पकड़ को और मजबूत किया है; घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों को मिलाकर कंपनी की कुल ईवी बिक्री 112% बढ़कर 34,467 यूनिट्स के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जो पिछले साल इसी अवधि में केवल 16,231 यूनिट्स थी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री शैलेश चंद्रा ने कहा, "वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के लिए बेहद शानदार रही है। हमने 1,82,574 कारों और एसयूवी की बिक्री के साथ सालाना आधार पर 46% की वृद्धि दर्ज की है, जो ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री की औसत विकास दर से कहीं अधिक है।

किआ इंडिया ने ओनरशिप सर्विस कैंप 2026 पेश किया, कस्टमर-फर्स्ट आफ्टरसेल्स रणनीति को दिया बढ़ावा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

अपने ग्राहकों को गाड़ी का एक शानदार और फायदेमंद मालिकाना अनुभव देने की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, किआ इंडिया ने आज किआ ओनरशिप सर्विस कैंप 2026 की घोषणा की है। यह सर्विस कैंप 3 जुलाई से 12 जुलाई 2026 तक चलेगा। ग्राहकों को उनके घर के पास बेहतरीन आफ्टर-सेल्स सपोर्ट, गाड़ी की पूरी देखभाल और खास फायदे देने के लिए इस अभियान को देश के 365 शहरों में फैले 521 किआ अधिकृत सर्विस वर्कशॉप पर चलाया जा रहा है। इस कैंप के दौरान किआ इंडिया अपने ग्राहकों को कई तरह के शानदार फायदे और छूट दे रही है, जैसे कि कार केयर सर्विसेज पर 20% की छूट, एक्सटेंडेड वारंटी पैकेज पर 10% तक की छूट, रिटेल रोडसाइड असिस्टेंस प्लान पर 10% की छूट, स्पेयर पार्ट्स और लेबर चार्ज पर 10% की छूट, किआ जेन्युइन एक्सेसरीज पर 10% की छूट शामिल है। इन ऑफर्स को इस तरह तैयार किया गया है ताकि ग्राहकों को किआ के आधिकारिक सर्विस नेटवर्क के जरिए कम खर्च में, बेहतर सुरक्षा और सुविधा के साथ उनकी गाड़ियों की सर्विस और मेंटेनेंस मिल सके। इस पहल पर बात करते हुए, किआ इंडिया के कस्टमर एक्सपीरियंस के वाइस प्रेसिडेंट, श्री भीमसेन गुलाबानी ने कहा, "किआ ओनरशिप सर्विस कैंप 2026 हमारे ग्राहकों को कार चलाने और उसे रखने का एक आसान और शानदार अनुभव देने की हमारी प्रतिबद्धता दर्शाता है। इस देशव्यापी अभियान के जरिए हमारा मकसद सिर्फ आपकी गाड़ी को बिलकुल ठीक रखना ही नहीं है, बल्कि आसान, साफ-सुथरी और फायदेमंद सर्विस देकर आपके साथ अपना रिश्ता हमेशा के लिए और मजबूत करना है। हम अपनी सर्विस को लगातार बेहतर बना रहे हैं, ताकि आपको हम पर पूरा भरोसा हो सके और किआ भारत का सबसे भरोसेमंद कार ब्रांड बना रहे। इस देशव्यापी अभियान के हिस्से के रूप में, ग्राहकों को कॉम्प्लीमेंटरी 36-पॉइंट व्हीकल हेल्थ चेकअप भी मिलेगा। इसमें गाड़ी के कई महत्वपूर्ण हिस्सों की जांच की जाएगी, जैसे: कार का एक्सटीरियर, इंटीरियर, इंजन कंपार्टमेंट, गाड़ी का निचला हिस्सा। इस विस्तृत निरीक्षण का उद्देश्य संभावित समस्याओं की शुरूआती पहचान करना, गाड़ी की उम्र बढ़ाना और सड़क पर बेहतरीन सुरक्षा, परफॉर्मेंस तथा ड्राइविंग के दौरान ग्राहकों का आत्मविश्वास सुनिश्चित करना है।

टाटा का 20000 करोड़ रुपए का प्लान, अब बाजार में इस शेयर पर दिखेगा असर!

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा स्टील का शेयर फोकस में है। दरअसल, कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 के लिए बड़ा इन्वेस्टमेंट प्लान बनाया है, जो 20,000 करोड़ रुपये का है। खास बात ये है कि इस निवेश का एक बड़ा हिस्सा भारत में कंपनी के कारोबार और क्षमता को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। टाटा स्टील निवेश योजना का असर इसके शेयर पर सप्ताह के पहले दिन देखने को मिल सकता है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा स्टील द्वारा वित्त वर्ष 2027 के लिए तैयार किया गया निवेश प्लान 2026 की तुलना में करीब 38 फीसदी के आसपास अधिक है। कंपनी के सीईओ सीईओ टीवी नरेंद्रन का कहना है कि 2026 में कंपनी का पूंजीगत व्यय खर्च 14,559 करोड़ रुपये था और 2027 के लिए इसे बढ़ाकर करीब 20,000 करोड़ रुपये करने की तैयारी है। इसमें से 60% निवेश भारत में किया जाएगा। कंपनी के इस बड़े निवेश प्लान का सीधा असर इसके शेयर पर देखने को मिल सकता है, जो बीते सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को 1.29 फीसदी चढ़कर 190.10 रुपये पर क्लोज हुआ था। स्टॉक में तेजी का असर कंपनी के मार्केट कैपिटल पर भी दिखा था और ये उछलकर 2.37 लाख करोड़ रुपये हो गया था। टाटा स्टील निवेश में बीते एक महीने के दौरान तगड़ी गिरावट देखने को मिली है और ये 8 फीसदी से ज्यादा फिसल चुका है। लेकिन देश के सबसे पुराने कारोबारी घरानों में शामिल टाटा ग्रुप की इस कंपनी के निवेशक बीते सालभर में फायदे में रहे हैं और उन्हें इस अवधि में मिला रिटर्न करीब 17 फीसदी से ज्यादा रहा है। सालभर में कंपनी का शेयर 7 जुलाई के 162 रुपये की तुलना में बीते 3 जुलाई को 190 रुपये के पार निकला है। इस टाटा स्टॉक का 52 वीक का हाई लेवल 224.40 रुपये प्रति शेयर है, जबकि इसके 52 वीक का लो-लेवल 152.51 रुपये है।

एयरटेल ने मचाया गदर, निवेशकों ने 5 दिन में छापे 36000 करोड़ रुपए

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह तमाम उतार-चढ़ाव के बाद फायदेमंद रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 663 अंक की बढ़त में रहा, तो वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी में पूरे हफ्ते में कुल 215 अंकों की उछाल दर्ज की गई। बाजार को दोनों इंडेक्स में तेजी के बीच मार्केट वैल्यू के लिहाज से देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनियों यानी सेंसेक्स की टॉप-10 कंपनियाँ में से छह की मार्केट वैल्यू में तगड़ा उछाल आया। इनमें टेलीकॉम दिग्गज भारतीय एयरटेल अव्वल रही। वहीं दूसरी ओर रिलायंस समेत चार कंपनियों को घाटा उठाना पड़ा। शेयर मार्केट में लिस्टेड टॉप-10 में से जिन छह कंपनियों के निवेशकों ने कमाई की है। उनमें एयरटेल के अलावा बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक जैसे नाम शामिल हैं। इन छह कंपनियों का कंबाइंड रूप से मार्केट कैपिटलाइजेशन बीते पांच दिन कारोबारी दिनों में करीब 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ा है। बात करें, भारती एयरटेल का मार्केट कैप की, तो इसमें सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिली है और ये उछलकर 11.64 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इस हिसाब से एयरटेल के निवेशकों ने महज पांच दिन में ही 36,529 करोड़ रुपये छाप डाले। एयरटेल के बाद अपने निवेशकों को कमाई कराने के मामले में दूसरे नंबर पर बजाज फाइनेंस रही। बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 33,060 करोड़ रुपये की उछाल के साथ बढ़कर 6.43 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक के निवेशकों ने भी कमाई की और इस प्राइवेट बैंक का एमकैप 10.12 लाख करोड़ रुपये हो गया, जिसके निवेशकों की दौलत में पांच दिन में 16,084 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। देश की सबसे बड़ी बीमा दिग्गज एलआईसी की मार्केट वैल्यू में 8,602 करोड़ रुपये का उछाल आया और ये बढ़कर 5.44 लाख करोड़ हो गई। मार्केट वैल्यू के लिहाज से देश के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर के बैंक एचडीएफसी बैंक के शेयरों में पैसे लगाने वाले भी बीते सप्ताह मौज में रहे। एचडीएफसी बैंक मार्केट कैप 7,665 करोड़ रुपये, जबकि एचयूएल मार्केट कैप 6,461 करोड़ रुपये उछला।

दैनिक ठाणे, सोमवार 6 जुलाई, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

GAME & GLAMOUR

शादी के बंधन में बंधे आमिर खान और गौरी

आज आखिरकार वो दिन आ ही गया जिसको सबका बेहद इंतजार था। 5 जुलाई को घर में सिंपल तरीके से आमिर खान और गौरी एक-दूसरे के हो गए हैं। बहुत ही कम और खास लोगों ने इस फंक्शन में शिरकत की। खास बात यह थी की आमिर खान की एक्स पत्नियां भी आमिर खान की शादी अटेंड करने आई थीं। काफी दिनों से जोरों-शोरो से शादी की तैयारियां चल रही थीं और अब आमिर खान की शादी की पहली तस्वीर सामने आई है।

एक-दूसरे के हुए आमिर खान और गौरी

बहुत ही सादगी से दोनों ने शादी की। इस मौके की पहली तस्वीर सामने आ चुकी है। इस तस्वीर में आप देख सकते हैं गौरी और आमिर नीचे जमीन में बैठकर रजिस्टर्ड मैरिज करते दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर में खास बात यह है कि दोनों के बीच में गौरी का बेटा भी बैठा हुआ है। तस्वीर में आमिर खान के बाईं ओर उनके बेटे आजाद बैठे दिखाई दे रहे हैं। वहीं आजाद के पीछे उनकी मां जीनत नजर आ रही हैं। फोटो में परिवार के अन्य सदस्य भी इस खास मौके का हिस्सा बनते हुए दिखाई दे रहे हैं।

शादी में शामिल हुए ये लोग

आमिर खान की शादी में लगभग 150 मेहमानों ने शिरकत की। इस दौरान आमिर के सबसे खास दोस्त इरफान पठान, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के संस्थापक राज ठाकरे, बेटी आयरा खान, बेटे जुनैद खान और परिवार के लोग मौदूद थे।

कौन हैं आमिर की बीवी गौरी स्प्रैट?

आपको बता दें कि आमिर खान की बीवी गौरी एक प्रोफेशनल हेयर ड्रेसर हैं। गौरी की भी पहले शादी हो चुकी हैं, हालांकि उनका तलाक हो चुका है और उनका एक आठ साल का बेटा भी है। 2025 में अपने जन्मदिन के दिन आमिर ने पूरी दुनिया से अपनी गर्लफ्रेंड को मिलवाया था और आज 5 जुलाई को दोनों पति-पत्नी के रिश्ते में बंध चुके हैं।

दुल्हन जैसी सजीं शनाया कपूर

कौन हैं शनाया?

आपको बता दें कि शनाया कपूर अभिनेता संजय कपूर और आभूषण डिजाइनर महीप कपूर की बेटी हैं। वह दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर और बोनी कपूर की भतीजी हैं।

अभिनेत्री शनाया कपूर ने मानसून के दिनों में सोशल मीडिया पर अपनी बेहतरीन तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में वह दुल्हन जैसी लग रही हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने एक बेहतरीन कैप्शन लिखा है। उनकी तस्वीरों पर उनकी मां समेत कई यूजर्स ने कमेंट किए हैं।

शनाया की पोस्ट में क्या है?

शनाया कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि उन्होंने लहंगा और टॉप पहना है। उन्होंने गहने पहने हैं। एक हाथ में भर कर चूड़ियां पहनी हैं। उनकी मांग का टीका उनकी खूबसूरती को और बढ़ा रहा है।

मां ने किया कमेंट

तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा कि बारिश के दिनों में धूप जैसी चमको। शनाया की तस्वीरों पर उनकी मां ने दिल और नजर वाला इमोजी कमेंट किया है, ताकि उन्हें नजर ना लगे। भावना पांडे ने उन्हें खूबसूरत लड़की कहा है। एक और यूजर ने लिखा कि आप बहुत ही सुंदर हैं।

शनाया कपूर का काम

शनाया कपूर को आखिरी बार फिल्म 'तू या मैं' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ आदर्श गौरव थे। बिजॉय नांबियार के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर सकी थी। शनाया 2025 में विक्रांत मैसी के साथ 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आ चुकी हैं।

आखिरी सांस तक करूंगी एक्टिंग: सुमोना

सुमोना चक्रवर्ती ने लंबे समय से एंडोमेट्रियोसिस से जूझने के बाद इसकी सर्जरी कराई है। उन्होंने कहा कि इसे संभालने की कोशिशों के बावजूद यह बीमारी बहुत ज्यादा बढ़ गई थी। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया पर दी। उनके मुताबिक उन्होंने लगभग दो महीने तक सोशल मीडिया से ब्रेक लिया था। उन्होंने पिछले कुछ हफ्ते अपनी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने में बिताए।

सुमोना की पोस्ट में क्या है?

सुमोना चक्रवर्ती ने कहा कि अब वह ठीक हैं। बल्कि, बहुत अच्छी हैं। उनकी पोस्ट सिर्फ उनकी सेहत के अपडेट तक ही सीमित नहीं थी। उन्होंने सोशल मीडिया से दूर रहने के अपने समय के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें वर्षों से ऑनलाइन किस तरह की प्रतिक्रियाएं मिली हैं। उन्होंने कहा कि अब वह डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके एक जैसी सोच वाले लोगों, खासकर महिलाओं का एक समुदाय बनाना चाहती हैं।

सुमोना की हुई सर्जरी

अपनी पोस्ट की शुरुआत हल्के-फुल्के अंदाज में करते हुए चक्रवर्ती ने लिखा कि हेलो! लंबे समय बाद वापस आकर खुशी हो रही है। पिछले दो महीनों से मैं दुनिया-दारी से दूर रही हूं। उन्होंने कहा उस समय के ज्यादातर हिस्से में वह जान-बूझकर सोशल मीडिया से दूर रही थीं। फिर उन्होंने बताया कि बीमारी के बढ़ जाने की वजह से एंडोमेट्रियोसिस को हटाने के लिए उनकी सर्जरी हुई थी।

पिछले दो महीने क्या किया?

पिछले दो महीनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वह शारीरिक और मानसिक रूप से ठीक हो रही थीं। इस ब्रेक ने सोशल मीडिया के बारे में उनके सोचने का नजरिया बदल दिया। पहले वह वाट्सऐप और इंस्टाग्राम को पूरी तरह से डिलीट करना चाहती थीं, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि यह प्रैक्टिकल नहीं है।

सुमोना को मिले नकारात्मक कमेंट्स

कई नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं, मगर वह नकारात्मक कमेंट से परेशान नहीं होंगी। अपनी ज्यादातर पर्सनल जिंदगी को प्राइवेट रखा है और आगे भी ऐसा ही करना चाहती हैं, लेकिन जब भी उनकी जिंदगी की कोई बात सच में किसी की मदद कर सकती है।

सुमोना चक्रवर्ती का वर्कफ्रंट

प्रोफेशनल तौर पर, चक्रवर्ती ने एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर अपना एक्टिंग करियर शुरू किया और बाद में 'कसम से' और 'बड़े अच्छे लगते हैं' जैसे टेलीविजन शो में नजर आईं। 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में कपिल शर्मा की ऑन-स्क्रीन पत्नी मंजू शर्मा का किरदार निभाकर उन्हें काफी पहचान मिली और बाद में वह 'द कपिल शर्मा शो' में अलग-अलग अवतारों में नजर आईं। वह 'खतरों के खिलाड़ी 14' और फिल्म 'बर्फी!' में भी काम कर चुकी हैं।

'रामायण' में मंदोदरी बनेंगी काजल अग्रवाल

'रामायण' फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण और सनी देओल भगवान हनुमान के रोल में दिखेंगे। जहां फैंस इस बड़ी स्टारकास्ट को एक साथ देखने के लिए एक्साइटेड हैं, वहीं काजल ने खुलासा किया है कि फिल्म के पहले पार्ट में उनका रोल काफी छोटा है।

पहले पार्ट में लिमिटेड है काजल का रोल

इंटरव्यू में काजल ने बताया कि पहले पार्ट में मंदोदरी का रोल ज्यादा नहीं दिखेगा। उन्होंने कहा कि कहानी का बड़ा हिस्सा लंका से पहले का है, इसलिए उनके किरदार को शुरूआती हिस्से में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं मिलेगा। काजल ने कहा कि हमने अभी सिर्फ पार्ट 1 की शूटिंग की है और जाहिर है उसमें लंका का हिस्सा कम है, और मैं मंदोदरी हूं। इसलिए मेरा रोल बहुत लिमिटेड है। इसके बावजूद ये अनुभव बहुत शानदार रहा है। इतनी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना, जो एक वर्ल्ड फिल्म होने वाली है, बहुत खास एहसास है। मैं बहुत आभारी हूं कि मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं, जो हमारे दिल के बहुत करीब है।

यश को लेकर क्या बोलीं काजल?

काजल ने इस फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे कन्नड़ सुपरस्टार यश के साथ काम करने का अनुभव भी शेयर किया। उन्होंने कहा कि वह पहले से ही उनके काम की फैन रही हैं और उनके साथ काम करना शानदार रहा। उन्होंने कहा कि वो बहुत अच्छे एक्टर हैं। मैं हमेशा से उनके काम को पसंद करती आई हूं और इस प्रोजेक्ट में उनके साथ काम करना बहुत अच्छा अनुभव रहा। वो इस फिल्म को लेकर बहुत इन्वॉल्व हैं। वो बेहद प्रोफेशनल हैं और निश्चित तौर पर बहुत टैलेंटेड हैं।

दो हिस्सों में रिलीज होगी ह्यरामायणह्न

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही ह्यरामायणह्न दो हिस्सों में रिलीज होगी। इसका पहला पार्ट दिवाली 2026 पर सिनेमाघरों में आएगा, जबकि दूसरा पार्ट दिवाली 2027 में रिलीज किया जाएगा। अब तक मेकर्स ने फिल्म की सिर्फ एक झलक दिखाई है, जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम के रूप में नजर आए। साथ ही रवि दुबे (लक्ष्मण), साई पल्लवी (सीता) और अयोध्या की भव्य दुनिया की झलक भी देखने को मिली। टीजर में यश के रावण अवतार की भी छोटी सी झलक दिखाई गई, जिसने फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

Womens T20 WC 2026

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की रेस में स्मृति मंधाना समेत चार खिलाड़ियों की लिस्ट जारी

आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड के लिए ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी, इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज डैनी वायट-हॉज, भारत की स्मृति मंधाना और दक्षिण अफ्रीका की ऑलराउंडर मारिजान कैप को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इन चारों खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल में पहुंची ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की ओर से दो-दो खिलाड़ी इस सूची में शामिल हैं, जबकि स्मृति मंधाना और मारिजान कैप को उनकी टीमों के फाइनल में नहीं पहुंचने के बावजूद उनके प्रदर्शन के आधार पर नामांकन मिला है।

एलिस पेरी ने अपने प्रदर्शन से कैसे प्रभावित किया?

ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी ऑलराउंडर एलिस पेरी ने एक बार फिर आईसीसी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 46.25 की औसत से 185 रन बनाए और 7.50 की औसत से चार विकेट हासिल किए। 35 वर्षीय पेरी ने ऑस्ट्रेलिया की फाइनल तक अजेय यात्रा के दौरान तीन बार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने दो विकेट लेने के बाद नाबाद 19 रन बनाए। इसके बाद पाकिस्तान और भारत के खिलाफ लगातार दो अर्धशतक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

डैनी वायट-हॉज क्यों बनीं सबसे मजबूत दावेदार?

इंग्लैंड की डैनी वायट-हॉज फाइनल से पहले टूर्नामेंट की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। 73.5 की औसत से 294 रन बनाए हैं। उन्होंने पहले मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ शतक जड़ा और इसके बाद दो और अर्धशतक लगाकर इंग्लैंड को फाइनल तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई। पूरे टूर्नामेंट में उनका स्ट्राइक रेट 152.33 रहा।

भारत के बाहर होने के बावजूद स्मृति मंधाना को क्यों मिला नामांकन?

भारत की स्मृति मंधाना इस सूची में शामिल होने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिनकी टीम सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच सकी। बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज ने 41 की औसत से 205 रन बनाए। उन्होंने पाकिस्तान और नीदरलैंड्स के खिलाफ लगातार दो अर्धशतक लगाकर भारत के अभियान की शानदार शुरुआत की। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करो या मरो वाले अंतिम ग्रुप मैच में भी उन्होंने 38 रन बनाए, लेकिन भारत सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गया।

मारिजान कैप का ऑलराउंड प्रदर्शन कितना प्रभावशाली रहा?

दक्षिण अफ्रीका की मारिजान कैप ने एक बार फिर ऑलराउंड प्रदर्शन से अपनी टीम के लिए अहम योगदान दिया। उन्होंने 31 की औसत से 124 रन बनाए और 14.37 की औसत से आठ विकेट अपने नाम किए। भारत के खिलाफ उन्होंने पहले दो विकेट लिए और फिर नाबाद 81 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका की सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा। गेंदबाजी में भी उन्होंने लगातार शानदार प्रदर्शन किया और नीदरलैंड्स के खिलाफ ग्रुप मैच को छोड़कर हर मुकाबले में कम से कम एक विकेट लिया।

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड के विजेता की घोषणा कब होगी?

आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड के विजेता की घोषणा रविवार को लॉर्ड्स में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जाने वाले फाइनल मुकाबले के बाद की जाएगी।

विद्या बालन को कैसे मिली थी उनकी पहली फिल्म 'परिणीता'

मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने अपनी पहली हिंदी फिल्म 'परिणीता' से लोगों का दिल जीत लिया था। लेकिन बॉलीवुड में कदम रखना उनके लिए आसान नहीं था। जानें कैसे मिली थी उन्हें फिल्म 'परिणीता'?

'परिणीता' के लिए दिया था ऑडिशन

खबर के अनुसार, सिमी गरेवाल के टॉक शो में विद्या बालन ने उस पल को याद किया, जब उन्हें इस फिल्म 'परिणीता' के लिए चुना गया था। विद्या ने बताया कि वे इस फिल्म के लिए कई ऑडिशन दे चुकी थीं और उन्हें लगभग लग रहा था कि वे रिजेक्ट हो चुकी हैं।

कैसे मिली थी फिल्म 'परिणीता'

विद्या ने बताया कि मैं मशहूर सिंगर एनरिक के एक कॉन्सर्ट में थी। मैंने अपना फोन बंद कर रखा था, ताकि कोई परेशान न करे। मेरे साथ मेरा एक दोस्त था, जो फिल्म के डायरेक्टर प्रदीप सरकार को जानता था। जब प्रदीप सरकार ने मेरे दोस्त को फोन किया और पूछा कि विद्या कहां है? तब मैंने फोन पर बात की, तो उन्होंने कहा कि फिल्म के प्रोड्यूसर विधु विनोद चोपड़ा मुझसे बात करना चाहते हैं।

प्रोड्यूसर ने दी खुशखबरी

विद्या को लगा कि वे फोन पर प्यार से उन्हें यह कहेंगे कि 'तुम्हें यह रोल नहीं मिला'। लेकिन तभी विधु विनोद चोपड़ा ने उनसे कहा कि विद्या बालन, तुम ही मेरी परिणीता हो। मैं बस तुम्हारा बेस्ट टेस्ट ले रहा था। मुझे तुम पर पूरा भरोसा है कि तुम हमारा नाम रोशन करोगी।

किस पर आधारित थी फिल्म 'परिणीता'

फिल्म 'परिणीता' साल 1914 के एक मशहूर बंगाली उपन्यास 'परिणीता' पर बनी थी, जिसे शरत चंद्र चट्टोपाध्याय ने लिखा था। इस फिल्म से डायरेक्टर प्रदीप सरकार ने अपने करियर की शुरुआत की थी। विधु विनोद चोपड़ा की बनाई इस फिल्म में विद्या बालन के साथ सैफ अली खान और संजय दत्त मुख्य किरदारों में थे। यह फिल्म 10 जून 2005 को रिलीज हुई थी।

क्या महिलाओं के लिए सबसे मुश्किल जगह है बॉलीवुड?

अभिनेत्री कृति सेनन अपनी नई फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने साथ हुए भेदभाव के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री को अक्सर उनके साथी अभिनेताओं से अलग तरह से जज किया जाता है। कृति ने इंडस्ट्री में काम करने की चुनौतियों के बारे में भी बात की है।

सबसे कठिन बॉलीवुड

लिली सिंह के साथ बातचीत में कृति ने बताया कि उन्होंने मॉडलिंग, इंजीनियरिंग कॉलेज और फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है। वह जिन भी फील्ड्स का हिस्सा रही हैं, उनमें से बॉलीवुड ही वह जगह है जहां उन्हें सबसे ज्यादा चैलेंज का सामना करना पड़ा है। उन्होंने याद किया कि जब उन्होंने अपना करियर शुरू किया था, तो महिलाओं के लिए आज की तुलना में बहुत कम मौके थे।

लिंग के आधार पर है भेदभाव

कृति के मुताबिक, उस समय कई फिल्में मेल हीरो के आस-पास होती थीं, जिनमें अभिनेत्रियों को अक्सर सिर्फ रोमांटिक इंटरेस्ट के तौर पर लिया जाता था। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री धीरे-धीरे बड़ी हुई है, अब महिलाओं के लिए बेहतर लिखे गए रोल बन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लिंग के आधार पर भेदभाव अभी भी कई तरह से मौजूद है।

अभिनेत्रियों को किया जाता है जज

कृति ने फिल्म सेट पर मेल और फीमेल एक्टर्स पर लागू होने वाले अलग-अलग स्टैंडर्ड्स के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वह अपने कैरेक्टर और सीन के बारे में सवाल पूछने के लिए जानी जाती हैं। जब कोई महिला ऐसा करती है, तो उसे अक्सर मुश्किल या बहुत ज्यादा सवाल पूछने वाली समझा जाता है।

'योग्यता के आधार पर अवसर देता है बीसीसीआई'

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भारत के सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनने पर वैभव सूर्यवंशी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई खिलाड़ियों को उनकी योग्यता के आधार पर अवसर देता है। साथ ही सोशल मीडिया पर वैभव सूर्यवंशी को मौका नहीं मिलने को लेकर उठ रहे सवालों को भी खारिज किया।

वैभव सूर्यवंशी ने डेब्यू मैच में कैसा प्रदर्शन किया?

इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत 10 गेंदों में 14 रन बनाकर की। उन्होंने दो शानदार छक्के लगाए, बाद में विल जैक्स की गेंद पर स्टंप आउट हो गए।

क्या बीसीसीआई खिलाड़ियों के साथ नाइंसाफी करता है?

राजीव शुक्ला ने कहा कि उन्हें पहले से भरोसा था कि सही समय आने पर वैभव सूर्यवंशी को मौका जरूर मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि युवा बल्लेबाज भविष्य में शानदार प्रदर्शन करेगा और अपनी अलग पहचान बनाएगा। उन्होंने कहा कि वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू और यह मौका मिलने पर बहुत-बहुत बधाई। बीसीसीआई किसी के साथ नाइंसाफी नहीं करता। जो इसके हकदार होते हैं, उन्हें मौका जरूर मिलता है। सोशल मीडिया पर काफी हंगामा था कि उन्हें मौका नहीं दिया जा रहा और कोच व कप्तान की आलोचना भी हो रही थी। लेकिन ऐसा नहीं था। मैंने कुछ दिन पहले भी कहा था कि सही समय आने पर उन्हें जरूर मौका मिलेगा और कल उन्हें मौका मिला। मुझे पूरा विश्वास है कि वह भविष्य में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और अपनी पहचान बनाएंगे। यह टीम प्रबंधन का बेहतरीन फैसला है और इसकी सराहना होनी चाहिए।

वैभव सूर्यवंशी ने कौन-कौन से रिकॉर्ड तोड़े?

15 साल और 99 दिन की उम्र में भारत की प्लेइंग इलेवन में शामिल होने के साथ ही वैभव सूर्यवंशी सभी प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इस मामले में सचिन तेंडुलकर के टेस्ट (16 साल 205 दिन) और वनडे (16 साल 238 दिन) डेब्यू के रिकॉर्ड के साथ-साथ पीयूष चावला के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। साथ ही वह टेस्ट खेलने वाले देशों की ओर से टी-20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बन गए।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित। दूरध्वनि: 0251- 3238100, कार्यकारी संपादक: पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 स्थानीय संपादक: शिवप्रताप